रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल गांधी फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ - 12

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- एफटीए में डेयरी और एमएसएमई के हितों पर ध्यान - 12

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती- 13

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी-20 मैच में गिल की निगाह बड़े स्कोर पर- 14

आज का मौसम

27.0⁰ अधिकतम तापमान

13.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.31

सूर्यास्त 05.26

अमृत विचार

मुरादाबाद

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 02:55 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 6 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 219, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में पहले चरण का मतदान आज 1,314 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर

पटना, एजेंसी

- तेजस्वी, सम्राट व विजय सिन्हा समेत कई दिग्गज मैदान में

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए गुरुवार को 121 सीटों पर मतदान डाले जाएंगे। इस चरण में कुल 3.75 करोड़ मतदाता 1,314 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे।

बिहार संग्राम

इस चरण में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव और भाजपा के उम्मीदवार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ 16 मंत्रियों की किस्मत भी दांव पर है। राजद के नेता तेजस्वी यादव राघोपुर सीट से लगातार तीसरी जीत दर्ज करने की कोशिश में हैं। उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सतीश कुमार हैं, जिन्होंने 2010 में जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट पर तेजस्वी की मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को पराजित किया था। राघोपुर सीट से जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने तेजस्वी के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने मैदान में उतरने से परहेज किया और उनकी पार्टी ने चंचल सिंह को उम्मीदवार बनाया। राघोपुर सीट से सटी महुआ सीट पर तेजस्वी के बड़े भाई और जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव बहुकोणीय मुकाबले में फंसे हैं। तेज प्रताप इस सीट पर राजद विधायक मुकेश रौशन को चुनौती दे रहे हैं।

आयोग ने बूथों पर शत प्रतिशत वेबकास्टिंग, नई वीआईएस पर्ची की सुविधा और ईवीएम नेट ऐप के माध्यम से मतदान रिपोर्टिंग जैसे नवाचारों को लागू किया है। पहले चरण में तीन करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र होंगे।

प्रधानमंत्री से मिलीं चैंपियन बेटियां, मिला सम्मान

- खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को प्रधानमंत्री के साथ किया साझा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम और ट्रॉफी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

एकदिवसीय विश्वकप विजेता भारतीय महिला टीम ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान अपने अनुभवों को उनके साथ साझा किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम सम्मान समारोह के लिए अपनी ऑफिशियल फॉर्मल ड्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर पहुंची और बहुत एलिगेंट लग रही थी। बीसीसीआई के लोगो वाले मैचिंग नेवी-ब्लू ब्लेजर और क्रीम ट्राउजर पहने हुए, खिलाड़ियों ने गर्व और प्रोफेशनलिज्म की एक शानदार तस्वीर पेश की। भारतीय टीम के साथ बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास और कोच अमोल मजूमदार भी नजर आए। बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल होने वाली प्रतिका रावल व्हीलचेयर पर दिखीं।

विश्व चैंपियन बनी भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया। मंगलवार को विशेष विमान से इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर पहुंची भारतीय टीम का भव्य स्वागत किया गया। टीम ताज पैलेस होटल में रुकी है। प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए जाते समय सेमीफाइनल मुकाबले में चोटिल हुई सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल भी व्हील चेयर पर टीम के साथ थी।

ब्रीफ न्यूज

नेटवर्क समस्या से एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली तथा देश के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बुधवार को टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया की चेक-इन प्रणाली प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एअरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि तीसरे पक्ष द्वारा प्रबंधित कनेक्टिविटी नेटवर्क की समस्या के कारण कुछ हवाई अड्डों पर चेक-इन प्रणाली प्रभावित हुई है। इसके कारण एयर इंडिया समेत कुछ विमान सेवा कंपनियों की उड़ानों में देरी हो रही है। जिसे बाद में ठीक कर लिया गया।

सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़प, कई घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के खुर्दा जिले में दो गांवों के निवासियों के बीच बुधवार को सीमा विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए और तीन से चार दुकानों में आगजनी की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा हटाए जाने के कुछ दिन बाद हुई। इस मुद्दे पर पहले भी हिंसा हो चुकी थी, जिसके बाद इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई थी।

धमकाया, अवैध कब्जा किया तो खैर नहीं

सीएम योगी की माफिया को चेतावनी, कब्जामुक्त कराई जमीन पर बनाए गए फ्लैट परिवारों को सौंपे

- मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से की मुलाकात, उन्हें गृह प्रवेश का सामान किया भेंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में महिला को फ्लैट का आवंटन पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

अमृत विचार: धमकाया, अवैध कब्जा किया तो लेने के देने पड़ जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया और उनके गुर्गों को इस चेतावनी के साथ दुर्बल आय वर्ग के 72 परिवारों को दिए फ्लैट की चाबी सौंपी। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ में माफिया से मुक्त कराई गई भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल आवासीय योजना का लोकार्पण किया। जियामऊ, डालीबाग स्थित एकता वन में आयोजित समारोह में सीएम ने दुर्बल आय वर्ग के परिवारों को फ्लैट के आवंटन पत्र वितरित किए।

इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह केवल आवास वितरण नहीं, बल्कि संदेश है कि माफिया से छीनी गई भूमि पर गरीबों का आशियाना बनेगा। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए चेतावनी है जो माफिया को शागिर्द बनाते हैं, उनकी कब्र पर फातिहा पढ़ते हैं, वे गरीबों का शोषण करवाते हैं। अब यूपी में ऐसा नहीं चलेगा। योगी ने कहा कि अगर कोई गरीबों की जमीन पर कब्जा करेगा, अगर कोई सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करके समाज को डराने-धमकाने का काम करेगा, तो लेने के देने पड़ जाएंगे। यह सरकार जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि यही नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की पहचान है, जहां विकास के साथ धर्म, संस्कृति और परंपरा का संगम है।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थी परिवारों से मुलाकात की, उन्हें गृह प्रवेश का सामान भेंट किया, नन्हीं बच्चियों को गोद में लेकर दुलार किया और चॉकलेट बांटी। इस दौरान आवास परिसर में सीएम योगी ने वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 8000 आवेदनों में 5700 आवेदन योग्य लोगों का था, इसमें से 72 को पहले आवंटन मिला है। मुख्यमंत्री ने सभी 72 लाभार्थियों को आवास की सुविधा मिलने पर उन्हें और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि इन लोगों को अब अपना सिर उठाकर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला है। यह प्रधानमंत्री आवास योजना से कवर होगा तो यह और सस्ता व लाभकारी होगा।

सभी जिलों में खुलेगा सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉयमेंट सेंटर खुलेगा। क्लस्टर विकसित कर युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट कर उनके लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे नौजवान रोजी-रोटी की तलाश में बाहर न जाएं। वहीं, राज्यसभा सांसद और उप्र. के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने यहां कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में वह माफियागिरी समाप्त हो चुकी है। कुछ अपराधी मारे जा चुके हैं, कुछ जेल में हैं, कुछ प्रदेश छोड़ भाग गए हैं और कुछ अब माला जप रहे हैं। योगी सरकार में कानून राज स्थापित हुआ है, इसलिए आज निवेशक भी उत्तर प्रदेश पर भरोसा कर रहे हैं। कभी जहां रंगदारी और अपहरण उद्योग चलता था, वहीं आज 40 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आ रहा है।

महादेव सट्टेबाजी एप मामले में फरार आरोपी का पता लगाए ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर नाराजगी जताई, कहा- यह अदालत के विवेक को झकझोरता है

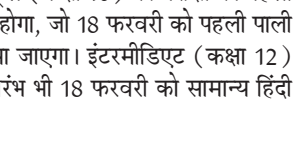

शीर्ष कोर्ट ने ईडी को महादेव सट्टेबाजी ऐप के सह-संस्थापक रवि उप्पल का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। वह दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है। न्यायालय ने कहा कि सफेदपोश अपराध के आरोपियों के लिए अदालतों और जांच एजेंसियों को खिलौना बनाने नहीं दिया जा सकता है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी उप्पल के कानून से बचने पर गंभीर नाराजगी जताई और कहा, यह अदालत के विवेक को झकझोरता है, अब कुछ करना ही होगा। बताया जाता है कि भारत में प्रवर्तन एजेंसियों से बच रहा उप्पल दुबई से किसी अज्ञात स्थान पर भाग गया है, जिसकी वजह से संयुक्त अरब अमीरात प्राधिकारियों ने उसकी प्रत्यर्पण प्रक्रिया रोक दी। न्यायालय ने कहा, ऐसे अपराधियों के लिए अदालतें और एजेंसियां खिलौना नहीं हैं। ईडी उसे जल्द खोजे और गिरफ्तार करे। शीर्ष अदालत उप्पल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उसने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 22 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने उसे रायपुर की निचली अदालत में लंबित धन शोधन मामले की सुनवाई में शामिल होने का निर्देश दिया था। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायालय को बताया कि उप्पल 2023 में दुबई में हिरासत में था लेकिन अब वहां से भाग निकला है।

दरोगा ने बसपा नेता को पीटा, छत से नीचे फेंका, अस्पताल में मौत

संवाददाता तिलहर/शाहजहांपुर

- बेटे को पकड़ने गई थी पुलिस दरवाजा तोड़ घर में घुसने का आरोप
- पत्नी ने थाने में दरोगा समेत एक सिपाही पर दर्ज कराई रिपोर्ट

> सत्यभान की मौत में दरोगा और उसके एक साथी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस अपने स्तर से विवेचना कर रही है।
> – ज्योति यादव, सीओ तिलहर

अमृत विचार : पुलिस ने मंगलवार शाम बसपा नेता के बेटे की तलाश में उसके घर पर दबिश दी। आरोप है दरोगा ने मकान की छत पर उन्हें पीटा और छत से धकेल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

मृतक की पत्नी की तहरीर पर दरोगा राहुल सिसौदिया और एक अन्य साथी पर गैर इरादन हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। वहीं मरने से पहले बसपा नेता का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह दरोगा पर मारपीट और छत से फेंकने का आरोप लगा रहे है। सत्यभान कटरा नंबर तीन से बसपा के जोन प्रभारी थे। तिलहर थाना क्षेत्र के गांव मौजमपुर निवासी रेखा देवी पत्नी सत्यभान ने बताया उसके पुत्र अभिषेक के खिलाफ धारा 307 के तहत अमन शुक्ला, पिंकी शुक्ला, रमनपाल, रामगोपाल निवासी निजामगंज थाना तिलहर ने मुकदमा दर्ज कराया था। मंगलवार शाम 7:30 बजे दरोगा राहुल सिसौदिया अपने एक साथी के साथ बाइक से आए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने दरवाजा तोड़कर घर में घुस गए और बेटे अभिषेक के बारे में पूछा। इसके बाद दोनों लोग छत पर चढ़ गए। आरोप है दरोगा और उसके साथी ने उनके पति सत्यभान सिंह (47) को पकड़ लिया और जाति सूचक शब्द कहते हुए मारने पीटने लगा था।

आस्था की डुबकी

कार्तिक पूर्णिमा पर तिगरी गंगा में स्नान करने को उमड़े श्रद्धालु। यहां करीब 40 लाख श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान है। ● अमृत विचार

यूपी बोर्ड : परीक्षाएं 18 फरवरी से, पहला पेपर हिंदी का

लखनऊ। एशिया के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड के रूप में शामिल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) बोर्ड परीक्षाओं की तिथि बुधवार को घोषित कर दी है। परिषद की सचिव भावना सिंह के स्तर से जारी आदेश के अनुसार, आगामी वर्ष की परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी।

पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल (कक्षा 10) की परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र हिंदी का होगा, जो 18 फरवरी को पहली पाली में आयोजित किया जाएगा। इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की परीक्षा का आरंभ भी 18 फरवरी को सामान्य हिंदी विषय से होगा।

गर्व के पल

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में हुए मेयर पद के लिए चुनाव

भारतवंशियों का परचम, ममदानी बने न्यूयॉर्क के मेयर

- सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल दूसरी बार मेयर बने

न्यूयॉर्क, एजेंसी

जोहरान ममदानी

आफताब पुरेवैल

गजाला हाशमी

अमेरिका के कई राज्यों के प्रमुख शहरों में मंगलवार को मेयर पद के लिए चुनाव हुए जिनमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने पसंदीदा नेता को चुना लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए हुए चुनाव में देखने को मिला जिसमें भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने विजयी होकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद पर आसीन होने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए हैं। वहीं, सिनसिनाटी शहर में आफताब पुरेवैल भी दूसरी बार मेयर चुने गए। वर्जीनिया में गजाला हाशमी लेफ्टिनेंट गवर्नर चुनी गईं।

ममदानी ने 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) प्राप्त कर न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का चुनाव जीता, जिसमें 83 प्रतिशत वोट पड़े। वह कई महीनों से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुनाव की दौड़ में सबसे आगे थे और मंगलवार को उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। कुओमो को 7,76,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले जबकि स्लिवा को 1,37,030 वोट मिले। उनकी प्रचार टीम ने कहा था, जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए जीवनयापन की लागत कम करने के वास्ते मेयर पद का चुनाव लड़ रहे हैं।

युवा नेता ममदानी को युवाओं और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्कवासियों के बीच भरपूर समर्थन मिला, जो देश में कठिन आर्थिक और राजनीतिक माहौल के बीच महंगाई और नौकरी की असुरक्षा के बोझ तले दबे हुए हैं। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। उनका जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था और सात साल की उम्र में वह अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क सिटी आ गए थे।

ममदानी 2018 में ही अमेरिकी नागरिक बने थे। ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के लिए भी मंगलवार को चुनाव हुए जिनमें डेमोक्रेट आफताब पुरेवैल ने रिपब्लिकन उम्मीदवार कोरी बोमैन को शिकस्त दी और इस पद पर अपना वर्चस्व बरकरार रखा।

ट्रेन की चपेट में आने से 6 महिलाएं कटीं

मिर्जापुर, एजेंसी

- मिर्जापुर में ट्रैक पार कर गंगा स्नान करने जा रही थीं तभी हुआ हादसा

मिर्जापुर में चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से छह महिलाओं की मौत हो गई। रेलवे के उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई जब यात्री 13309 चौपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन से पटरी वाली तरफ उतर गए।

उन्होंने कहा कि इस दौरान वे सामने से आ रही 12311 नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। त्रिपाठी ने बताया कि ये लोग कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए यहां आए थे। पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रशांत वर्मा ने बताया, मरने वालों में सभी महिलाएं हैं, जिनमें से पांच की पहचान हो गई है। अधेड़ उम्र की एक महिला का शव बुरी तरह से क्षत-विक्षत है और उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

उन्होंने बताया कि पांच की पहचान सविता (37), साधना (16), शिव कुमारी (12), अंजू देवी (20), और कलावती (50) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि सभी शव पोस्टमार्टम के लिये मिर्जापुर भेज दिये गए हैं। रेलवे ने कहा कि चौपन प्रयागराज पैसेंजर ट्रेन प्लेटफॉर्म संख्या चार पर रुकी और यात्री फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद दूसरी तरफ पटरी वाली ओर उतरने लगे। प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने कहा, ये यात्री कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए मिर्जापुर आए थे। फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद, वे पटरियों से प्लेटफार्म पार कर रहे थे, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

मुख्यमंत्री योगी ने पीड़ितों के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय और राज्य आपदा मोचन बलों को दुर्घटनास्थल पर पहुंचने का आदेश दिया गया है। केंद्रीय मंत्री और मिर्जापुर की सांसद अनुप्रिया पटेल ने 'एक्स' पर एक संदेश में घटना को लेकर दुख व्यक्त किया।

अमृत विचार

मुरादाबाद, गुरुवार, 6 नवंबर 2025

मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं की गोपनीय जांच करेगी टीम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- प्रमुख सचिव की गोपनीय टीम किसी भी समय पहुंच सकती है मुरादाबाद

अमृत विचार : प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित घोष द्वारा गठित गोपनीय टीम जल्द ही मुरादाबाद मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने पहुंच सकती है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने सभी स्वास्थ्य इकाइयों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र), आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर सफाई के साथ दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के मानकों को बेहतर बनाने के लिए विशेष निगरानी टीमों को गठित किया है। प्रथम चरण में इन टीमें मंडल मुख्यालयों की वास्तविक स्थिति का आकलन करेंगी। हाल ही में कानपुर मंडल में की गई जांच के बाद शासन ने कई सुधारात्मक कदमों की अनुशंसा की थी। अब मुरादाबाद समेत अन्य मंडलों में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि गोपनीय टीम न केवल अस्पतालों की सेवाओं का मूल्यांकन करेगी, बल्कि कर्मचारियों की उपस्थिति, रोगी रजिस्टर, स्वच्छता, बिजली-पानी की व्यवस्था और औषधि वितरण प्रणाली की भी जांच कर सकती है। उन्होंने सभी बीएमओ और स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया है कि किसी भी समय निरीक्षण टीम पहुंच सकती है।

दो घंटे तक हेलीकॉप्टर से की गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा, हाथी, घोड़े, ऊंट, बग्गी, सोने का रथ रहे आकर्षण का केंद्र

चक्रवर्ती सम्राट भरत की दिग्विजयी यात्रा के अभिनंदन में दिखा उत्साह

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- पुणे से केरल तक के वाद्य यंत्रों ने सभी का मन मोहा
- मणिपुरी कलाकारों ने दी अम्ब्रेला ढोल नृत्य की प्रस्तुति

अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के परिसर में बुधवार को मशहूर वाद्य यंत्रों की भक्तिमय धुनों, रंग-बिरंगे परिधानों में हाथियों, घोड़ों, ऊंटों, स्वर्ण रथ, बग्गियों की मौजूदगी ने चक्रवर्ती सम्राट भरत की दिग्विजय यात्रा में चार चांद लगा दिए। इस आलौकिक दृश्य को देखने के लिए लोगों में उत्साह रहा।

बागड़पुर फ्लाईओवर के नीचे दिग्विजय यात्रा को मुख्य अतिथि मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर कैंपस के लिए रवाना किया। टीएमयू के ग्रुप वाइस चेयरमैन मनीष जैन चक्रवर्ती सम्राट भरत और ऋचा जैन सुभद्रा चक्रवर्ती की भूमिका में रथ पर सवार थे। दिग्विजय यात्रा में अजमेर से आए ज्ञान-विज्ञान संयम उत्सव विशाल रथ पर कुलाधिपति व महायज्ञ नायक सुरेश जैन, वीना जैन, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन, जहान्वी जैन विराजमान थे। चक्रवर्ती सम्राट भरत के रथ के आगे-आगे परम पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज के शिष्य प्रज्ञाश्रमण उपाध्याय श्री 108 प्रज्ञानंद जी महामुनिराज, मुनि श्री 108 सभ्यानंद जी मुनिराज ससंघ व गिरनार गौरव आचार्य श्री 108 निर्मल सागर जी महाराज के शिष्य क्षुल्लकरत्न गिरनार पीठाधीश श्री 105 समर्पण सागर जी महाराज श्रावकों के घेरे में चल रहे थे।

दिग्विजयी यात्रा में सोने के रथ पर सवार चक्रवर्ती सम्राट भरत की भूमिका में टीएमयू के ग्रुप वाइस चेयरमैन मनीष जैन व सुभद्रा चक्रवर्ती की भूमिका में ऋचा जैन।

चक्रवर्ती सम्राट भरत के रथ को श्रद्धालुओं ने जयकारों और मंगल ध्वनि के साथ मंगल प्रवेश कराया। ऋषि जैन सौधर्म इन्द्र, निधि जैन-शचि इंद्राणी, वीसी प्रो. वीके जैन, मनोज जैन, विपिन जैन भी शामिल रहे। चारों ओर जैन पताका, मंगल कलश व अन्य कटआउट्स लगे थे। रिद्धि-सिद्धि भवन होते हुए भव्य दिग्विजय यात्रा ने पूरे टीएमयू कैंपस का भ्रमण किया। अंत में वापस रिद्धि-सिद्धि भवन में अभिषेक और शांतिधारा के संग दिग्विजय यात्रा का समापन हो गया।

यात्रा में पुणे का वाद्य यंत्र- झांज पथक, केरल के ढोल- चेंडा मेलम, रहली पटना सागर से ऐरावत हाथी, दिल्ली का नासिक ढोल, खुरई से रमतुला दलदल घोड़ी, दिल्ली से शहनाई, ऊंट, बग्गी, मंगल कलश, जबलपुर का प्रसिद्ध श्याम बैंड, अम्ब्रेला नृत्य आदि की झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। अम्ब्रेला ढोल नृत्य मणिपुरी कलाकारों की ओर से प्रस्तुत किया गया। कैंपस में मगध, काशी, गांधार, पांचाल आदि छह स्टॉल्स भी सजाए गए। इस दौरान मुरादाबाद जैन समाज के अनिल जैन, रामगंगा विहार जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष संदीप जैन, महिला समाज की अध्यक्ष नीलम जैन, उद्यमी आकाश जैन, अनिल अग्रवाल, डीन एकेडमिक्स प्रो. मंजुला जैन, डॉ. कल्पना जैन, प्रो. रवि जैन, डॉ. अंकिता जैन, डॉ. हर्षित जैन, डॉ. विनोद जैन, डॉ. रत्नेश जैन, डॉ. प्रवीन जैन, डॉ. अर्चना जैन आदि भी मौजूद रहे।

शहर में आज

☞ पारकर इंटर कॉलेज के मैदान पर बिशप पारकर मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट सुबह 9 :30 बजे

☞ मॉडर्न पब्लिक स्कूल में अबुल हसन मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट फाइनल सुबह 10 :00 बजे।

न्यूज ब्रीफ

गुलदार दिखाई देने से लोगों में दहशत

बिजनौर, अमृत विचार : किरतपुर थाना क्षेत्र में गुलदार का आंतक थमने का नाम नहीं ले रहा है। भनेड़ा क्षेत्र में गुलदार दिखाई देने से लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों ने बताया कि पहले भी आसपास के जंगल में तेंदुआ दिखाई दे चुका है। किसान नेता शेख मौहम्मद कैफ, मोनिस, फैज आलम, फारुक, तालिब, सलमान, तय्यब, इम्मू एंव अन्य ग्रामीणों ने वन कर्मियों को बुलाया और गुलदार पकड़ने की मांग की। वहीं, गुलदार पकड़ने के लिये वन विभाग द्वारा पिंजरा लगवा दिया गया है।

बेसमेंट के कूड़े में लगी आग लोगों में मची अफरातफरी

अग्निशमन दल की दो गाड़ियों ने मशक्कत के बाद पाया काबू

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

हनुमान मूर्ति के पास बेसमेंट में लगी आग बुझाते दमकल कर्मी। ● अमृत विचार

- कटघर क्षेत्र के हनुमान मूर्ति तिराहे के पास आग की लपटें व धुंआ देखकर लोग दहशत में आए

अमृत विचार : कटघर क्षेत्र के हनुमान मूर्ति तिराहे के निकट बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अचानक खंडहरनुमा बेसमेंट से धुएं का गुबार उठने लगा। देखते ही देखते आग की लपटें ऊपर तक उठने लगीं, जिससे आसपास के दुकानदार और राहगीर दहशत में आ गए। लोगों में अफरातफरी मच गई। लोगों की सूचना पर अग्निशमन विभाग की टीम पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बेसमेंट में लंबे समय से कूड़ा-करकट और प्लास्टिक का सामान जमा था, जिसमें अचानक आग लग गई। आग की ऊंची उठती लपटें और धुएं का गुबार देखकर सभी दहशत में आ गए। आग कहीं और विकराल रूप लेकर आसपास के दुकानों को भी न लपेट लिया, इसलिए तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग की आग बुझाने के लिए दो गाड़ियां लेकर पहुंचीं। विभाग के कर्मियों ने एहतियात के तौर पर आसपास लगे खोखे और दुकानों को खाली कराया, जिससे किसी बड़ी अनहोनी न होने पाए। टीम काफी देर मशक्कत पास की छत के दीवार के रास्ते पानी की बौछार से आग को नियंत्रित करने में जुटी रही। आसपास के लोगों को भी दूर हटाकर टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। आग की लपटे उठतीं देखकर राहगीर भी रूक कर इसके बारे में जानकारी लेने में लगे रहे। जिससे सड़क पर जाम की स्थिति भी बन गई। अग्निशमन दल के लोग समीप आ रहे लोगों को दूर हटाने के लिए अनाउंस करती रही।

वहीं गनीमत यह रही कि इससे कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने नगर निगम प्रशासन ने क्षेत्र में ऐसे खंडहरनुमा स्थानों में जमा कचरे को हटाने की मांग की है।

वायरल और सांस के रोगी नहीं हो रहे कम

मुरादाबाद, अमृत विचार : सुबह-शाम ठंड बढ़ने और धुंध छाने से जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। चिकित्सकों का कहना है कि वायरल और सांस के रोगियों की संख्या कम नहीं हो रही है। अस्पताल की ओपीडी में हर रोज 30-40 सांस के मरीज आ रहे हैं। चिकित्सक उन्हें जांच के बाद इनहेलर थेरेपी लेने की सलाह दे रहे हैं। बुधवार को जिला अस्पताल खुलते ही मरीजों की भीड़ लगनी शुरू हो गई।

सुबह आठ बजे ही पंजीकरण कक्ष के बाहर लंबी लाइन लग गई। दोपहर 12 बजे तक लोगों ने पंजीकरण करवाया। इस दौरान सर्दी, जुकाम, खांसी, वायरल के अलावा सांस रोगियों की संख्या में इजाफा हुआ है। जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि हवा में धूल-धुएं की मात्रा बढ़ने से फेफड़ों की सूजन और सांस नलियों में जकड़न की समस्या गंभीर हो गई है। मरीजों को सांस फूलना, खांसी, गले में जलन और सीने में दर्द जैसी शिकायतें हो रही हैं। अधिकतर को इनहेलर दिया जा रहा है, जो सूजन कम करता है और सांस नलियों को लंबे समय तक खुला रखता है।

हेपेटाइटिस की वायरल लोड की जांच कल से हो सकती है

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- तीन माह बाद मंडल के जिलों के मरीजों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : जिला अस्पताल में तीन माह से बंद पड़ी हेपेटाइटिस की वायरल लोड जांच शुक्रवार से फिर शुरू हो सकती है। जांच किट की खरीदारी के लिए निजी फर्म को ऑर्डर दे दिया गया है और मरीजों की सैंपलिंग शुरू हो गई है। अब मंडल के मरीजों को निजी पैथोलॉजी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जहां उन्हें पहले 2200 रुपये तक खर्च करने पड़ते थे।

मंडल क्षेत्र में हेपेटाइटिस के सबसे अधिक मरीज मुरादाबाद में हैं, ऐसे में जांच सेवा दोबारा शुरू होने से जिलों के लोगों को लाभ मिलेगा। अब जांच के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अपर निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक डॉ. संगीता गुप्ता ने बताया कि जिला अस्पताल में अब हेपेटाइटिस बी और सी दोनों की वायरल लोड जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम के तहत मरीजों को दवा पहले से निशुल्क दी जा रही है। नई व्यवस्था के अंतर्गत स्वास्थ्य निदेशालय ने सीएमओ कार्यालय के जरिए जांच किटों की आपूर्ति की पहल की है, जिससे सेवाओं के निरंतर संचालन की उम्मीद बनी है। संक्रमण की पुष्टि के लिए पहले रैपिड कार्ड टेस्ट किया जाता है, जो किसी भी लैब में 500 रुपये में हो जाता है। इसके बाद वायरस का प्रभाव जानने के लिए वायरल लोड जांच की जाती है, जो अब जिला अस्पताल में निशुल्क होगी। जनपद में हेपेटाइटिस के 450 नए मरीज हर महीने सामने आ रहे हैं। वर्ष 2019 में वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम की शुरुआत के बाद से अब तक 35 हजार से अधिक मरीज उपचार के लिए अस्पताल पहुंचे हैं। इनमे से 185 मरीज हेपेटाइटिस बी से संक्रमित पाए गए हैं, जिनमें 110 मरीजों का नियमित इलाज जारी है। हेपेटाइटिस बी का संक्रमण लंबे समय तक शरीर में सक्रिय रहता है, इसलिए मरीजों को अक्सर जीवनभर दवा लेनी पड़ती है। लैब प्रभारी डॉ. दीपाली ने बताया कि हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई में लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं, पर मुरादाबाद में हेपेटाइटिस सी के मरीज ज्यादा मिल रहे हैं।

कोहरे की चादर ओढ़े रही कार्तिक पूर्णिमा की सुबह

दिल्ली रोड पर सुबह कोहरे में जाती बाइक।

मुरादाबाद, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा की सुबह घने कोहरे की चादर में लिपटी रही। कोहरे के चलते वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा। दिल्ली रोड व मुरादाबाद हरिद्वार हाईवे पर बड़े छोटे वाहन हेडलाइट जलाकर चले।

मंगलवार रात से कोहरा छाने लगा। जो बुधवार सुबह घना हो गया। सुबह हाईवे पर दृश्यता तीन मीटर से कम होने पर वाहनों की ब्रेक पर रफ्तार लगा। मुरादाबाद- दिल्ली हाईवे पर वाहन रेंगते हुए हेडलाइड जलाकर और डिपर का प्रयोग करते हुए चले। पुलिस कर्मी चालकों को रास्ता बताने में लगे रहे। इसके अलावा मुरादाबाद कांठ रोड पर भी सुबह कोहरे के चलते दृश्यता (विजिविलिटी) कम रही। धूप निकलने के बाद अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और रात में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री रहा।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर तेंदुए की मौत

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

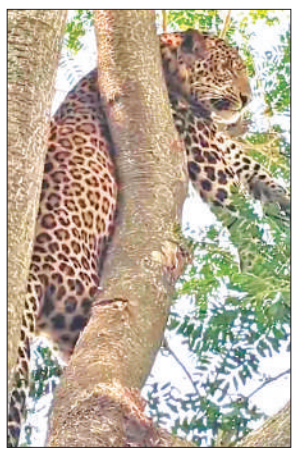

पेड़ पर लटका तेंदुए का शव।

अमृत विचार : एक तेंदुए की करंट लगने से मौत हो गई। तेंदुआ शिकार के लिए एक पेड़ पर चढ़ा था, तभी वह बिजली के तार की चपेट में आ गया। वन विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया।

धनौरा क्षेत्र के गांव वंशगोपालपुर में बुधवार को खेत पर ग्रामीण काम करने के लिए जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने पेड़ पर तेंदुए के शव को लटका देखा। तेंदुए को देखने के लिए आस पास के ग्रामीण पहुंच गए। मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना के बाद वन विभाग की टीम पहुंची। डिप्टी रेंजर मनोज चौधरी ने बताया है कि तेंदुआ अपने शिकार के लिए पेड़ पर भी चढ जाता है। ऊपर हाइटेंशन लाइन थी जिससे करंट लगने से मृत्यु हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। अभी हाल ही में एक तेंदुए का शव आजमपुर के जंगलों में मिला था।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बिजनौर, अमृत विचार : बाइक सवार एक युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर में मौत हो गई।

मृतक की पहचान चांदपुरी, थाना कोतवाली शहर निवासी 32 वर्षीय राजीव कुमार पुत्र प्रवीण सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, राजीव कुमार देर रात किसी काम से जा रहे थे। बैराज कॉलोनी के पास किसी वाहन ने उनकी बुलेट को टक्कर मार दी। गंभीर चोटें लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

मृतक राजीव कुमार।

भाजपा के इशारे पर काम कर रहा चुनाव आयोग : अमीक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

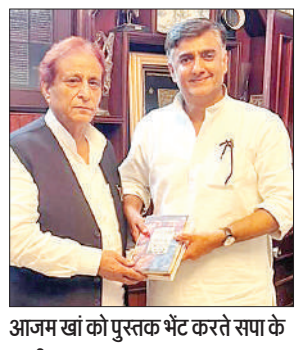

आजम खां को पुस्तक भेंट करते सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता

अमृत विचार: जौनपुर निवासी सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमीक जामेई ने पूर्व मंत्री आजम से उनके आवास पर मुलाकात की। करीब 2 घंटे तक चली मुलाकात में चुनाव 2027 की रणनीति पर भी चर्चा हुई। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने पूर्व मंत्री को लेखक प्रेम प्रकाश की पुस्तक हिस्ट्री देट इंडिया इग्नोर्ड भेंट की। मोहल्ला घेर बाज खां स्थित आवास पर मंगलवार की रात समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता की पूर्व मंत्री से करीब दो घंटे तक चली। इस मुलांकात में दोनों नेताओं ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा सरकार बनाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। अमीक जामेई कोर टीम के सदस्य हैं और आजम खां के खिलाफ हुए अन्याय के मुद्दे पर राष्ट्रीय मीडिया में लगातार मुखर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर हमलावर रुख अपनाया है और आजम खान के समर्थन में आवाज उठाई है। इस मुलाकात को पार्टी के भविष्य की रणनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भाजपा के दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

बिहार चुनाव में नहीं जाने पर आजम ने जताया अफसोस : आजम खां ने बिहार चुनाव में नहीं जाने पर अफसोस जताया है। कहा कि वह सुरक्षा कारणों के कारण बिहार नहीं जा सके हैं। कहा कि बिहार में जंगल राज खत्म होना चाहिए और कानून का राज हो। बोले- फिर यही कहूंगा कि किसी जज्बाती नारे पर या किसी बहलावे पर लोग ताकत को नहीं बांटें। जिनका मकसद ही टुकड़े-टुकड़े कर खत्म कर देना है, आपको बांटकर फासिस्टों को ताकतवर बनाना चाहते हैं। इसके लिए किसी तालीम, इल्म और डिग्री की जरूरत नहीं है बल्कि इसके लिए जरूरत है कि आप खुद अपने ऊपर तरस खाएं अपने ऊपर रहम करें मुल्क पर रहम करें वरना यह मौका शायद बार-बार नहीं आएगा। कहा कि बिहार के लोग एकजुट होकर लोकतंत्र के हक में वोट करें।

मतदाता सूचियों से लाखों के नाम हटा रहा आयोग

मुरादाबाद, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमीक जमई ने मुरादाबाद लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में पत्रकारों से अनौपचारिक वार्ता के दौरान चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर बड़ा सवाल उठाया। कहा कि अब चुनाव आयोग आरएसएस और भाजपा के इशारों पर काम कर रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में गर्माहट ला दी। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया के नाम पर मतदाता सूची में हेराफेरी की जा रही है। विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने से चुनाव आयोग बच रहा है। उन्होंने कहा कि अब आयोग स्वतंत्र नहीं रहा, सत्ता पक्ष के दबाव में काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार सहित कई राज्यों में ईवीएम की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं, लेकिन आयोग चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को निशाना बनाकर मतदाता सूचियों से लाखों नाम हटाए जा रहे हैं, जिससे लोकतंत्र पर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हाल में दिए बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वोट चोरी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है, जनता अब इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी मिल्कीपुर उपचुनाव में धांधली की बात उठाई थी, जो अब पूरे देश में चर्चा का विषय है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में इंडिया गठबंधन की जीत तय है। बदलाव की बयार बिहार से उठ चुकी है। इस दौरान सपा के ठाकुरद्वारा विधायक नवाब जान आदि भी मौजूद रहे।

सहालग शुरू | रेडी टू वियर साड़ी ट्रेंड में, पहनने में नहीं लगता ज्यादा समय

हैंड वर्क लहंगे और बनारसी साड़ी पहली पसंद

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

शोरूम के बाहर सजे कपड़े। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सहालग के चलते बाजार में खूब रौनक देखने को मिल रही है। महिलाएं खरीदारी में व्यस्त हैं। महिलाओं की भीड़ से शहर के बाजार देर रात तक गुलजार नजर आ रहे हैं। हर बार की तरह इस बार भी लाल, महरून रंग की खूब मांग है। महिलाओं को पारंपारिक बनारसी साड़ी के साथ ही हैंडवर्क लहंगा खूब पसंद आ रहे हैं।

इन दिनों बुटीक, डिजाइनर, साड़ी व लहंगा हाउस पर महिलाओं की खूब भीड़ है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार सलवार सूट की मांग कम है। महिलाओं को बनारसी, कांजीवरम, ऑर्गेंजा, बंगाली साड़ियां बहुत पसंद आ रही हैं। युवतियों को भी साड़ियों के यही डिजाइन व किस्म पसंद आ रही है। इसके अलावा इस बार रेडी टू वीयर साड़ी ट्रेंड में है। चूंकि इसे पहनने में ज्यादा समय नहीं लगता है और इसे आसानी से पहना जा सकता है। व्यपारियों का कहना है कि कांजीवरम, बनारसी और रेडी टू वियर साड़ी की मांग अधिक है। तीन से पांच हजार रुपये कीमत की साड़ियां अधिक खरीदी जा रही हैं। टाउन हॉल पर व्यापारी मयंक चावला ने बताया कि महिलाओं को रेडी टू वियर साड़ी पसंद आ रही हैं। यह साड़ी पूरी तरह रेडीमेट होती है और इसमें साड़ी प्लेट पहले से सिली हुई होती है। लाल, नीले, महरून रंग के और ज्वेल टोन शेड्स में लहंगे सबसे अधिक बिक रहे हैं। वहीं, व्यापारी राघव गुप्ता ने बताया कि युवतियों इस बार हैंड वर्क लहंगे की मांग कर रही है। बाजार में बहुत वैयायटी हैं। दरअसल, त्योहारी सीजन और सहालग को देखते हुए एक माह पहले ही माल मंगा लिया था।

30 हजार रुपये तक की साड़ियां उपलब्ध

शहर की विभिन्न शोरूम व बड़ी दुकानों पर साड़ियों की ढेरों किस्म उपलब्ध है। सहालग स्पेशल रेशमी बनारसी साड़ी की 5,000 से 15,000 रुपये में उपलब्ध है। ऑर्गेंजा साड़ी की कीमत दो से पांच हजार रुपये तक है। इसके अलावा कांजीवरम साड़ी 5,000 से 20,000 रुपये तक हैं। वहीं, ट्रेंड में चल रही रेडी टू वियर साड़ी 3,000 से 10,000 रुपये तक मिल रही है। लहंगा साड़ी 3,000 से 12,000 रुपये की कीमत में उपलब्ध हैं। टिश्यू सिल्क साड़ी बाजार में 2,500 से 11,000 रुपये तक हैं। हल्के लहंगे दो से आठ हजार रुपये में उपलब्ध हैं।

कैलिबर अकादमी ने गुर्जर क्रिकेट अकादमी को हराया

अखिल कप्तान, सागर बने उपकप्तान

ट्रायल मैच के दौरान ग्राउंड पर मौजूद चयनित टीम के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- रोटरी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए क्लब की टीम चयनित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : थर्ड बिशप पारकर मेमोरियल अंडर 13 क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे मुकाबले में बुधवार को कैलिबर क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुर्जर क्रिकेट अकादमी को हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कैलिबर की टीम ने बेहतरीन शुरुआत की और निर्धारित ओवरों में मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से मन्नान उमर ने 84 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि हसन शेख ने 37 रन जोड़कर टीम के स्कोर को मजबूती दी।

गुर्जर क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में चिट्ठी वर्मा ने 3, जबकि आर्यन सिंह ने 4 विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुर्जर क्रिकेट अकादमी की टीम केवल 146 रन ही बना सकी। बल्लेबाजी में समर ने सर्वाधिक 40 रन और चिट्ठी ने 18 रन का योगदान दिया। कैलिबर की ओर से तौसीब ने 4 और शोएब ने 1 विकेट झटके। मन्नान उमर को उनकी शानदार 84 रनों की पारी के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच में कोच हिमांशु शर्मा, अभय गुर्जर, हरदेव और राहुल मौजूद रहे। इस जीत के साथ कैलिबर क्रिकेट अकादमी ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : रोटरी क्लब मुरादाबाद एक्सिस द्वारा क्रिकेट नेट निकट चेतिया फार्म हाउस कांशीराम नगर पर ट्रायल शिविर हुआ। जिसमें रोटरी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए क्लब टीम का चयन किया।

क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन रश्मि गोयल ने बताया कि विभिन्न रोटरी क्लबों की टीमों के बीच इसी माह प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता के लिए क्लब के सदस्यों का ट्रायल लिया जा रहा है। शिविर में क्लब सदस्यों की दो टीमें बनाई गईं। एक टीम में रोटेरियन विवेक गोयल, अखिल अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल हैं, जबकि दूसरी टीम में डॉ. विवेक गोयल, सागर राय, अनूप गुप्ता, रचित अग्रवाल, तरुण जैन आदि शामिल हैं। दोनों के बीच ट्रायल के लिए दो मैच भी खेले जिसमें दोनों ही टीमों ने एक-एक मैच जीता।

क्लब के संस्थापक विवेक गोयल ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया गया। जिसमें अखिल अग्रवाल को कप्तान, सागर राय को उपकप्तान, तरुण जैन को विकेट कीपर व इसके अलावा अभिनव अग्रवाल, अनूप गुप्ता, विवेक गोयल, संजय सिंघल, डॉ. विवेक गोयल, गोविंद गुप्ता, गुरजीत सिंह, हिमांशु चौहान, गौरव गुप्ता, रचित अग्रवाल, डॉ. सुमित गुप्ता शुभम अग्रवाल का चयन किया गया।

रामगंगा नदी को पार करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाता श्रद्धालु।

लालबाग में रामगंगा नदी में स्नान करते युवक। ● अमृत विचार

रामगंगा नदी के तट पर बच्चों का मुंडन कराती महिला।

रामगंगा के घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने किया स्नान

कार्तिक पूर्णिमा : रामगंगा नदी के सीएल गुप्ता, कटघर घाट पर आस्थावानों ने पूजा कर दीपदान किया

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली के पावन पर्व पर बुधवार को रामगंगा नदी के सीएल गुप्ता घाट, कटघर स्थित अटल घाट पर भोर से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। आस्था और श्रद्धा से ओतप्रोत इस अवसर पर लोगों ने स्नान कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया और दीपदान कर पुण्य अर्जित किया। शाम होते ही नदी के घाटों पर हजारों दीयों से रोशनी बिखर उठी।

ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु अपने परिवार के साथ घाटों की ओर पहुंचने लगे। कई श्रद्धालु दूरदराज के गांवों और कस्बों से भी विशेष स्नान पर्व के चलते आए थे। नदी किनारे हर ओर हर-हर गंगे, जय गंगे माता की जयकारों की गूंज सुनाई दी।

लोगों ने कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान कर अपने पापों से मुक्ति और सुख-समृद्धि की कामना की। घाटों पर स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए थे। पुलिस बल और गोताखोरों की टीम लगातार निगरानी में रही। जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। हालांकि, आसपास कीचड़ से लोग परेशान हुए। स्नान के बाद लोगों ने पारंपरिक रीति से खिचड़ी और वस्त्रों का दान किया। कई स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों ने श्रद्धालुओं को चाय, प्रसाद और जल की व्यवस्था कराई। महिलाओं और बच्चों ने भी बड़े उत्साह से दान कार्यों और दीपदान में भाग लिया। इस अवसर पर महानगर के कई मंदिरों और आश्रमों में भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचन आयोजित किए गए। शाम होते ही रामगंगा नदी के दोनों तटों पर दीपों की पंक्ति जगमगाने लगी। महानगर की देव दीपावली का नजारा काशी की दीपावली की झलक दिखा रहा था। सीएल गुप्ता घाट से लेकर अटल घाट तक जल में बिखरी दीपों की रोशनी ने वातावरण को अद्भुत बना दिया। श्रद्धालु परिवारों ने मिलकर दीप प्रवाहित किए और भगवान विष्णु से आशीर्वाद की कामना की।

ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक कृष्ण उपाध्याय ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के इस पर्व को देवताओं की दिवाली भी कहा जाता है, क्योंकि इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध कर देवताओं को विजय दिलाई थी। इसी कारण देशभर में गंगा घाटों पर शुभ स्नान और दीपदान का आयोजन होता है। रामगंगा तट पर हुआ यह आयोजन भी उसी परंपरा का जीवंत उदाहरण रहा। देव दीपावली का यह पर्व आस्था, प्रकाश और पुण्य का संगम लेकर आया।

रामगंगा नदी में दीपदान करते लोग। ● अमृत विचार

रामगंगा नदी में पूजा करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

महिलाओं ने वितरित किया भंडारे में भोजन प्रसाद

मुरादाबाद, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को महिला संस्था यंग एनर्जेटिक पॉजिटिव पीपल के सदस्यों ने सेवा बरादरी स्थिति बालाजी मंदिर पर भंडारा किया। इसमें राहगीरों व श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद वितरित किया। भंडारे में संस्था की सदस्यों ने सेवा भाव से लोगों को प्रसाद बांटा। इसमें पूजा गोयल, दिशा, दीपा, श्वेता, प्रियंका, पलक आदि ने सहयोग किया।

कार्तिक पूर्णिमा व गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर बधाई दी

मुरादाबाद, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव फुरकान अली के नेतृत्व में सपा पदाधिकारियों ने बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा और गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर बधाई दी। सपा नेता ताड़ीखाना स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में गुरुनानक देव की जयंती पर पहुंचे। सभी को शुभकामनाएं देकर सुख-समृद्धि की कामना की। जिला महासचिव ने कहा कि गुरु नानक दार्शनिक, समाज सुधारक, कवि, योगी और देशभक्त थे। समाज से अंधविश्वास, आडंबर और जात-पात की बुराई खत्म करने के लिए उन्होंने सिख धर्म की स्थापना की। वे सिखों के प्रथम गुरु थे। सिख धर्म के माध्यम से उन्होंने मानवता को निर्गुण उपासना, नि :स्वार्थ सेवा, त्याग, समर्पण और ईमानदारी का रास्ता दिखाया। जिला प्रवक्ता धर्मेन्द्र यादव ने कहा गुरुनानक देव ने गरीब-अमीर, छोटे-बड़े और सभी जाति के लोगों को अपनाया। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही सामाजिक न्याय, परस्पर एकता और सद्भावपूर्ण सामाजिक व्यवस्था कायम हो सकती है। गुरुद्वारा सिंह सभा ने सपा पदाधिकारियों का सम्मान भी किया। सपाइयों ने इस अवसर पर लंगर भी छका। इस दौरान वेदप्रकाश सैनी, वसीम कुरैशी, जिला प्रवक्ता धर्मेन्द्र यादव, प्रेमबाबू बाल्मीकि, सरदार सिंह पाल, दलप्रीत सिंह, केदार सिंह, भूरा कुरैशी, इंद्रजीत सिंह, महेंद्र सिंह, माजिद अली, विक्की रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर खिचड़ी वितरित कर कमाया पुण्य

मुरादाबाद, अमृत विचार : अखिल भारतीय ब्राह्मण उत्थान समिति की ओर से बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर शिव विहार कॉलोनी के बाहर आशियाना फेज प्रथम मुख्य मार्ग पर शिविर लगाकर खिचड़ी प्रसाद वितरित किया। समिति के पदाधिकारियों ने मुख्य मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों व आसपास के लोगों को खिचड़ी प्रसाद वितरित कर पुण्य लाभ पाया। समिति के सदस्य अजय शर्मा ने कहा कि समिति ने कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर खिचड़ी प्रसाद वितरण कराया है। आगे भी ऐसे आयोजन जारी रहेंगे। इस दौरान समिति के मयूर शर्मा, अनिल शर्मा सल्लू, गोविंद, महावीर प्रजापति, मनोज, पंडित गोपाल आदि ने सहयोग किया।

श्रीराम गंगा घाट पर किया पूजन व सुनी कथा, छप्पन भोग अर्पण किया

मुरादाबाद, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को रामगंगा नदी के सीएल गुप्ता घाट नेत्र संस्थान के पास स्थित पूजा अर्चना कर लोगों ने कथा सुनी। दीपदान कर छप्पन भोग अर्पण किया। कथा व्यास आचार्य धीरशान्त अर्द्धमौनी ने कहा कि कार्तिक मास माहात्म्य का विशिष्ट पुण्य है, बल्कि यह कार्तिक मास की पौराणिक कथाओं और माहात्म्य (महिमा) को बताता है। यह कथाएं भगवान विष्णु, तुलसी पूजा, दीपदान और स्नान के महत्व के बारे में हैं, जो इस महीने में किए जाते हैं। कार्तिक मास माहात्म्य और कथाएं हर प्रकार से कल्याणकारी हैं। उन्होंने बताया कि कार्तिक मास में एकादशी को भगवान विष्णु अपनी योगनिद्रा से जागते हैं और मांगलिक अनुष्ठानों में साक्षात प्रकट होते हैं। कार्तिक मास में भगवान विष्णु, जलन्धर और अन्य देवताओं की कथा श्रवण से भगवत कृपा मिलती है। तुलसी सालिगराम विवाह तुलसी को भगवान विष्णु के प्रिय माना जाता है। उन्होंने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर दीप दान करने का बहुत महत्व है। कार्तिक मास में सूर्योदय से पहले स्नान करने और व्रत रखने से भगवान श्रीहरि अत्यंत प्रसन्न होते हैं। पूजन में कुसुम उत्तरेजा, प्रभा बब्बर, राज मदान, शारदा खुराना, पायल मग्गू, रेनू चावला, सुधा शर्मा, सपना सिरोही, दीपशिखा अग्रवाल, सिम्मी कपूर, पूनम ढल, अंजना सहगल, संगीता विश्नोई आदि मौजूद रहीं।

आशियाना में भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गुरुनानक देव की जयंती पर ताड़ीखाना स्थित गुरुद्वारा पहुंचे सपा के पदाधिकारियों को प्रतीक चिह्न देते गुरुद्वारा कमेटी के लोग।

युवक पर जानलेवा हमला करने में एक आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

संवाददाता, पाकबड़ा

- पाकबड़ा पेट्रोल पंप के पास हमला करने का है आरोप

अमृत विचार : युवक पर तीन लोगों ने अपने चार-पांच अज्ञात साथियों के साथ मिलकर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर एक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थाना क्षेत्र के ग्राम समाथल की निवासी उषा पत्नी सतीश कुमार ने मुकदमा पंजीकृत कराते हुए बताया कि तीन नवंबर को समय लगभग रात 9 बजे मेरे बेटे शिवांग गौतम को ग्राम के ही जनार्दन व राहुल पुत्रगण भूरे सिंह किसी बहाने से अपने साथ पाकबड़ा ले गए। पाकबड़ा पेट्रोल पंप के पास लेकर पहुंचे। तो वहां पहले से ही धारदार हथियारों तमंचे एवं लोहे की रॉड से लैस जनार्दन व राहुल के साथी योगेश पुत्र राम अवतार निवासी ग्राम हाशमपुर गोपाल अपने लगभग 4-5 साथियों सहित घात लगाए बैठे थे। वह सभी ने गाली गलौज करते हुए मेरे बेटे पर जान से मारने की नीयत से हमला कर तमंचे से फायर कर दिया। जिसमें मेरा बेटा बाल बाल बच गया। इसी दौरान जनार्दन व राहुल मेरे पुत्र को जो बहाने से ले गए थे, वहां से भाग निकले। अन्य आरोपियों ने मेरे बेटे को बेरहमी से रॉड और धारदार हथियारों से पीट-पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मरा समझ कर पास के नाले में फेंक कर फरार हो गए। इसकी सूचना राहगीरों से मुझे मिली। राहगीरों द्वारा गंभीर अवस्था में एंबुलेंस बुलाकर मुरादाबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इस समय वह जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। बेटा आईसीयू में भर्ती है, चिकित्सक ने उसकी हालत अत्यंत गंभीर बताई है। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करते हुए योगेश पुत्र राम अवतार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रदूषण से आंखों में जलन और एलर्जी की बढ़ी समस्या

मुरादाबाद, अमृत विचार : वायु प्रदूषण बढ़ने से लोगों की आंखों में जलन और एलर्जी की समस्या बढ़ने लगी है। बुधवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में 1250 मरीजों ने परामर्श लिया। इसमें आंखों में जलन के 85 और एलर्जी के 70 मरीज रहे।दो दिन से वायु प्रदूषण सूचकांक में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली। सुबह 8 बजे जब जिला अस्पताल की ओपीडी खुली तो मरीजों की भीड़ लग गई। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका सैन ने बताया बीते दो सप्ताह में 30 फीसदी रोगी बढ़े हैं। मेडिसिन विभाग ओपीडी में डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि वायु प्रदूषण बढ़ने पर एलर्जी और आंखों में जलन की समस्या बढ़ रही है।

गुरु नानक देव के उपदेशों का स्मरण किया

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : गुरु नानक देव के प्रकाशोत्सव पर बुधवार को सिख समाज में उल्लास और भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। ताड़ीखाना स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। संगत ने गुरुद्वारे में जाकर अरदास लगाई और गुरु नानक देव जी के उपदेशों को स्मरण किया। पूरे परिसर में भजन, कीर्तन और सेवा की भावना का वातावरण रहा।

सुबह से ही गुरुद्वारे में विशाल लंगर का आयोजन किया गया। लंगर सेवा में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रसाद वितरण के दौरान हर कोई गुरु सेवा में लीन दिखाई दिया। श्रद्धालुओं को भोजन परोसने के साथ-साथ पानी की व्यवस्था और सफाई में भी युवाओं ने विशेष भूमिका निभाई। गुरुद्वारे को आकर्षक फूलों, झालरों और रोशनी से सजाया गया था। रागी जत्थे ने गुरु नानक देव और गुरु गोविंद सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए शबद कीर्तन प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि गुरु नानक देव जी ने समाज में समानता, प्रेम और सेवा की भावना को फैलाने के लिए अपने जीवन को समर्पित किया। धर्म की रक्षा के लिए उनके बलिदानों का स्मरण करते हुए संगत भावविभोर हो उठी। जब रागी जत्थे ने कीर्तन समाप्त किया तो उपस्थित श्रद्धालुओं ने वाहे गुरु, वाहे गुरु और जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के जयकारों से पूरा गुरुद्वारा गुंजा दिया। गुरुद्वारा कमेटी और स्थानीय सिख संगत की ओर से यातायात व्यवस्था भी सुव्यवस्थित की गई।

कपूर कंपनी की ओर से दोपहर को कुछ समय के लिए रास्ता बंद कर वाहनों को पारकर इंटर कॉलेज की ओर से गुजारने की व्यवस्था की गई ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। शाम के सत्र में भी शबद कीर्तन का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। बच्चों और युवाओं के लिए विशेष कीर्तन दरबार रखा गया, जहां उन्हें गुरु नानक देव जी के उपदेशों पर चलने की प्रेरणा दी गई। रात में गुरुद्वारे की रोशनी और सजावट ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान जसवीर सिंह सोफ्टी, गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर के प्रधान गुरप्रीत सिंह, उपाध्यक्ष जीत सिंह, अमरजीत सिंह, हरवंश सिंह, भूपेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे। सभी ने गुरु नानक देव जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज और राष्ट्र की सेवा के संकल्प को दोहराया। गुरु नानक देव जी का यह प्रकाशोत्सव धार्मिक श्रद्धा, सेवा और एकता का जीवंत उदाहरण बन गया। पूरे क्षेत्र में भक्ति और सामुदायिक सौहार्द का वातावरण लोगों को गुरु परंपरा की महानता की याद दिलाता रहा।

गुरुद्वारे में अरदास करते लोग। ● अमृत विचार

- गुरु नानक देव जी के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र की सेवा के संकल्प को सभी ने दोहराया

गुरु ग्रंथ साहब की सेवा करता ग्रंथी।

गुरुद्वारे में गुरुवाणी सुनती महिला संगत। ● अमृत विचार

5000 दीपों, रंगोली से जगमगाया महाकालेश्वर धाम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

महाकालेश्वर धाम में दीप जलाती महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: देव दीपावली पर बुधवार को लाला ओम प्रकाश मेमोरियल ट्रस्ट, सेव गर्ल ट्रस्ट और यस वंडर विमेंस क्लब के संयुक्त तत्वाधान में महाकालेश्वर धाम मंदिर परिसर नया मुरादाबाद में भव्य दीपोत्सव और रंगोली महोत्सव हुआ। मंदिर परिसर में 5000 दीपों की जगमगाहट और रंग-बिरंगी आकर्षक रंगोलियों से अलौकिक दृश्य दिखा।

महापौर विनोद अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंदिर परिसर में 5000 दीपों की रोशनी से हर कोना जगमग हुआ। रंग-बिरंगी आकर्षक रंगोली लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। भक्ति संगीत, मां गंगा की आरती और सामाजिक एकता और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता का संदेश भी दिया। महापौर ने कहा कि कहा दीपोत्सव न केवल देव दीपावली की आध्यात्मिक भावना को उजागर करता है, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का भी संदेश देता है। भंडारे में महापौर व ट्रस्ट के पदाधिकारियों व सदस्यों ने

- महापौर विनोद अग्रवाल ने दीप जलाकर उद्घाटन किया

लोगों को भोजन परोसा। आयोजन में महेश चंद्र अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, नंदिनी अग्रवाल, विमला अग्रवाल, कुलीन अग्रवाल, इशांत अग्रवाल, सोनम अग्रवाल, विकास अग्रवाल, विभोर लोहिया, विपुल अग्रवाल, रजनीश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, सोनल अग्रवाल, शैली अग्रवाल, हिमानी भटनागर, मनन गोरंग, रूपाली अग्रवाल, विशेष गुप्ता, रीना मल्होत्रा, मनोज रस्तोगी, कशिश चौहान, रेखा मदान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद , गुरुवार,6 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

तालाब में मिला प्रसाद बेचने वाले का शव

मूंढापांडे, अमृत विचार : नेशनल हाईवे पर सिहोरा बाजे के पास पर काली मंदिर के पास तालाब में बुधवार प्रसाद विक्रेता विजेन्द्र का शव मिला। पुलिस ने शव अपने कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम को भेज दिया। सहेरिया निवासी विजेंद्र पाल (50) वर्ष मंदिर के पास प्रसाद बेचता है। वह रोजाना दुकान खोलने के बाद घर आता था लेकिन बुधवार को नहीं आया तो परिजन दुकान पर पहुंचे लेकिन वह नही मिला। मंदिर के आसपास तलाश की गई। उसका शव तालाब में मिला। थाना प्रभारी मोहित चौधरी ने बताया पोस्टमार्टम के बाद जो रिपोर्ट आएगी उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर महिला व युवती से मारपीट

छजलैट, अमृत विचार : दबंगों द्वारा बेटी से छेड़छाड़ व मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए महिला ने तहरीर दी है। छजलैट क्षेत्रांतर्गत गांव दयनाथपुर निवासी गगांवती का आरोप है कि 2 नवंबर को उसके ससुर की आरष्टी में मेहमान आये थे। शाम को वह पुत्री के साथ बैठी थी। गांव केही आजाद व दीपराज पुत्रगण दलजीत, राहुल निवासी भोला सिंह की मिलक व दलजीत पुत्र अनुप सिंह जयवीर व सोबित, जीतू पुत्रगण जयवीर व जयवीर पुत्र अनूप घर में घुस आए और उसे व उसकी बेटी को मार पीटकर घायल कर दिया व जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। महिला ने बताया कि उसके देवर ने उसकी जमीन 4 अक्टूबर को ससुर से दानपत्र करा ली और मुझे जान से मारने की धमकी देकरघर से भगा रहे हैं।

आर्य समाज में वार्षिक महोत्सव आज से

छजलैट, अमृत विचार : विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी तहसील क्षेत्र के ग्राम सदरपुर मतलबपुर में आर्य समाज का 97 वां वार्षिक महोत्सव प्रारंभ हो रहा है। आर्य समाज के अध्यक्ष राजवर्धन आर्य ने बताया कि गुरुकुल पीठ के आचार्य अखिलानंद सरस्वती, सहारनपुर से संगीता आर्या व बागपत से तुषपाल विमल अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व भाजपा विधायक राजेश कुमार उर्फ चुन्नू व आर्य समाज प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र भारती रहेंगे। यह कार्यक्रम 6 और 7 नवंबर तक चलेगा आर्य समाज के अध्यक्ष ने क्षेत्र के सभी आर्य बंधुओं से कार्यक्रम में पहुंचने का आवाहन किया है ।

युवक पर किशोरी को ले जाने का केस दर्ज

भोजपुर, अमृत विचार : गांव गौहरपुर सुल्तानपुर के ग्रामीण की तहरीर पर पुलिस ने युवक के खिलाफ नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार को दी तहरीर में ग्रामीण ने बताया कि मंगलवार को थाना मंझोला के गांव रसूलपुर निवासी अभिषेक उसकी 14 वर्षीय बेटी को ले गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रामपुर के नईम उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड श्री बने

बरेली, अमृत विचार : बिजनौर के नहटौर में हुई उत्तर प्रदेश श्री एवं उत्तराखंड श्री शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता में रामपुर के नईम उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड श्री बने। उत्तर प्रदेश मेन फिजिक में बरेली के अकुंर त्यागी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में प्रदेश महासचिव अल्ताफ हुसैन, डॉ. नजमुन नबी, अलीम मुहम्मद, विपिन बाबा, सलीम अख्तर रहे।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो.7906815587

नाम परिवर्तन

पहले मेरा नाम अकरम मुन्ना था अब मैंने अपना नाम बदल कर मोहम्मद अकरम खाँ Mohammad Akram Khan रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **मोहम्मद अकरम खाँ पुत्र मोहम्मद दुला खाँ 29 पटला वाली मस्जिद, खतौती पटला वाली मस्जिद, रामपुर उ.प्र.- 244901**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

रामगंगा में स्नान के लिए जुटे श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बच्चे का मुंडन कराती श्रद्धालु। ● अमृत विचार

ठाकुरद्वारा में रामगंगा किनारे कार्तिक पूर्णिमा पर लगा मेला। ● अमृत विचार

हर-हर गंगे के जयकारों के साथ किया स्नान

कार्तिक पूर्णिमा पर दर्जनों गांवों के श्रद्धालु पहुंचे रामगंगा में स्नान करने, बच्चों का कराया मुंडन संस्कार

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को जयनगर, मलकपुर सेमली, दरियापुर , रफातपुर , सहित क्षेत्र के विभिन्न गाँवों से भारी संख्या में श्रद्धालु कार्तिक पूर्णिमा के मेले में पहुँचे। श्रद्धालुओं ने रामगंगा नदी में 'हर-हर गंगे' और 'गंगा मैया की जय' के जयकारों के साथ आस्था की डुबकी लगाई।

मेले का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। महिलाओं ने परंपरागत भजनों के बीच अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराया। पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं ने खिचड़ी का दान किया तथा महिलाओं व बच्चों ने मेले में जम कर खरीदारी का आनंद लिया। रामगंगा नदी मेले स्थल से कुछ दूरी होने के कारण श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भीड़ को नियंत्रित करने एवं मनचलों पर अंकुश लगाने के लिए महिला कांस्टेबल के साथ-साथ पुलिस बल मुस्तैद रहा।

मेले में उप जिलाधिकारी प्रीति सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी आशीष प्रताप सिंह व कोतवाल प्रभारी मनोज कुमार सुरजन नगर चौकी प्रभारी ओंकार सिंह ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मेले में खोए बच्चों को पुलिस सहायता केंद्र की मदद से उनके परिजनों को सौंपा गया। भाजपा नेता ठाकुर अजयप्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुखपति डा वीर सिंह सैनी, जिला महामंत्री भानु प्रताप सिंह , प्रधान प्रेमसिंह, प्रधान वीर सिंह उर्फ वीरू ने पूजा की। स्वास्थ्य विभाग की ओर से नीलकंठ पुल के निकट नील सरोवर एवं जयनगर स्थित रामगंगा घाट पर निशुल्क चिकित्सा शिविर भी लगाए गए।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करने जाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

● स्नान करने के बाद खिचड़ी का प्रसाद खाया

रामगंगा में किया स्नान

अगवानपुर, अमृत विचार : अगवानपुर में राम गंगा नदी के घाट पर करीब 40 गांवों से आये हजारों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगा कर प्रसाद चढ़ाया और मन्नतें मांगीं। कमेटी ने पूरे दिन खिचड़ी का प्रसाद वितरण किया। मेले मे मीना बजार भी लगाया गया। कमेटी के पदाधिकारी सरजू बिश्नोई व अंशुल गुप्ता, नेतराम सैनी, भूरा प्रजापत व संजीव गुप्ता व राजीव गुप्ता व निकेत गांधी अमन वर्मा अचल शर्मा ने व्यवस्था देखीं। चौकी प्रभारी सुनील कुमार राठी, एसपी सिटी रणबीर सिंह व सिविल लाइन थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने सुरक्षा व्यवस्था देखी।

ग्राम दरियापुर और फजलाबाद में मेलों का आयोजन

छजलैट, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के ग्राम दरियापुर एवं फजलाबाद में भी गंगा स्नान पर्व के अवसर पर रामगंगा नदी पर मेलों का आयोजन किया गया। नायब तहसीलदार योगेश कुमार शर्मा, उप निरीक्षक गौरव कुमार, ग्राम प्रधान प्रेम सिंह, लेखपाल अंकित कुमार आदि सुरक्षा की दृष्टि से मौजूद रहे। ग्रामीणों का सहयोग रहा।

नील सरोवर में हजारों श्रद्धालुओं ने किया स्नान

कांठ, अमृत विचार : निष्कलंकी महाराज ओमकारेश्वर मंदिर नील सरोवर धाम पर बुधवार को मेले का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने स्नान किया। मंगलवार को मेले में हजारों की संख्या में गांव गांव से ट्रैक्टर ट्राली से लोग पहुंचे। बच्चों ने भी झूले पर झूल कर तथा जंपिंग पैड का पूरा लुफ्त उठाया। श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़ाकर आस्था की डुबकी लगाई। बच्चों का मुंडन भी कराया गया। करनपुर मार्ग पर ट्रैक्टर ट्राली से हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। करीब एक किलोमीटर लंबा जाम देखने को मिला। इस अवसर पर श्री श्री 1008 श्री देवानंद देव स्वरूप महाराज के चित्र पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धासुमन अर्पित कर खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। मेले में बच्चों का मुंडन संस्कार कराया गया एवं बड़ी मात्रा में श्रद्धालुओं को भजन-कीर्तन करते हुए भी देखा जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। मेले में दूरदराज के क्षेत्रों से आये साधु संत भी मौजूद रहे। मेला प्रशासन व कमेटी के अध्यक्ष आदेश कुमार बिश्नोई, सूरज सिंह गुर्जर, ब्रज राम गुर्जर अमीर सिंह ,दाताराम महाराज आदि मेला कमेटी के लोगों ने व्यवस्थाएं देखीं। एसडीएम संत दास पवार,एसपी देहात कुवंर आकाश सिंह,एएसपी अभिनव द्विवेदी, तहसीलदार राजकुमार सिंह , नायब तहसीलदार योगेश कुमार शर्मा, थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था देखी।

नील सरोवर में स्नान करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

दरियापुर रफायतपुर में लगा कार्तिक पूर्णिमा मेला

दरियापुर रफातपुर में मेले का शुभारंभ करते ब्लॉक प्रमुख पति डॉ. वीर सिंह सैनी।

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

● बड़ी संख्या में लोगों ने किया गंगा स्नान

अमृत विचार : क्षेत्र के की रामगंगा नदी किनारे लगने वाले दरियापुर रफायतपुर कार्तिक पूर्णिमा के मेले का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख पति डॉ. वीर सिंह सैनी ने किया । बड़ी संख्या में लोगों ने स्नान किया।

उन्होंने मेले में आए सभी श्रद्धालुओं को गंगा स्नान की शुभकामनाएं दीं। ग्राम प्रधान प्रेम सिंह सैनी, अमीचंद सैनी, अमन सैनी, जिला पंचायत सदस्य रोहतास सिंह सैनी, महिपाल सिंह सैनी, डॉ. जय सिंह सैनी, ओम पाल सिंह सैनी, सोम सिंह सैनी, विजय सिंह सैनी, कुमार हरपाल सिंह सैनी,पूर्व प्रधान रामवीर सिंह सैनी, पूर्व प्रधान मेवा राम सिंह सैनी, क्षेत्र पंचायत सदस्य राजीव राठौर पवन कुमार सैनी व अन्य उपस्थित रहे।

मीना बाजार से सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री खरीदी, मिट्टी के बर्तनों की भी जमकर खरीदारी की गई। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया।

परिवारों ने सामूहिक रूप से गंगा तट के लिए प्रस्थान कर आस्था की डुबकी लगाई और बच्चों का मुंडन कराया गया। श्रद्धालु गंगा माता की जय के जयकारे लगाते देखे गए। बैलगाड़ियों के साथ-साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली में भी ग्रामीणों ने सफर किया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए मार्गों पर सुरक्षा व यातायात व्यवस्था की।

रुपये लेकर बैनामा न करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

कांठ, अमृत विचार : रुपये लेकर बैनामा न करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

थाना कांठ के ग्राम पैगंबरपुर सुखवासी लाल निवासी भुवनेश कुमार पुत्र राजेंद्र सिंह ने अपने ही गांव के एहसान अली पुत्र साकिर, आस मोहम्मद जीशान ग्राम पैगंबरपुर सुखवासी लाल, अनीस अहमद ग्राम बढेरा, साजिद अहमद ग्राम आवी हाफिजपुर के खिलाफ न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर धनराशि लेकर जमीन का बैनामा न करने का आरोप लगाया था। इससे पहले भी जो जमीन उन्होंने खरीदी थी उस पर भी कर्ज था। भुवनेश के बार-बार कहने के बाद भी एहसान अली ने पिछला ऋण भी जमा नहीं किया एवं दूसरी भूमि का बैनामा भी नहीं कराया और धनराशि रख ली। पीड़ित ने थाना कांठ पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर अभियोग पंजीकृत कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

बिचौलियों के धान खरीदने का आरोप, किसानों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के जिला सचिव कामरेड हर स्वरूप सिंह के नेतृत्व में सरकारी एजेंसियों के धान खरीद केंद्रों पर खरीद को लेकर प्रदर्शन किया गया। किसानों ने धान तोल प्रभारियों पर बिचौलियों के धान खरीद को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

कहा कि बिचौलियों की धान की 150 क्विंटल से 200 क्विंटल तक की ट्रालियां भरकर आती हैं और प्राथमिकता के आधार पर उनकी खरीद कर ली जाती है और किसान खड़ा रह जाता है। किसान नेता प्रीतम सिंह ने जिला खाद्य विपणन अधिकारी विनीता मिश्रा को किसानों की समस्या के बारे में अवगत कराया। आश्वासन दिया गया कि किसी भी बिचौलिए की खरीद नहीं की जाएगी। जो वास्तविक किसान हैं प्राथमिकता के तौर पर उन्हीं के धान की खरीद की जाएगी।

मंडी समिति में प्रदर्शन करते भारतीय किसान मजदूर सभा के कार्यकर्ता।

● किसानों का धान न खरीदने पर आंदोलन की चेतावनी

प्रीतम सिंह ने कहा कि मंडी समिति में लगभग 35 ट्रालियां धान की भरी हुई खड़ी हुई है जिनमें कुछ वाहन बिचौलियों के हैं। समिति में कुल 6 केंद्र लगे हुए हैं जिन पर पूरे दिन में 5 या 6 ट्रालियों की खरीद की जाती है जो कि बहुत कम है। चेतावनी दी कि अगर किसी बिचौलिए के धान की खरीद की गई और दो दिन के भीतर मंडी समिति में खड़े किसानों के वाहनों को खाली नहीं करवाया गया तो मंडी समिति का गेट बंद कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। नरेश सिंह भूपेंद्र सिंह नवनीत चौहान कृपाल सिंह रवि चौहान नरेंद्र सिंह वीरेंद्र सिंह भुवनेश कुमार अर्जुन सिंह आदि मौजूद रहे।

चौधरपुर चौराहे पर खंभे से टकराया ट्रक, लगा जाम

चौधरपुर, अमृत विचार : बुधवार की दोपहर अमरोहा तहसील के गांव चौधरपुर में चौराहे पर खड़े खंभे से ट्रक टकरा गया जिससे जाम लग गया। जेसीबी मशीन से ट्रक को खंभे से हटाया। गनीमत रही कि उस समय बिजली नहीं आ रही थी बरना बड़ा हादसा हो सकता था।

चौराहे पर खड़े खंभे बड़ी समस्या बन चुके हैं। क्षेत्रवासी बिजली विभाग के अधिकारियों को समस्या से अवगत करा चुके हैं लेकिन समस्या का समाधान नहीं निकल सका। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने मेन चौराहे पर दो-दो बिजली के खंभे खड़े कर दिये जिससे वाहनों को मोड़ने में चालक को काफी दिक्कत होती है। उसी वक्त जाम की स्थिति बन जाती है। हर 10 मिनट में जाम लग जाता है जिससे क्षेत्र के लोगों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चौधरपुर तीन जनपदों की सीमा से जुड़ा हुआ है और आला अधिकारी इसी चौराहे से होकर गुजरते हैं।

रामगंगा पर लगा मेला, स्नान कर श्रद्धालुओं ने की खरीदारी

रामगंगा में स्नान करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, डिलारी

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव गक्खरपुर में बुधवार को रामगंगा नदी के किनारे विशाल मेले का आयोजन हुआ, हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई। मेले में लगे

सर्वर अपडेट के कारण 8 से 11 नवंबर तक नहीं होंगी रजिस्ट्री

कांठ, अमृत विचार : भूमि खरीद बिक्री से जुड़े लोगों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। सर्वर अपडेट कार्य के चलते आठ से 11 नवंबर तक उप-निबंधक कार्यालयों में रजिस्ट्रियों का कार्य नहीं हो सकेगा।

आइजी निबंधन नेहा शर्मा की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किये गए हैं। एआइजी स्टांप अनिल कुमार ने बताया कि स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के आनलाइन पोर्टल के लिए प्रयुक्त मेघराज क्लाउड सर्वर को नेशनल गर्वमेंट क्लाउड (एनजीसी) पर स्थानांतरित किया जाना प्रस्तावित है।

इसी के चलते चार दिन आठ से 11 नवंबर तक सर्वर पर रख-रखाव एवं स्थानांतरण कार्य किया जाएगा। इसके चलते आनलाइन लेखपत्र पंजीकरण एवं अन्य आवेदनों का कार्य अस्थायी रूप से बाधित रहेगा। उप निबंधक कार्यालयों में पंजीकरण का कार्य नहीं किया जा सकेगा।

गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाया

शबद कीर्तन करता रागी जत्था व बड़ी संख्या में मौजूद संगत। ● अमृत विचार

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : श्री गुरु सिंह सभा के तत्वावधान में श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व बड़ी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर गुरुद्वारे में चल रहे श्री गुरु ग्रंथ साहिब के तीन दिवसीय अखंड पाठ का भव्य समापन हुआ। ज्ञानी मनिंदर सिंह ने मधुर वाणी में शब्द कीर्तन कर संगत को निहाल किया। गुरु जी के दिखाए सत्य, सेवा और करुणा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी का संदेश आज भी समाज में शांति, प्रेम और समानता बनाए रखने के लिए प्रेरणा देता है। अंत में संगत को लंगर छकाते हुए प्रसाद वितरित किया गया। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सरदार कुलवंत सिंह, संरक्षक सरदार कृपाल सिंह चड्ढा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी संगत का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में रासमसय, कुलदीप सिंह, सुखचा सिंह, अमरजीत सिंह, जसप्रीत सिंह, नवलजीत सिंह, ताजिंदर सिंह, नवजोत सिंह, गुरविंदर सिंह गांधी, सतवंत कौर, रवनीत कौर, परमजीत कौर, जसविंदर कौर व अन्य संगत सदस्य मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

कल होगी हॉकी प्रतियोगिता

रामपुर, अमृत विचार : प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि हॉकी खेल के गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत ने सबसे अधिक ओलंपिक में मेडल जीते हैं। 7 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम सींगनखेड़ा में विभिन्न वर्गों में महिला, पुरुष, बालक-बालिका एवं मिक्स हॉकी प्रतियोगिताएं होंगी। सभी सरकारी गैर सरकारी विद्यालय सभी खेल संघ, क्लब की टीमें प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी।

ट्रेन में रखे बैग से निकला धुआं

रामपुर, अमृत विचार : बुधवार दोपहर को गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन दिल्ली से बरेली की ओर जा रही। ट्रेन रामपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इस बीच यात्रियों ने बैग से धुंआ निकलने के बाद शोर मचा दिया। उसके बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर शिखा बालियान फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। उसके बाद बैग को चेक किया। जिसमें चावल, दाल, अन्य सामान निकला। आग जैसा कुछ नहीं मिला। ट्रेन करीब पांच मिनट प्लेटफार्म पर रूकी।

तनावरहित जीवन के टिप्स दिए

रामपुर, अमृत विचार : श्री रामचंद्र मिशन के बैनर तले अभ्यासियों ने कोसी मेले में ध्यान शिविर लगाया। जिसमें तनाव मुक्त जीवन के टिप्स दिए। उसके बाद फ्री साहित्य वितरित किया। हार्टफूलनेस (श्री राम चंद्र मिशन) ने अपने अभ्यासियो के साथ कोसी घाट में शिविर लगाया। गंगा नहाने आए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण करते हुए तनाव मुक्त जीवन जीने के टिप्स दिए सभी को ध्यान करने व सहज जीवन जीने की शिक्षा दी। मिशन का साहित्य वितरित किया। कार्यक्रम की व्यवस्था ग्राम गणेश घाट के स्वयं सेवकों द्वारा की शिविर में पंकज सक्सेना,वीर सिंह, राजेश सिकरवार, अवनीश सिंह, अरुण चंद्र, सहदेव, होशियार सिंह, नीटू देवतोष श्रीवास्तव जया सिंधु शोभित किशोर सक्सेना आदि मौजूद रहे।

लोगों को बांटी खिचड़ी

रामपुर, अमृत विचार : तुरैहा मछुआ समाज की और से कोसी मंदिर पर खिचड़ी और ताहिरी का वह लगाकर वितरण किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष कमल कुमार तुरैहा, दिनेश कुमार, अर्जुन कुमार, प्रीतम सिंह, अरविंद राज, कमल कुमार मुन्ना भाई, आदि लोग मौजूद रहे।

कोसी घाट में खड़े होकर पूजा अर्चना करते भक्त। ● अमृत विचार

कोसी नदी में स्नान करते भक्त। ● अमृत विचार

भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते भक्त। ● अमृत विचार

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने कोसी में लगाई डुबकी, खिचड़ी बांटी

तड़के ही परिवार के साथ श्रद्धालु कोसी नदी के घाटों पर पहुंचे, बच्चों के मुंडन भी करवाए, सभी जगह सुरक्षा के लिए पुलिस बल रहा तैनात

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के चलते बुधवार को कोसी नदी के घाट पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। उसके बाद विधि विधान के साथ पूजन किया। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पंडाल लगाकर खिचड़ी भोज कराया। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रहा।

डीएम अजय कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र, सीओ सिटी जितेंद्र कुमार सहित जिले के पुलिस अधिकारी लगातार घाटों का निरीक्षण करते रहे। बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर तड़के से ही जिले भर में कोसी नदी, गंगा नदी पर बने घाटों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग अपने निजी वाहन, दो पहिया वाहन, ई-रिक्शा, ट्रैक्टर-ट्राली आदि से कोसी नदी पर पहुंचे। कोसी नदी में श्रद्धालुओं ने स्नान करने के बाद फूल, धूप, मिष्ठान, फल आदि से कोसी नदी पर पूजा अर्चना कर घर परिवार की खुशहाली को प्रार्थना की। इस दौरान कोसी नदी किनारे मेला भी लगा, जिसमें लोगों ने खरीदारी की। वहीं बच्चों ने भी मेले में खूब आनंद लिया। बच्चों के खेल-खिलौने, झूलने के लिए तरह-तरह के झूले, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, पूजन सामग्री सहित खाने-पीने आदि की दुकानों पर भारी भीड़ रही।

लालपुर घाट पर भी लोगों ने किया स्नान: सैदनगर, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर लालपुर घाट पर कोसी नदी में स्नान करने के लिए बुधवार सुबह से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। ट्रैक्टर-ट्रॉली, कार, ई-रिक्शा और दोपहिया वाहनों से लालपुर घाट पर पहुंचे। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने कोसी नदी में स्नान किया। उसके बाद फूल, धूप, मिठाई, फल आदि से विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इन दुकानों पर महिलाओं की भीड़ रही।थाना प्रभारी कर्मपाल सिंह निरीक्षण करते रहे।

शहर भर में बांटी खिचड़ी : गंगा स्नान के मौके पर मुख्य चौराहों पर सामाजिक संगठनों के द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को खिचड़ी बांटी गई। जबकि ज्वालानगर में सामाजिक संगठन के पदाधिकारियों ने स्टॉल लगाकर खिचड़ी बांटी। जिसमें डीएम आवास के सामाने बने पेट्रोल पंप पर सुबह स्टॉल लगाकर राहगीरों को खिचड़ी बांटी गई।

कैमरे से भीड़ को देखते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

डीएम- एसपी ने किया लालपुर घाट का निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को दृष्टिगत रखते हुए बुधवार को जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने लालपुर कोसी घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा घाट क्षेत्र में की गई तैयारियों का जायजा लिया। उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के कर्मियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने घाट पर भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक व्यवस्था, सुरक्षा घेरा, गोताखोरों की तैनाती, तथा महिला श्रद्धालुओं के लिए पृथक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। नदी तट पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था एवं चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जाए तथा मुख्य मार्गों पर नो पार्किंग जोन का अनुपालन कराया जाए। सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी रखी जाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारु यातायात पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी यह तय करें कि स्नान पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना न हो।

नदी किनारे कराए मुंडन

कोसी घाट पर तड़के से ही भक्तों का स्नान करने के लिए पहुंचना शुरू हो गया था। लोग बच्चों के साथ कोसी घाट पर पहुंचे। इस दौरान बहुत से लोगों ने बच्चों का मुंडन कराया। उनको कोसी नदी में स्नान कराकर पूजा करवाई। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा।जाम नहीं लग सके। जिसको देखते हुए ट्रैफिक पुलिस भी तैनात रही। अधिकारी भी निरीक्षण करते रहे।

बच्चे का मुंडन करवाते परिजन। ● अमृत विचार

मेले में फूल बेचता युवक।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान, मेले में की खरीदारी

स्वार, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर क्षेत्र के धनौरी और मधुपुरा स्थित कोसी नदी के घाटों पर बुधवार को श्रद्धा और भक्ति का अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। भोर होते ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने विधि-विधान से कोसी नदी में स्नान कर आस्था की डुबकी लगाई। घाटों पर सुबह से ही हर हर गंगे और जय मां गंगे के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु और मां गंगा की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की।श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर खिचड़ी, वस्त्र और अन्न का दान कर पुण्य अर्जित किया। शाम को दीपदान कर घाटों को रोशनी से आलोकित किया। घाटों पर पारंपरिक मेला भी आयोजित किया। जिसमें झूले, मिठाई और खिलौनों की दुकानों पर बच्चों और महिलाओं की भारी भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया। इससे पूर्व मधुपुरा कोसी नदी के घाट पर मेले का उद्घाटन सिंचाई बंधु जिला उपाध्यक्ष राजकुमार चौहान ने फीता काट कर किया।

मेले का उद्घाटन करते राजकुमार चौहान व साथ में अन्य।

सुरक्षा की दृष्टि से कोतवाल प्रदीप मलिक समेत पुलिस बल तैनात रहा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान डॉ. प्रेमपाल, पवन शर्मा, पंकज सैनी, जयवर्धन मौर्य, रोहताश सिंह, ठाकुर सुभाष, रामपाल सिंह, सतवीर सिंह, रामचंद्र सिंह, सतीश कुमार, विक्की ठाकुर आदि मौजूद रहे।

तुलसी की हुई पूजा।

घरों में तुलसी पूजा की

गंगा स्नान के मौके पर बहुत से घरों में महिलाओं द्वारा गमले में लगी तुलसी की पूजा अर्चना की। तुलसी को खीर पूरी का भोग लगाया गया। इससे पहले तुलसी को चुनरी ओढ़ाई गई। उसके बाद शृंगार का सामान चढ़ाया गया। फिर आरती की गई। इस दिन तुलसी की पूजा अर्चना करना शुभ माना जाता है। मंदिरों में भी महिलाओं ने तुलसी को सुबह जल चढ़ाया गया।

श्रद्धालुओं ने कोसी नदी में किया स्नान

मसवासी, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने कोसी नदी में डुबकी लगाई। मेले में महिलाओं और बच्चों ने खरीदारी की। झूलों का आनंद भी लिया। बुधवार को कोसी पट्टी कलां कोसी नदी घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर लगे मेले में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर खरीदारी की। कोसी नदी घाट पहुंचकर डुबकी लगाई, पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं ने खिचड़ी भोज बनाकर वितरण किया। खटीमा पानीपत हाईवे पर वाहनों की रफ्तार धीमी रही।

सभी घाटों पर पुलिस रही तैनात, यातायात किया डायवर्ट

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : गंगा स्नान पर जिले में 19 घाटों पर बुधवार को 1 लाख 20 हजार लोगों ने आस्था डुबकी लगाई। इस मौके पर स्नान स्थलों एवं मेलों पर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था एवं समुचित यातायात प्रबंधन के बीच श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धा व आस्था के साथ स्नान किया। घाटों पर प्रमुख मार्गों पर भीड़ को देखते हुए पुलिस ने यातायात में भी परिवर्तन किया।

बुधवार को जिले भर में गंगा स्नान के मौके पर लोग घाट पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने बताया कि जिले के कुल 19 स्नान घाटों पर लगभग 1 लाख 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान सभी स्थलों पर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा, यातायात एवं जनसुविधा की प्रभावी व्यवस्था की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं यातायात पुलिस द्वारा अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत घाटों पर स्वयं उपस्थित रहकर सुरक्षा प्रबंधन की निगरानी की। भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिस, पीएसी एवं होमगार्ड तैनात किए गए थे। इसके अलावा सभी स्नान घाटों पर

हवन में आहुति देते भक्त। ● अमृत विचार

● पुलिस सुरक्षा के बीच भारी संख्या में पहुंचे भक्त

अस्थायी चौकियां, लॉस्ट एंड फाउंड केंद्र एवं घोषणा प्रणाली स्थापित की गई। घाटों पर बैरिकेडिंग, रूट डायवर्जन एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए। जल पुलिस एवं गोताखोर दल को संभावित जोखिम वाले स्थानों पर तैनात किया। ड्रोन कैमरों एवं सीसीटीवी से घाटों की निरंतर निगरानी की। भीड़ प्रबंधन के लिए स्थानीय प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एम्बुलेंस, मेडिकल टीम व प्राथमिक चिकित्सा केंद्र उपलब्ध कराए गए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस हेल्प डेस्क तथा स्वयंसेवक टीमों को लगाया गया।

इन घाटों पर किया स्नान

बुधवार को थाना कोतवाली क्षेत्र में बने घाट पर 25,000 श्रद्धालु ने स्नान किया। थाना स्वार पर बने 3 घाट पर 2,500 श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। थाना टांडा में बने 2 घाट पर 3,000 श्रद्धालु ने स्नान किया। थाना अजीमनगर में 2 घाट पर 31,000 श्रद्धालु आए। थाना मिलक खानम में 1 घाट पर 500 श्रद्धालु, थाना बिलासपुर में एक घाट पर 500 श्रद्धालु, थाना केमरी में एक घाट पर 3,000 श्रद्धालु, थाना भोट पर एक घाट में 500 श्रद्धालु नहाए। थाना मिलक क्षेत्र में बने एक घाट पर 13,000 श्रद्धालु, थाना पटवाई पर 3 घाट पर 20,000 श्रद्धालु, थाना शाहबाद में बने एक घाट पर 13,000 श्रद्धालु, थाना सैफनी में बने दो घाट पर लगभग 7,000 श्रद्धालु पहुंचे। वहीं, कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने देव दिवाली पर अमृतमयी स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के लिए शक्ति दरबार में पुजारी पंडित विश्वनाथ प्रसाद मिश्रा के साथ वैदिक मंत्रों के साथ यज्ञ कराया। जिसमें भक्तों ने आहुतियां देकर विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर नीरज मिश्रा, श्वदेश ठाकुर, राजेंद्र सिंह, मुकुल, राधा रानी, रश्मि, केशव माधव, चंद्रा, किशन लाल, राम भरोसे लाल यादव, राम भवन, सुधा, सरोज, महेश, नितिन, अनिल कुमार चौरसिया, हरी गुप्ता, चिरंजी लाल आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

दीनबंधु सेवा दल ने करवाया खिचड़ी भोज

रामपुर, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर दीनबंधु सेवा दल द्वारा मासिक सेवा के तहत कृष्णा मंदिर के निकट खिचड़ी भोज वितरण का आयोजन किया गया। भोज वितरण कार्यक्रम में श्रद्धालुओं, राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों को खिचड़ी वितरण किया गया। मुख्य सेवादार संदीप भाटिया ने बताया कि दीनबंधु सेवा दल का उद्देश्य समाज में सेवा, एकता और सद्भाव की भावना को प्रोत्साहित करना है। दल के सदस्य समय-समय पर धार्मिक, सामाजिक और जनसेवा कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहते हैं। इस अवसर पर सेवादल के सदस्य महेंद्र हल्दिया, राहुल जैन, मोहित सक्सेना, रविंद्र पाल सिंह, संतोष प्रसाद, राकेश विश्वकर्मा, हरपाल सिंह, अंजुम स्नेही सक्सेना, विनोद, भुजवीर सिंह, नरेंद्र सक्सेना, प्रणव कुमार, गजेंद्र सिंह, प्रिया जौहरी, शशि प्रभा, शांति देवी, संजना, कविता मौर्य, कुमकुम आदि मौजूद रहे।

बिलासपुर में भाखड़ा नदी में किया स्नान

बिलासपुर, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा व देव दीपावली पर भाखड़ा डैम के गंगा स्नान घाट पर स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। आस्था व भक्ति से भरे नागरिकों ने दीपदान व सामूहिक आरती की। बुधवार तड़के नगर में हाईवे स्थित भाखड़ा डैम से निकलने वाली सीधी भाखड़ा नदी पर नगर पालिका द्वारा बना गंगा स्नान घाट श्रद्धालुओं से भरा रहा। पंजाबी कालोनी मंदिर, शिव मंदिर व सोमवार की बाजार वाले मंदिर समेत कई मंदिरों से प्रभात फेरियां निकाली गईं, भजन-कीर्तन करते हुए घाट पर पहुंची। श्रद्धालुओं का भी वहां तांता लग गया। पालिकाध्यक्ष चित्रक मित्तल ने पुष्प वर्षा करते हुए सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया। पुजारी राम मनोहर पाठक ने सामूहिक गंगा आरती कराई। श्रद्धालुओं ने दीपदान व स्नान किया। अंत में प्रसाद वितरण हुआ। घाट पर अनिल मदान, परमजीत कौर पोला, प्रदीप मित्तल, किरन गुगलानी, महंत महेंद्र सागर, रविराज स्वरूप भटनागर, सुनीता वर्मा बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

डीएम-एसपी ने गुरुद्वारे में की अरदास

रामपुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने बुधवार को नगर स्थित गुरुद्वारा साहिब का भ्रमण किया। उन्होंने गुरुद्वारा परिसर में बने अस्पताल का निरीक्षण किया। वहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। दोनों अधिकारियों ने कीर्तन में सम्मिलित होकर श्रद्धा भाव से अरदास की। गुरुद्वारा कमेटी की ओर से जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक, सीओ सिटी का स्वागत किया गया।

श्रद्धालुओं ने स्नान कर बच्चों का मुंडन कराया

दढ़ियाल, अमृत विचार : बुधवार को कोसी नदी में डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान मेले में कई बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया गया और खिचड़ी का भोग बनाकर वितरित किया गया। महिलाओं ने गंगा स्नान के मेले से घरेलू सामान खरीदा जबकि बच्चों और युवाओं ने मेले में लगे झूलों का जमकर आनंद लिया। बाजपुर- मुरादाबाद मार्ग पर वाहनों की भारी भीड़ लग गई। क्षेत्र के गांव लोदीपुर नायक, पर्वतपुर, कुंडेसरा, भाऊपूरा, मोहब्बत नगर, माझा फॉर्म, सूरजपुर, जमालगंज, मिलक, जटपुरा, नारायणपुर, मुवाना, सरकथल, सिरका और रूपापुर सहित कई गांवों से लोग सुबह से ही ट्रैक्टर-ट्रालियों में भरकर कोसी नदी पर पहुंचना शुरू हो गए थे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। सीओ के एन आनंद, एसडीएम टांडा राजकुमार भास्कर, कोतवाल टांडा संदीप मिश्रा और चौकी प्रभारी प्रशांत कुमार पुलिस बल के साथ मेले में लगातार गश्त करते रहे। वहीं दूसरी ओर कोसी नदी पर गोताखोर भी मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

सैफनी, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर बुधवार को श्रद्धालुओं ने रामगंगा नदी के घाट पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई और पुण्य लाभ कमाया। इस मौके पर राम गंगा घाट पर प्रसाद, चाट पकौड़े व बच्चों के लिए खेल खिलौनों की दुकानों के अलावा श्रद्धालुओं ने लोगों के लिए भंडारा करके प्रसाद वितरित किया। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से प् पुलिस बल मौजूद रहा।

आयोजन | प्रकाशोत्सव पर बिलासपुर गुरुद्वारे में किया कार्यक्रम आयोजित

दीवान सजाया, गुरु ग्रंथ साहिब किये विराजमान

संवाददाता, बिलासपुर

अमृत विचार : गुरु नानक देव महाराज के प्रकाशोत्सव पर बिलासपुर गुरुद्वारे में दीवान सजाया। जिसमें राज्यमंत्री सहित हजारों की संगत ने मत्थे टेककर अरदास की। जत्थों ने मधुर वाणी में शबद-कीर्तन से संगत को निहाल कर दिया। श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ श्री गुरु ग्रंथ साहिब को विराजमान किया।

नगर के माठखेड़ा रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के मैदान में पंडाल लगाया गया। बुधवार सवेरे सिख श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ श्री गुरु ग्रंथ साहिब को विराजमान किया। मुख्य ग्रंथी ज्ञानी कुलविंदर सिंह ने अरदास कराई, जिसके बाद गुरु की हुजूरी में दीवान प्रारंभ हुआ। इसमें ज्ञानी खजान सिंह, ज्ञानी बलजिंदर सिंह बगीचा व जोगा सिंह भागोवालिया के हुजूरी रागी, ढाडी व कविश्री जत्थों ने मधुर संगीत के साथ संगत को शबद-कीर्तन सुनाकर निहाल किया। कथावाचक ज्ञानी रंजीत सिंह ने अपने प्रवचन के मध्यम से गुरु नानक देव के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डाला। सिखों से गुरु के बताए मार्ग पर चलने का आग्रह किया। राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख व ब्लॉक प्रमुख कुलवंत सिंह औलख सहित काफी गणमान्यों ने दीवान में सम्मिलित होकर मत्था टेका। गुरु के समक्ष श्रद्धालुओं द्वारा मत्थे टेककर अरदास करने का सिलसिला लगातार चलता रहा। इस बीच प्रकाश पर्व के कार्यक्रमों में विशिष्ट सेवा देने वाले सेवादारों को सरोपे पहनाकर सम्मानित किया गया। दीवान का संचालन गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के प्रधान तीरथ सिंह ने किया।

कार्यक्रम में भाजपा नगराध्यक्ष अंगनलाल राजपूत, हरजिंदर सिंह, चेतन पारूथी, बलवीर सिंह चौहान, खुशपाल कौर, स्वरूप सिंह, प्रोफेसर कश्मीरा सिंह, जसवीर सिंह जस्सा, बलविंदर कौर, परमजीत कौर पोला, अमरीक सिंह चौहान, प्यारा सिंह, निशान सिंह, सुरेंद्र सिंह, मान सिंह, मंजीत कौर, केवल सिंह, ऋषभ भारद्वाज आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित रहे। वहीं, दीवान के दौरान गुरु का अटूट लंगर भी चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की।

गुरुद्वारे में मौजूद राज्यमंत्री एवं अन्य लोग। ● अमृत विचार

निशान साहिब की सेवा कर टेका माथा

स्वार, अमृत विचार : गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सिख समुदाय ने प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी का श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। बाद में सिख संगत ने निशान साहिब की सेवा कर माथा टेका।

नगर में गुरु नानक देव महाराज का 556वां प्रकाशोत्सव धूमधाम एवं श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है। बुधवार सुबह सिख संगत पंजाबी कालोनी स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में एकत्रित हुई। सिख संगत ने निशान साहिब की सेवा की और गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर गुरु ग्रंथ साहिब के आगे माथा टेका। गुरुद्वारा प्रधान कर्मजीत सिंह मिंटू ने बताया कि शुक्रवार को गुरुद्वारा सिंह सभा में प्रकाश पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान ग्रंथी ज्ञानी तारा सिंह, बाबा निर्मल सिंह गोरखा, प्रधान कर्मजीत सिंह मिटू, हरदीप सिंह, सरदार रघुवीर सिंह, जितेंद्र सिंह, बिट्टू गोलू, चरनजीत सिंह, सर्वजीत कौर, अजीत कौर, सरन कौर आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

किसान करेंगे घेराव

रामपुर, अमृत विचार : भाकियू अराजनैतिक मिलक की मंडी में समय से धान तौल न होने के चलते आज मंडी का घेराव करेंगे है। भाकियू (अराजनैतिक) के मीडिया प्रभारी अब्दुल रज्जाक खान ने बताया कि धान को बेचने में एक हफ्ते से ज्यादा समय किसानों का मंडी में लग रहा है। दलालों के उत्पीड़न से किसान परेशान हैं। उन्होंने किसानों से भारी संख्या में मंडी पहुंचने की अपील की है।

जिला कृषि अधिकारी ने बीजों के नमूने लिए

रामपुर, अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी ने जिले के किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के लिए जनपद के विभिन्न बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। उन्होंने मैसर्स जैन सीड्स स्टोर माटखेड़ा रोड बिलासपुर, मैसर्स श्याम एग्रो सीड्स बिलासपुर का निरीक्षण किया। इसके अलावा मैसर्स संदीप एवं ब्रदर्स बिलासपुर, मैसर्स एस खान फर्टिलाइजर्स, मंडी का निरीक्षण किया। बीज के 4 नमूने ग्रहित किए। ग्रहित नमूनों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा।

रास्ते में ग्रामीण को पीटा

रामपुर, अमृत विचार : खजुरिया थाना क्षेत्र के गांव गोधी निवासी वकील का कहना है कि 31 अक्टूबर को किज्चालापुर भैंसिया गया था। रास्ते में जुबेर खां, अयान खान, रूबेद खां, साहिल ने उसको रोककर उसके साथ गाली-गलौज करते हुए पीट दिया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सीएचसी से बाइक चोरी

टांडा, अमृत विचार : लांबा खेडा निवासी भूरा अली भाभी को दवा दिलाने अस्पताल आया था। उसने अस्पताल के गेट के अंदर बाइक खड़ी की और दवा लेने चला गया। वापस लौटा तो उसकी बाइक गायब थी। बाद में उसने कोतवाली टांडा पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी और अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपे।

स्काउट गाइड रैली आज

रामपुर, अमृत विचार : जिला मुख्य आयुक्त भारत स्काउट और गाइड बलराम सिंह ने बताया कि 6 से 8 नवंबर तक स्वार रोड स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम पर स्काउट-गाइड रैली होगी। रैली का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी करेंगे। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष हरीश कुमार गंगवार भी मौजूद रहेंगे।

श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा में हुआ शबद कीर्तन

कृषि राज्यमंत्री, डीएम, एसपी, सिटी मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी समेत संगत ने टेका मत्था

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

गुरुद्वारे में शबद कीर्तन सुनते कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख एवं संगत। ● अमृत विचार

अमृत विचार: श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा में सवेरे 4 बजे से श्री सुखमणि साहब एवं श्री नित्य नेम साहब का पाठ हुआ। हजूरी रागी जत्था कुलदीप सिंह और जसविंदर सिंह द्वारा शबद कीर्तन से संगत निहाल हुई।

कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट सालिक राम, पुलिस क्षेत्राधिकारी जितेंद्र कुमार ने मत्था टेका। गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान ने अतिथियों को सरोपा और स्मृति चिह्न भेंट किया। गुरुद्वारे में सवेरे 9 बजे श्री अखंड पाठ साहब की समाप्ति हुई। गुरुद्वारा बंगला साहब दिल्ली से आए रागी जत्था भाई कुलवीर सिंह द्वारा कीर्तन किया। दूसरा दीवान सजने पर नाम सिमरन जत्था की महिलाओं द्वारा शबद कीर्तन किया गया। इस अवसर पर डॉ. बीबी शर्मा, डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. विशेष कुमार, शैलेंद्र कुमार शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, वेद आहूजा, संजय नरुला, सुमित कुमार, मामून शाह, तीरथ सिंह ने हाजिरी लगाई। सभी अतिथियों को सरोपा प्रसाद देकर सम्मानित किया गया। रात्रि 8 बजे से 12 तक हजूरी रागी जत्था भाई कुलदीप सिंह एवं दरबार साहब अमृतसर से आए रागी जत्था भाई जसविंदर सिंह जी रामदास द्वारा कीर्तन किया। इसके बाद आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में प्रबंधक कमेटी के प्रधान दर्शन सिंह खुराना, मीत प्रधान गुरचरण सिंह आहूजा, त्रिलोचन सिंह वाधवा, भूपेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह चावला, महेंद्र सिंह होरा, राधेश्याम अरोड़ा, अमरजीत सिंह, गुरजीत सिंह माटा, संतोख सिंह खालसा, जसमीत सिंह, पपिंदर सिंह, हरीश अरोड़ा, प्रेम अरोड़ा, हरमिंदर लाल अरोड़ा, धनवंत सिंह , रविंदर सिंह, तरनदीप सिंह ग्रोवर, कंवलजीत सिंह कथूरिया राज सिंह, सुरेंद्र सिंह, सचिन आदि मौजूद रहे।

अधिकारी 10 से 12 बजे तक शिकायत सुनेंगे

रामपुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अनुमति के बिना कोई भी जिला स्तरीय अधिकारी जनपद मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। शासकीय कार्यों के लिए जिला मुख्यालय छोड़ने से पूर्व अनिवार्य रूप से अनुमति प्राप्त करेंगे। अधिकारी 10 से 12 बजे तक कार्यालयों में शिकायतें सुनेंगे।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने अधिकारियों को जारी आदेश में स्पष्ट तौर पर निर्देशित किया है। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी आम जनमानस की समस्याओं एवं शिकायतों का समाधान करने के लिए प्रत्येक कार्य दिवस में पूर्वाह्न 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक अपने कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर जन शिकायतें सुनेंगे। कार्यालय में जन शिकायतों की सुनवाई के लिए निर्धारित समय के दौरान अधिकारी स्थलीय निरीक्षण, बैठक आदि नहीं करेंगे।जिलाधिकारी ने कार्यालयों में कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने के साथ साथ विभिन्न बैठकों में बिना पूर्व अनुमति के अनुपस्थित न रहने के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

स्वार तहसील मुख्यालय पर गिरे पड़े स्टैंड सीसीटीवी कैमरे। ● अमृत विचार

स्वार-बाजपुर मार्ग पर स्टैंड और सीसीटीवी कैमरे गिरे

संवाददाता, स्वार

अमृत विचार : स्वार-बाजपुर रामपुर मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान बड़ा हादसा होने से बच गया। मुख्यालय पर ओवरलोड वाहनों की निगरानी के लिए लगाए लोहे का भारी स्टैंड और सीसीटीवी कैमरे वाहनों की चपेट में आकर गिर गए। उस समय आसपास कोई नही था।

प्रशासन द्वारा स्वार क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों की गतिविधियों पर नियंत्रण रखने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के उद्देश्य से तहसील मुख्यालय के समीप स्टैंड सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। मंगलवार रात लोक निर्माण विभाग की ओर से स्वार बाजपुर मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य चल रहा था। दौरान बड़े वाहनों की आवाजाही और मशीनों के संचालन से कैमरों के खंभे डगमगाने लगे और देखते ही देखते लोक निर्माण विभाग के वाहनों की चपेट में आकर स्टैंड सीसीटीवी कैमरे गिरकर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि कैमरों की स्थापना पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे। विभागीय लापरवाही के कारण सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने मांग की कि इसकी जिम्मेदारी तय की जाए। क्षतिग्रस्त कैमरों की मरम्मत कराई जाए, ताकि निगरानी प्रणाली दोबारा शुरू हो सके।

पालिकाध्यक्ष पर टिप्पणी से भड़के सफाईकर्मी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय सफाई मजदूर संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने राधा रोड स्थित पालिका कार्याशाला में प्रदर्शन कर बेमियादी आंदोलन की चेतावनी दी।

संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य राधा रोड स्थित कार्यशाला में बैठक की। इसके बाद पालिकाध्यक्ष के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ नारेबाजी की। नारेबाजी के बाद सभी सफाई कर्मचारियों ने तय किया कि जब तक पालिकाध्यक्ष के खिलाफ टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज नहीं होता और उसे जेल नहीं भेजा जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा और कर्मचारी कार्य बहिष्कार करेंगे। प्रदर्शन करने वालों में नगराध्यक्ष प्रेमराज वाल्मीकि, राकेश दुली, संजय समर्पित, प्रमोद कुमार राज, दानिश खां, सगीर खां, परवेज खां, सुरेश वाल्मीकि, राधेश्याम वाल्मीकि, शमशाद आलम, आमिर खां, लक्की वाल्मीकि रहे। अध्यक्षता बाबूलाल कौशल ने, संचालन विमला देवी ने किया।

आरोपी युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रामपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला निवासी महिला सोमवार शाम को कोतवाली थाने पहुंची थी। जहां उसने पुलिस को तहरी देकर बताया कि बजरिया का नदीम ने पालिका अध्यक्ष को गाली गलौज और जान से मारने की धमकी फोन पर दी थी। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। कोतवाली पुलिस ने आरोपी नदीम को पकड़ने के बाद कोर्ट में पेश किया। कोतवाली प्रभारी ओंकार सिंह ने बताया कि आरोपी जेल चला गया है।

शटरिंग लगाते समय करंट से मजदूर की मौत

रामपुर, अमृत विचार : बुधवार सुबह शटरिंग लगाते समय करंट लगने से मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पटवाई थाना क्षेत्र के गांव रेटगंज निवासी 32 वर्षीय ओम प्रकाश मजदूरी करता था। कई दिनों से वह चौकी पाखड़ में शटरिंग का काम कर रहा था। लोगों ने बताया कि बुधवार सुबह को शटरिंग करते समय ऊपर से जा रही बिजली की लाइन से करंट लगने के बाद वह नीचे गिर गया। हादसे के बाद लोग मौके की ओर दौड़ पड़े। उसको अस्पताल लेकर भागे। चिकित्सकों ने ओमप्रकाश को मृत घोषित कर दिया। उसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया। शाम को पोस्टमार्टम हो जाने के बाद पुलिस ने शव को परिजनों के हवाले कर दिया। उसका अंतिम संस्कार करवा दिया। बता दें कि दो दिन पहले करंट लगने से दो संविदाकर्मी घायल हो गए थे।

मन की व्याकुलता के बिना ईश्वर नहीं मिलते

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

कथा में मौजूद भक्त। ● अमृत विचार

कथा सुनाते वाचक राजेंद्र तिवारी।

अमृत विचार : एकता विहार में श्री राम कथा-प्रसार समिति के तत्वावधान में हो रही श्रीराम कथा में चौथे दिन कथा व्यास राजेंद्र तिवारी ने प्रवचन दिए। उन्होंने कहा कि मन की व्याकुलता के बिना ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं है। महर्षि विश्वामित्र भी यज्ञ की रक्षा के लिए ईश्वर को प्राप्त करना चाहते थे, किंतु ईश्वर अयोध्या में थे। जहां गुरु वशिष्ठ निवास करते थे, जिनसे सहस्रों वर्षों का विवाद रहा।

कथा वाचक ने रामचरितमानस की चौपाई में कहा कि गाढ़ी तनय मन चिंता व्यापी, हरि बिनु मरहि न निशिचर पापी। इसका उदाहरण देते हुए समझाया कि अहंकार का त्याग करते हुए जब विश्वामित्र मन रूपी सुगति वाहन पर आरूढ़ होते हैं, तभी वे अयोध्या पहुंच पाते हैं। मन से अधिक तीव्र गति वाला इस संसार में कोई साधन नहीं है। मन का वास्तविक कार्य ईश्वर के चरणों तक पहुंचना है, किंतु यह कपटी-पापी मन संसार के विषयों में भटकता रहता है, बहु विधि करत मनोरथ। मुख्य यजमान के रूप में श्याम प्रकाश अग्रवाल व अंशु अग्रवाल द्वारा वेदी और व्यास पूजन संपन्न किया। कथा में अजय सक्सेना, कमलेश अग्रवाल, डॉ. गौरव वार्ष्णेय, रामगोपाल, वसन्त, प्रदीप कुमार, विनय कुमार, राजीव मित्तल, राजीव शर्मा, सुनील कौशिक, सुनील वैश्य, गोविंद शर्मा, प्रदीप राजपूत, दीपक गुप्ता, सीताराम शर्मा, अशोक सक्सेना, विशाल अग्रवाल आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे तथा कथा श्रवण कर प्रसाद ग्रहण किया।

दहेज के लिए पत्नी को पीटा, आठ पर रिपोर्ट

टांडा, अमृत विचार : दहेज में कार न लाने पर ससुराल पक्ष द्वारा महिला को मारपीट कर घर से निकालने के मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र की ग्राम अल्हेपुर निवासी हाजरा नामक महिला ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। महिला ने बताया कि उसका निकाह करीब चार वर्ष पूर्व सद्दाम के साथ हुआ था। शादी में उसके परिजनों ने सामर्थ्य अनुसार दान-दहेज दिया था। इसके बावजूद सास, ससुर और देवर, ननद आय दिन कार की मांग कर उसे प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि जब महिला ने कार लाने से मना कर दिया तो पति व परिजनों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर सद्दाम सहित आठ लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

मुस्तफा शाह मियां का हुआ कुल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : राजद्वारा स्थित मजार खुर्मा शरीफ पर बुधवार को दूसरे मुबारक उर्स पर प्रोग्राम का आयोजन हुआ। कुल के दूसरे दिन कुरआन की तिलावत की।

नमाज ए असर के बाद मिलाद पाक और कुल का एहतिमाम किया। मजार खुर्मा शरीफ के सज्जादाशीन सैयद आफाक शाह उर्फ फहद मियां निजामी ने तकरीर करते हुए कहा कि अल्लाह ने हजरत कुतुब शाह मियां चिश्ती निजामी कादरी को इस जमीन पर भेजा था। उन्होंने अपनी तरीके के तहत बड़ी संख्या में लोगों को इस्लाम मजहब में दाखिल किया। वे मदीना शरीफ से खजूर लाए थे, जिसके कारण यह स्थान खुर्मा वालों के नाम से जाना जाता है।

खुर्मा वालों ने हिंदुस्तान में धर्म को आगे बढ़ाने में जो योगदान दिया है उसे भुलाया नहीं जा सकता। गली-गली में इस्लाम का संदेश फैलाया। नमाज के बाद जलसे का आयोजन हुआ। विसाली कुल शरीफ के बाद सैयद मुस्तफा शाह मियां चिश्ती निजामी का कुल हुआ। मगरिब की नमाज के बाद महफिल ए सिमा हुई। नायब सज्जादा सैयद मोमिन मियां ने दुआ-ए- खुशहाली की। इस मौके पर बड़ी संख्या में खुर्मा सिलसिले के लोग मौजूद थे।

जरूरतमंदों की मदद करना पुण्य का काम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

महिला से उसकी समस्या पूछते जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गुरु नानक जयंती और गंगा स्नान के पर्व पर रामपुर नागरिक समाज के तत्वावधान में रामलीला ग्राउंड चौराहे पर दिव्यांगों और जरूरतमंदों को कंबल व गर्म कपड़े वितरित किए।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र और नवाबजादा हैदर अली खां उर्फ हमजा मियां ने कंबल वितरण किए। रानास के 29वें शिविर में डीसीबी के मोहनलाल सैनी, भारत भूषण गुप्ता, पवन खनेजा, डॉ. अजय शुक्ला, अनिल कुमार अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, अग्निव भाटिया, डॉ. पवन शुक्ला ने भी कंबल वितरित किए। रानास के संस्थापक सतीश भाटिया ने सहयोगियों के साथ शिविर लगाया। लोगों ने अतिरिक्त कपड़ों को शिविर में लाकर दिया। शिविर में हरीश ध्यानी, मुनीश चन्द्र शर्मा, अखिलेश कुमार सक्सेना, अचल राज पांडे, विजय कुमार अग्रवाल सर्राफ, एमके अरोरा, केके सक्सेना, कन्हैया लाल पटवा, रामकिशोर वर्मा, पारुल अग्रवाल, नीलम गुप्ता चंद्रप्रकाश रस्तोगी रहे।

न्यूज डायरी

कोचिंग से लौट रही किशोरी का अपहरण, रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर, अमृत विचार : कोचिंग से लौट रही नाबालिग को दूसरे समुदाय का युवक अपहरण करके ले गया। पुलिस ने किशोरी के पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच-पड़ताल में जुट गई। क्षेत्र के मोहल्ला निवासी व्यक्ति द्वारा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उसकी 13 वर्षीय नाबालिग पुत्री मोहल्ला सिंह कालोनी में कोचिंग सेंटर गई थी। आरोप है कि कोचिंग से लौटते समय मोहल्ला में ही रहने वाला अनिल उसको बहला-फुसलाकर भगा ले गया। बाद में उसने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की। इस पर प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि पीड़ित पिता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। किशोरी की तलाश की जा रही है, जल्द ही बरामद कर लिया जाएगा।

राजमिस्त्री ने युवती से की छेड़खानी, पकड़ा गया

रामपुर, अमृत विचार : दीवार बनाने आए राज मिस्त्री ने मौका पाकर मकान मालिक की बेटी से छेड़खानी कर दी। शोर मचाने पर मोहल्ले के लोग आ गए। उसके बाद आरोपी को पकड़ने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। बिलासपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला निवासी युवती का कहना है कि मंगलवार को नीरज नाम के राज मिस्त्री को दीवार खड़ी करवाने के लिए बुलवाया था। इस दौरान युवती भी काम को देखने के लिए छत पर चली गई। युवती फोन पर अपनी मां से बात करने लगी। राज मिस्त्री ने मौका पाकर युवती से छेड़खानी कर दी। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग आ गए। आरोपी को मौके से दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी युवक पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस जांच कर रही है।

सड़क हादसे में पिता और पुत्र घायल

रामपुर, अमृत विचार : सड़क हादसे में पिता और पुत्र घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों की हालत गंभीर बताई गई है। सिविल लाइंस के अजीतपुर निवासी ताहिर और उसका बेटा शाहनवाज अखबार बांटने का काम करते हैं। बुधवार को करीब तीन बजे दोनों बाइक से किसी काम से शहर को जा रहे कि ज्वालानगर में सामने से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों घायल होकर गिर गए। हादसे के बाद लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार चल रहा है।

शाहबाद नगर में जलकर न लगाने की मांग

शाहबाद, अमृत विचार : सभासदों ने नगर पंचायत अध्यक्ष सुम्बुल वसीम को पत्र सौंपा। जिसमें नगर में जो जलकर नगर पंचायत के द्वारा लगाया जा रहा है। उसे नगर पंचायत शाहबाद में न लगाने की मांग की है। सभासदों का कहना है कि शाहबाद में जनता गरीब व मजदूर हैं। यहां के लोग जलकर देने में सक्षम नहीं है। गृहकर को कम करने का आग्रह शाहबाद नगर पंचायत के सभासदों के द्वारा किया गया है। जिसको लेकर पत्र अध्यक्ष साथ-साथ अधिशासी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर कुमार संजय को सौंपा गया है। जिस पर अध्यक्ष द्वारा आश्वासन दिया गया है कि इस पर अधिकारियों से बात कर समस्या का समाधान किया जाएगा। इस दौरान सभासद शराफत हुसैन हस्सानी, सभासद सय्यद बब्लू अली, सभासद जाजिब खान, सभासद विनोद कुमार, सभासद अफ्शा बी, सभासद साबिर हुसैन, सभासद अख्तरी बेगम, सभासद नाजिया परवीन, सभासद अंजुम बेगम मौजूद रहीं।

सीडीओ ने स्वार क्षेत्र की ग्राम पंचायतों का किया निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र ने विकासखंड स्वार की ग्राम पंचायत बमना, कुम्हरिया कलां, असालतपुर और मिर्जापुर मोहब्बत नगर स्थित अस्थाई गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत बमना के पंचायत भवन, पुस्तकालय एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौके पर मौजूद पंचायत सहायक से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। मनरेगा पार्क के पास स्थित सचिवालय स्वयं सहायता समूह शेड, पुस्तकालय सहित वर्मी कंपोस्ट का भी निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित खंड विकास अधिकारी ने बताया कि सचिवालय में सीसीटीवी कैमरे लगने हैं। विकासखंड स्वार की ग्राम पंचायत असालतपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिवालय के बाहर बने प्लांटर में गंदगी मिली, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने सफाई कराने और प्लोटर में बड़े पौधे लगाने के निर्देश बीडीओ को दिए। पंचायत सचिवालय में स्थापित पुस्तकालय की व्यवस्था संतोषजनक न पाए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। सीएससी पर उपस्थित पंचायत सहायक से फैमिली आईडी,, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में पूछा, पंचायत सहायक को संचालित योजना की जानकारी नहीं थी। परिसम्पत्ति रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं था। सीएससी केन्द्र पर साफ सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। निरीक्षण के समय खंड विकास अधिकारी स्वार एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत, ग्राम प्रधान तथा अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी वि.खं. मूढ़ापाण्डे जनपद मुरादाबाद

नीलामी सूचना

विद्यालय प्रबन्ध समिति कम्पोजिट विद्यालय खैरखाता विकास खण्ड- मूंढ़ापाण्डे (मुरादाबाद) के ध्वस्तीकरण के लिए स्वीकृत जर्जर भवन की नीलामी कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुरादाबाद के आदेश पत्रांक: एस.एस.ए./ज.भ./5581-86/2025-26 दिनांक 22.09.2025 के अनुपालन में 10.11.2025 दिन सोमवार को प्रात: 10 बजे विद्यालय प्रांगण में की जायेगी। इच्छुक बोलीदाता समय से पहुंचकर बोली में भाग ले सकते हैं, नीलामी की शेष शर्तें विद्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

अध्यक्ष — सचिव

विद्यालय प्रबन्ध समिति कम्पोजिट विद्यालय खैरखाता वि.खं. मूंढ़ापाण्डे जनपद मुरादाबाद

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी वि.खं. मूढ़ापाण्डे जनपद मुरादाबाद

नीलामी सूचना

विद्यालय प्रबन्ध समिति कम्पोजिट विद्यालय किश्वानंगला विकास खण्ड- मूंढ़ापाण्डे (मुरादाबाद) के ध्वस्तीकरण के लिए स्वीकृत जर्जर भवन की नीलामी कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुरादाबाद के आदेश पत्रांक: एस.एस.ए./ज.भ./5581-86/2025-26 दिनांक 22.09.2025 के अनुपालन में 11.11.2025 दिन मंगलवार को प्रात: 10 बजे विद्यालय प्रांगण में की जायेगी। इच्छुक बोलीदाता समय से पहुंचकर बोली में भाग ले सकते हैं, नीलामी की शेष शर्तें विद्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

अध्यक्ष — सचिव

विद्यालय प्रबन्ध समिति कम्पोजिट विद्यालय किश्वानंगला वि.खं. मूंढ़ापाण्डे जनपद मुरादाबाद

न्यूज ब्रीफ

विवाहिता को किया प्रताड़ित, पति समेत छह पर रिपोर्ट

अमरोहा, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला मुरादाबादी गेट निवासी शाहिद हुसैन की बेटी शाहीन की शादी 16 नवंबर 2022 को हसनपुर के मोहल्ला पत्थर वाली मस्जिद में रहने वाले नवाजिश के साथ हुई थी। ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे थे। शाहीन ने मुकदमा दर्ज कराया। ससुराल वाले शाहीन पर मुकदमा वापस लेने का दवा बनाने लगे। 26 अक्टूबर को विवाहिता अपने मायके में थी। ससुराल वाले घर में घुस आए और मुकदमा वापस लेने की बात दोहराने लगे। विरोध करने पर मारपीट की। इसी दौरान पति ने तीन तलाक देकर रिश्ता तोड़ दिया।प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने मामले में नवाजिश, मेहनाज उर्फ बॉबी, मुबारिक, अफसा, समीर, अनस के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की बात कही है।

पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला

हसनपुर, अमृत विचार : पुरानी रंजिश के चलते युवक पर जानलेवा हमला और अपहरण के प्रयास किया गया। स्थानीय लोगों के जुटने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। लठीरा माफी निवासी टीटू पुत्र मदन ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि मंगलवार को वह हसनपुर आ रहा था। शाहपुर कलां के निकट उसके गांव के ही छह नामजद व्यक्तियों व कुछ अन्य ने गाड़ी से उसका पीछा किया। टीटू को खतरे का आभास हुआ तो उसने अपनी मोटरसाइकिल रोककर पास के एक मकान में शरण ली। हमलावर भी मकान में घुस गए और उसे पकड़कर गाड़ी में डालने लगे।टीटू के शोर मचाने पर आस-पास के लोग इकट्ठा हो गए और उसे हमलावरों से बचाया। टीटू ने पुलिस को बताया कि उन्हें उक्त लोगों से जान का खतरा बना हुआ है।

कैंटर से कुचलकर बच्चे की मौत

अमरोहा, अमृत विचार : शादी समारोह से माता-पिता के साथ घर लौट रहे बच्चे को एक टैंकर ने टक्कर मार कर कुचल दिया। इस हादसे में मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। नौगांवा सादात थाना क्षेत्र के मोहल्ला बुध बाजार निवासी मोहम्मद इमरान बेंगलुरु में सैलून में काम करता है। इमरान की बहन की शादी है, वह घर पर आया हुआ है। मंगलवार दोपहर इमरान परिजनों के साथ गांव पीला कुंड स्थित वेंकट हॉल में रिश्तेदार के यहां शादी में गया था। रात नौ बजे करीब वह बाइक से घर लौट रहा था। बाइक पर छोटा बेटा नोमान भी था। कैंटर ने बाइक को साइड मार दी, जिससे इमरान सड़क पर गिर गया। कैंटर उसे कुचलता हुआ आगे निकल गया। हादसे में मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि जल्द ही चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कार्तिक पूर्णिमा पर तिगरी गंगा मेले में ड्रोन से खींचा गया दृश्य। बुधवार को लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। ● अमृत विचार

तिगरी गंगा मेले में मीना बाजार में लगी ढोलक की दुकान। ● अमृत विचार

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान के लिए उमड़ पड़े श्रद्धालु, गूंजे जयकारे

तिगरी गंगा धाम और ब्रजघाट में स्नान करने के लिए सुबह से ही जूट गए श्रद्धालु, गंगा के किनारे धार्मिक अनुष्ठान कर किया दान

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा पर लाखों श्रद्धालुओं ने तिगरी गंगा धाम और ब्रजघाट गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। प्रशासनिक अनुमान के मुताबिक करीब 40 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। इस दौरान गंगा घाट श्रद्धालुओं से भरे रहे। आसपास के दूसरे जिलों और राज्यों से भी यहां पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर हर-हर गंगे के जयकारे लगाए।

सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार और समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्तिक पूर्णिमा पर तिगरीधाम और ब्रजघाट में लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान करते हैं। श्रद्धालुओं ने मंगलवार की देर रात से ही तिगरी और ब्रजघाट पंहुचना शुरू कर दिया था। श्रद्धालुओं ने बुधवार को तड़के से हर-हर गंगे के जयकारों के साथ स्नान करना शुरू किया। दिन निकलने से पहले ही गंगा घाट श्रद्धालुओं से भर गए। पांव रखने तक की जगह नहीं रही। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान समेत कई राज्यों व प्रदेश के अन्य जिलों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने परिवार और समाज में सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। देवी मंदिरों में देवी-देवताओं के दर्शन कर बेसहारा लोगों को भोजन कराया। बहुत से श्रद्धालुओं ने गंगा किनारे अनुष्ठान भी करवाए। प्रशासन ने कार्तिक पूर्णिमा पर लगभग 40 लाख श्रद्धालुओं के गंगा स्नान करने का अनुमान जताया है। वहीं बृजघाट में भी लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया।कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों के किनारे युवाओं ने जमकर मस्ती की। गंगा स्नान करने के बाद युवा घाटों के किनारे रेत पर बैठ गए।

गंगा स्नान कर ट्रैक्टर ट्रालियों से लौटते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गंगा में स्नान करते समय अठखेलिां करती युवतियां। ● अमृत विचार

स्नान के बाद किए धार्मिक अनुष्ठान

कार्तिक पूर्णिमा पर तिगरीधाम पर स्नान के साथ ही धार्मिक अनुष्ठान हुए। सुबह में मेले पहुंचे श्रद्धालुओं ने छोटे बच्चों का मुंडन संस्कार कराया। इसके बाद हवन में आहुति देकर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की गई। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक शिविरों में हवन का आयोजन किया गया।

मेले में सिमटने लगे डेरे, लौटने लगे श्रद्धालु

अमरोहा, अमृत विचार : बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं के वापस लौटने के सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने सूर्योदय होने से पहले ही गंगा में स्नान कर धार्मिक अनुष्ठान कराए। इसके बाद मेले में मिठाइयां, चाट-पकौड़ी खरीद कर डेरे समेट घर लौटने का सिलसिला शुरू कर दिया। इसके चलते तिगरी से लेकर कांकाठेर तक वाहनों का रेंग-रेंग कर चलने का सिलसिला जारी रहा। बुधवार को मुख्य स्नान के साथ ही तिगरी मेला संपन्न हो गया। कार्तिक पूर्णिमा पर भोर होते ही लाखों श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे के जयघोष के साथ गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। धार्मिक अनुष्ठान कराए। मेले में चाट पकौड़ी और घर के लिए सामान की खरीदारी की। इसके बाद झूलों, मौत का कुआं आदि का लुत्फ उठाने के बाद घर लौटने का सिलसिला शुरू हो गया। एकाएक गंगा की रेती में गाढ़े गए तंबुओं को उखाड़ना शुरू कर दिया। घर से लाए जरूरी सामान को समेटना वापस लौटने लगे। मेले में दूसरे जनपदों और दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने अधिकांश सामान को रात में ही पैक कर लिया था। दस दिन तक तंबुओं की नगरी में रहने वाले श्रद्धालु आ अब लौट चलें... के अंदाज में अपने ट्रैक्टर-ट्रालियों, भैंसा बुग्गी, कार आदि वाहनों से अपने गंतव्य की ओर लौटने शुरू कर दिया। दिनभर श्रद्धालुओं का वापस लौटने का सिलसिला चलता रहा।

गंगा घाट पर सफाई करते भाकियू नेता। ● अमृत विचार

मीना बाजार चमका दुकानों पर रही भीड़

तिगरी गंगा किनारे कार्तिक पूर्णिमा पर उमड़े श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद मेले में जमकर खरीददारी की जिसका दृश्य मेले के सदर चौक पर भी देखने को मिला। यहां भीड़ ही भीड़ दिखाई दी। कोई समासे-टिक्की की चाट करते हुए नजर आया तो कोई सोफटी का आनंद ले रहा था। पकौड़ी, जलेबी, हलुवा-पराठा और चाऊमीन की दुकानों पर भी बेहिसाब भीड़ देखने को मिली। मीना बाजार भी चमक रहा था। महिलाओं की भीड़ दुकानों पर लगी रही।

हर ओर महकती रही खिचड़ी की सुगंध

गंगा तट पर बसे तंबुओं के शहर में खिचड़ी की महक दूर तक महसूस हो रही थी। कार्तिक पूर्णिमा में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने काली दाल व चावल का दान किया। इसके बाद अपने-अपने तंबुओं में खिचड़ी बनाई। खिचड़ी को गंगा मैया का प्रसाद माना जाता है। स्थिति ये थी कि तंबुओं में रहने वाले परिवार के सदस्यों के साथ साथ आने जाने वाले मेहमानों की थाली में भी खिचड़ी परोसी जा रही थी। आम, मिर्च के आचार व देसी घी के साथ खिचड़ी का स्वाद और बढ़ा रहा था।

भाकियू पदाधिकारियों ने की गंगा घाट पर सफाई

गजरौला, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने कार्तिक पूर्णिमा के मुख्य स्नान व गुरु नानक देव जी के 556वें जन्मदिवस पर श्रद्धालुओं को खिचड़ी वितरण कर गंगा घाट पर सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी, राष्ट्रीय सचिव चौधरी चंद्रपाल सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, मुख्य सचिव अरुण सिद्धू, जिला संरक्षक चौधरी चरण सिंह, मीडिया प्रभारी हिमांशु वर्मा, सोनू कुमार, मिथुन सिंह, हितेश कुमार आदि किसान लोग मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर-ट्रालियों से लगा जाम

गजरौला, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के मुख्य स्नान के बाद श्रद्धालु अपने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से लौट रहे हैं। इसका असर बुधवार को गजरौला में सड़क यातायात पर दिखा। ट्रैक्टर-ट्रालियों की संख्या ज्यादा होने पर शहर में चौतरफा जाम लग गया। हालात बेकाबू हो गए। खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ा। घंटों जाम में फंसे रहे। पुलिस दिनभर जाम खुलवाने की कोशिश करती रही लेकिन भीड़ के सामने बेबस दिखी। कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करने के लिए तिगरी गंगा मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। जिसके बाद श्रद्धालु कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान कर गजरौला से होकर गुजर रहे हैं। इसकी वजह से बुधवार को शहर में जाम लग गया। चौपला की तरफ से श्रद्धालुओं के ट्रैक्टर-ट्राली इंदिरा चौक पहुंचे। वहीं इंदिरा चौक से होते हुए भारी संख्या में ट्रैक्टर-ट्राली भानपुर फाटक पर पहुंचे। वहीं इंदिरा चौक से जाने वाले श्रद्धालु भी अपने ट्रैक्टर-ट्रालियों को लेकर खाद गुर्जर चौराहेपर पहुंचे जिसके चलते वहां चौतरफा जाम लग गया। तभी ट्रेन पास करवाने के लिए फाजलपुर फाटक बंद हो गया। कुछ ही देर में बदायूं-बिजनौर स्टेट हाईवे पर कई किमी लंबा जाम लग गया। उधर कांकाठेर मार्ग पर ट्रैक्टर ट्रालियों का जाम लग गया। पुलिस जाम खुलवाने के लिए दिनभर जूझती रही लेकिन सफलता नहीं मिली। जाम बेकाबू हो गया और लोगों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ा। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि वाहनों की संख्या ज्यादा होने पर जाम की स्थिति बनी रही। हालांकि पुलिस ने जाम खुलवाने के लिए काफी प्रयास किए।

तिगरी मेले में निष्ठा शर्मा के गीतों ने बांधा समां

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : तिगरी गंगा धाम मेले में बॉलीवुड नाईट एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। निष्ठा शर्मा ने एक से बढ़कर एक शानदार गीतों की प्रस्तुति देकर लाखों लोगों को झूमने पर मजबूर किया। दूसरी ओर कवियों ने देशभक्ति श्रृंगार रस, मातृशक्ति, प्रेम, हास्य की रचनाएं सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ऐतिहासिक तिगरी धाम गंगा मेले में मुख्य स्नान की पूर्व संध्या पर श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित बॉलीवुड नाईट एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आरंभ जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, प्रतिकुलाधिपति डॉ.राजीव त्यागी, सीडीओ अश्वनी मिश्र, अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह,

कार्यक्रम में गीत गाती निष्ठा शर्मा।

कवि सम्मेलन में कविता पाठ करते कवि। ● अमृत विचार

● अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

धीरेन्द्र प्रताप, अधिशासी अधिकारी अमरोहा डॉ.ब्रिजेश सिंह, एसडीएम विभा श्रीवास्तव आदि ने गंगा मां की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कवि सम्मेलन में दिल्ली की कवयित्री खुशबू शर्मा ने पढ़ा- आप कितने नसीब वाले हो, आपके पास पुण्य गंगा है। चंदौसी की डॉ. अंजू सिंह ने पढा कि- अपनी तकदीर कुछ इस तरह से बदल आयी, तेरी कृपा से ही गिरते हुए संभल आई। जयपुर की सपना सोनी ने पढ़ा कि- बुझी है जो न बरसों से, अभी वो प्यास बाकी है, तेरे नजदीक होने का अभी अहसास बाकी है। डॉ. राहुल अवस्थी ने पढ़ा कि-चाल न चलेगी दुश्मन की, न दाल गलेगी दुश्मन की, अब राफेल चलेंगे भारत के। संचालन कर रहे डॉ.दिनेश रघुवंशी ने पढ़ा-हमेशा तन गये आगे जो तोपों की दहाड़ों के, कोई कीमत नहीं होती है क्या प्राणों की जवानों के, बड़े लोगों की औलादे तो कैंडल मार्च करती हैं, जो अपने प्राण देते हैं वो बेटे है किसानों के। कवियत्री डॉ. मधु चतुर्वेदी, लाफ्टर चौलेंज के विनोद पाल और लपेटे में नेता जी फेम विनीत पाण्डेय ने भी अपनी रचनाएं सुनाकर लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो घायल

हसनपुर, अमृत विचार : गंगा स्नान करके लौट रहे बाइक सवार युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

संभल के थाना नकासा के गांव विशनपुर निवासी सचिन पुत्र सुरेंद्र सिंह अपने मित्र जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी के गांव फतनपुर निवासी दक्ष पुत्र प्रमोद कुमार बाइक से तिगरी गंगा धाम से गंगा स्नान कर लौट रहे थे। उनकी बाइक अब्दुल्लाह कॉलोनी के पास पहुंची तो अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, टक्कर लगने से दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर धुर्वेंद्र सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में बाइक सवा दो युवक घायल हो गए थे हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

धूमधाम से निकाला गया नगर कीर्तन

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : श्री गुरु नानक देव के 556वां प्रकाश पर्व बुधवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रकाश पर्व को लेकर नगर में कई आयोजन किए गए।

श्री गुरुद्वारा सिंह सभा द्वारा मोहल्ला कायस्थान स्थित गुरुद्वारा पर गुरुनानक जी का प्रकाश पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। पिछले कई दिन से गुरुद्वारे में धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है। हर रोज प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा था। बुधवार को भी सुबह पांच बजे भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में पंच प्यारों के साथ संगत ने गुरुनानक जी का गुणगान किया। गुरुद्वारे में शबद कीर्तन का आयोजन किया गया। अटूट लंगर भी बरताया गया। गुरुद्वारे के मुख्य ग्रंथी ने कीर्तन करते हुए संगत को निहाल किया। महेंद्र चावला, सविता चावला, हरजीत चावला, जोगिंदर चावला, चरणजीत सिंह, हरजीत सिंह, टिटे सिंह, डिंपी, बब्लू, नीतू सिंह, सुरेश खन्ना, देव महंत, विक्रम महंत, लवकेश महंत, रिम्मी, एकता, किरन खन्ना, सिमरन, शीनू, संतोष, जुनेजा, जगदीश जुनेजा, मंजीत सिंह आदि लोग सम्मिलित रहे।

गुरु नानक जयंती पर प्रभात फेरी निकालती संगत। ● अमृत विचार

● शबद कीर्तन कर किया गुरु नानक देव जी का गुणगान

पुष्पावती घाट पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : क्षेत्र के मां पुष्पावती गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा पर्व के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। राजनीतिक, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा कैंप लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की गई। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के मध्य नजर भारी पुलिस बल तैनात रही।

बुधवार को हल्की ठंड के बावजूद सूर्य उदय से पूर्व स्नान का सिलसिला शुरू हो गया और गंगा मैया के जयकारों से पुष्पावती गंगा घाट गूंज उठा। मेले में जाटव महासभा,प्रजापति

जाटव महासभा के कैंप आरंभ करते चेयरमैन राजपाल सैनी। ● अमृत विचार

महासभा,खागी महासभा एवं सैनी महासभा सहित अन्य संस्थाओं द्वारा कैंप लगाए गए थे। जाटव महासभा के कैंप का हसनपुर चेयरमैन राजपाल सैनी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। वही गंगा किनारे लगे बाजार में श्रद्धालुओं द्वारा जमकर खरीदारी की गई, मेले में लगी चार्ट, पकौड़ी एवं जलेबी की दुकानों पर श्रद्धालुओं द्वारा जमकर खरीदारी की गई। वही बच्चों द्वारा मेले में झूलों का भी जमकर आनंद लिया गया। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह भारी पुलिस बल के साथ तैनात रहे।

गंगा मध्य नहर में असुरक्षा के बीच किया लोगों ने स्नान

सैदनगली, अमृत विचार : सैदनगली थाना क्षेत्र में गंगा मध्य नहर में ही लोगों ने श्रद्धा की डुबकी लगाई। क्षेत्र के कई स्थानों पर लोगों ने गंगा नहर में डुबकी लगाते हुए दिखाई दिए। लोगों का कहना है यह नदी गंगा से ही आ रही है उसी का अंश है हम किसी कारणवश गंगा तिगरी घाट न जा पाए जिससे गंगा मां मानकर स्नान किया है। हालांकि इसमें नहाना खतरे से भरा है। पूर्व में नहर में नहाने से कई लोगों की मौत हो चुकी है।

युवती पर तेजाब डालने की धमकी देने वाला आरोपी पुलिस ने दबोचा

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार: ब्यूटी पार्लर में घुसकर युवतीके चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 2 नवंबर की रात अमरोहा ग्रीन कॉलोनी स्थित एक ब्यूटी पार्लर में घुसकर युवती को जान से मारने की भी धमकी दी थी।

अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी युवती ने गांव मीरा सराय के विनिश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। युवती के अनुसार, वह उसका दो साल से विनिश से प्रेम-प्रसंग था। करीब एक साल पहले बात करना बंद कर दिया था। युवती का आरोप है कि ब्रेकअप के बाद से विनिश उसे लगातार परेशान कर रहा था और चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी दे रहा था। वह अमरोहा ग्रीन कॉलोनी स्थित एक ब्यूटी पार्लर में नौकरी करती है। आरोप है कि दो नवंबर की रात विनिश ब्यूटी पार्लर में घुस आया। चिल्लाते हुए गाली-गलौज करने लगा, ऐसा करने से मना किया तो वह जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। एसिड अटैक की धमकी से दहशतजदा पीड़ित युवती ने देहात थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई थी। सीओ अवधभान भदौरिया ने बताया कि आरोपी विनिश को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे जेल भेजा जा रहा है।

संपत्ति बंटवारे के विवाद में बेटी को पटका, हालत गंभीर

हसनपुर,अमृत विचार: अल्लीपुर खादर गांव में, परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर कहासुनी हो रही थी। विवाद इतना बढ़ गया कि युवक ने दुधमुंही बेटी को उठाकर जमीन पर दे मारा। घायल बच्ची को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्ची के दादा ने अपने ही बेटे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाली प्रभारी प्रेमपाल सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

अमृत विचार
मुरादाबाद , गुरुवार,6 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

वैश्य एकता परिषद के जिलाध्यक्ष बने आशुतोष

बहजोई,अमृत विचार : आशुतोष वार्ष्णेय को अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा . सुमंत गुप्ता ने जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन को मजबूत करने तथा जिले के अन्य अन्य पदाधिकारियों को नियुक्त कर संभल जिले की टीम बनाए जाने की बात कही है। आशुतोष वार्ष्णेय ने बताया कि वह राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करेंगे। जल्द ही पूरी टीम जिले की बनाई जाएगी नगर में भी संगठन को मजबूत किया जाएगा।

आशुतोष वार्ष्णेय।

बाइक और साइकिल की टक्कर में पिता पुत्र गंभीर घायल

संभल,अमृत विचार : थाना कैला देवी क्षेत्र के ग्राम मंडावली निवासी हरज्ञान अपने बेटे योगेंद्र के साथ बुधवार शाम करीब 4 बजे बाइक से गुन्नौर तहसील जा रहा था। गुन्नौर पेट्रोल पंप के पास साइकिल सवार से टक्कर हो गई। अधिक गति होने के कारण बाइक असंतुलित होकर गिर गई और पिता-पुत्र गंभीर रूप से चोटिल हो गए। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हरज्ञान की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। साइकिल सवार को भी मामूली चोट आईं।

न्यौरा की रामलीला में श्री राम का राजतिलक

रजपुरा, अमृत विचार : रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव न्यौरा में चल रही रामलीला के अंतिम दिन भगवान राज का राजतिलक हुआ। कलाकारों ने कुभकर्ण और मेघनाद युद्ध का दृश्य प्रस्तुत किया। इसके बाद भगवान श्रीराम के हाथों रावण का वध हुआ। रावण वध के बाद प्रभु श्रीराम का राजतिलक किया गया। लखपत सिंह और राघवेंद्र सिंह यादव के अलावा रिंकू यादव, भूरे लंबरदार, भगत जी, पप्पू यादव, शैलेश वार्ष्णेय, दुर्गेश यादव, वीरपाल मास्टर, ओमपाल सिंह, बाणासुर यादव, दोली यादव आदि रहे।

गंगा में स्नान कर मस्ती करते बच्चे। ● अमृत विचार

संभल के सिसौना डांडा गंगा घाट पर गंगा स्नान को उमड़े श्रद्धालु। ● अमृत विचार

दूरबीन से गंगा स्नान करने वालों पर निगाह रखते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

गंगा घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, स्नान कर किए अनुष्ठान

सुबह चार बजे से ही गंगा घाटों पर जुट गई श्रद्धालुओं की भीड़ , ट्रैक्टर ट्रालियों व अन्य साधनों से शाम तक आते-जाते रहे श्रद्धालु, पुलिस रही मुस्तैद

कार्यालय संवाददाता,संभल/ रजपुरा /सौंधन

अमृत विचार: कार्तिक पूर्णिमा पर सिसौना डांडा मेले में मुख्य स्नान होने से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने भोर से शाम तक गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने हवन, यज्ञ व पूजन करते हुए गंगा मां को प्रसाद अर्पित कर मां गंगा से मनोती मांगी। श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर बच्चों के मुंडन संस्कार कराए। बच्चों ने चांट पकोड़ी का आनंद लिया व झूले का जमकर लुत्फ उठाया। पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेता रहा। गंगा तट पर गोताखोर व एसडीआरएफ के जवान तैनात रहे। वहीं पुलिस ने दूरबीन से नजर रखी।

सिसौना गंगा तट पर जनपद के साथ ही अन्य जनपदों से श्रद्धालु गंगा स्नान करने पहुंचे। ग्रामीण क्षेत्रों से मंगलवार शाम से ही ट्रैक्टर ट्राली से श्रद्धालुओं को पहुंचना शुरू हो गया।बुधवार सुबह से हजारों की संख्या में गंगा तट पर ट्रैक्टर ट्राली पहुंचीं। जहां पुलिस प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जाम इतना था कि ट्रैक्टर ट्रॉली को रेंग रेंग कर चला रहे थे।गंगा तट पर लाखों की संख्या में सुबह श्रद्धालुओं ने स्नान किया। मां गंगा के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया।श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद पूजन किया प्रसाद अर्पित किया व मनोती मांगी। महिलाओं में हाथ पर पति का नाम गुदवाने की होड़ रही। मेला स्थल व गंगा घाट पर पुलिस व पीएसी बल के जवान तैनात रहे। गंगा तट पर जाम लग गया तो पुलिस को जाम खुलवाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। गंगा तट पर भाकियू कार्यकर्ता हुक्का गुड़गुड़ाते रहे। गंगा मेले में लगे स्वास्थ्य शिविर में 123 मरीजों का परीक्षण कर दवा दी।इस दौरान डॉक्टर पवन कुमार चिकित्सा अधीक्षक के साथ ही ध्रुव गुप्ता कुमार आंखों के डॉक्टर हरवेंद्र रहे। सुबह से शाम तक मरीज इलाज के लिए पहुंचते रहे।

गंगा मेले में हुक्का गुड़गुड़ाते भाकियू कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

लाखों खर्च फिर भी पानी को तरसे श्रद्धालु

सौंधन सिसौना डांडा मेले में जिला पंचायत की ओर से कार्तिक पूर्णिमा पर मेला आयोजित किया जाता है। यहां कई दिनों से श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए तैयारियां शुरू हो गई थी।लेकिन जिस तादाद में भीड़ मेला स्थल पर पहुंची उसके हिसाब से हैंडपंप कम संख्या में लगाए गए। उसमें से भी कुछ हैंडपंप खराब हो गए। इस हालात में श्रद्धालुओं को पानी के लिए तरसना पड़ा। जब हैंडपंप का पानी नहीं मिला तो कई लोगों ने पानी की बोतल खरीदकर पानी पिया।

चेंजिंग रूम कम होने से परेशान हुईं महिलाएं

सिसौना डांडा मेले में कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर गंगा तट पर चेंजिंग रूम कम होने से महिलाओं को कपड़े बदलने को शर्मसार होना पड़ा। अबकी बार दो भागों में गंगा की धारा बहने से स्नानार्थियों ने दो स्थानों पर गंगा स्नान किया । जिलापंचायत की ओर से गंगा किनारे 7 चेंजिंग रूम बनाए गए। दो भागो में गंगा तट होने से दूसरे तट पर कोई चेंजिंग रूम नहीं थे जिससे वहां स्नान करने वाली महिलाओं को चार महिलाएं साड़ी लगाकर कपड़े चेंज करा रही थीं। मुख्य स्नान होने से गंगा तट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी । 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई।

सिसौना डांडा गंगा मेले में उमड़ी भीड़ के बीच फंसे वाहन। ● अमृत विचार

आर्य समाज ने किया वैदिक यज्ञ

सिसौना डांडा मेले आर्य समाज की ओर से हुए वैदिक यज्ञ में तमाम लोगों ने आहुति दी ।मेले में आर्य महासम्मेलन वैदिक सत्संग समारोह में भारतीय संस्कृति को बचाने के विश्व मे भारत को गुरु का दर्जा दिलाने के लिए महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। देश भक्ति गीत सुनाए गए। कार्यक्रम में तमाम विद्वानों ने वेद और भारतीय संस्कृति सुधार को लेकर विचार रखे ।वेद वसु आर्य आदि मौजूद रहे।

मेले में खोए बच्चों को माता पिता से मिलाया

सिसौना मेले में लगे स्काउड गाइड कैम्प के बच्चों ने लाखों की भीड़ में खोए नन्हे मुन्ने करीब 78 बच्चों ढूंढकर उनके माता पिता को मिलाया। सुबह से स्काउट गाइड ने अपना काम किया तो फिर पूरी रात वह मेला परिसर में सक्रिय रहे। तड़के जब गंगा स्नान को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा था तब भी स्काउट गाइड अपना फर्ज निभा रहे थे।

कच्ची सड़कों में फंसते रहे ट्रैक्टर ट्राली

सिसौना गंगा तट पर सड़कों के लिए 6 लाख रुपये का बजट दिया गया था ।लेकिन जो बजट दिया गया था उसके अनरूप सड़क पर कोई खास इंतजाम नहीं किया गया। सड़कों को सही ढंग से नहीं बनाया गया ।इस कारण श्रद्धालुओं के वाहन दलदल वाली सड़क में फंसते रहे जिन्हें निकलने में काफी परेशानी हुई।

असदपुर गंगा में डूबा बदायूं का युवक

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल के जुनावई क्षेत्र स्थित असदपुर गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान बदायूं का युवक डूब गया। कई घंटे बाद उसका शव मिला।

मंगलवार को असदपुर गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा मेले का आयोजन था, जहां हजारों श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे थे। बदायूं जनपद के थाना इस्लामनगर क्षेत्र के गांव गढ़ी खानपुर निवासी जसवंत का 25 वर्षीय बेटा जतनवीर उर्फ भूरा अपने गांव के साथियों के साथ स्नान करने आया था। वह गंगा में उतरा और अचानक तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया।

घटना के बाद वहां अफरातफरी मच गई। उसके साथ आए ग्रामीणों ने मौके पर ही उसकी तलाश शुरू कर दी। सूचना पाकर थाना पुलिस पहुंची। देरक तक मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसे तलाश लिया। जुनावई सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा भी पहुंचीं। युवक के साथी संयम चौधरी ने बताया कि जतनवीर खाना खाने के बाद स्नान करने गया और डूब गया। मृतक अपने पीछे मां राममूर्ति, पत्नी गुड़िया, पांच वर्षीय बेटा कुनाल,दो वर्षीय बेटा सूर्यांश को छोड़ गया ।

कार्तिक पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया

संवाददाता,चंदौसी

अमृत विचार: श्री देवी गंगा मंदिर में बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। सुबह मां गंगा का अभिषेक कर महाआरती की गई।

इसके बाद मंदिर परिसर में कथा व्यास द्वारा कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के महत्व पर प्रवचन दिया गया। मंदिर के महंत पंडित मनोज शर्मा व पंडित प्रवेश शर्मा ने पंचामृत से मां गंगा का अभिषेक किया। इसके उपरांत मां गंगा का श्रृंगार कर विशेष पूजन संपन्न कराया गया। भजनों व स्तुति से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। महंत मनोज शर्मा ने 108 दीपों से मां गंगा की आरती कर दीपदान किया।रात में महाआरती के उपरांत कथा प्रवचन का भी आयोजन हुआ। कथा व्यास पंडित संजीव शंखधार ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा का दिन वर्ष का सर्वश्रेष्ठ गंगा स्नान दिवस माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने और दान करने से विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि 5 नवम्बर 2025 को पड़ रही कार्तिक पूर्णिमा पर भी इसी तिथि का खास महत्व रहेगा। हिंदू पंचांग में यह दिन गंगा स्नान व दान के लिए अति शुभ माना गया है। कार्यक्रम में कुंचन देवी, संजीव, रेखा वार्ष्णेय, ज्योति, विकास, पंडित प्रवेश शर्मा, पंडित मनोज, लक्ष्मी, नीता जोशी, रूबी, मीनू आर्य, रोशनी रानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्री देवी गंगा मंदिर में मां गंगा की आरती करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

● श्री देवी गंगा मंदिर में 108 दीपों से की आरती

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता,सिरसी/संभल

● छत पर बनी झोपड़ी में मिला महिला का शव

अमृत विचार: हजरत नगर गढ़ी थाना क्षेत्र के कस्बा सिरसी के मोहल्ला गिन्नौरी में एक 42 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने इस मौत को हत्या बताते हुए पति पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाया है, जबकि ससुराल वालों ने बीमारी के चलते मौत होना बताया है।

शबाना पत्नी नजारूल मंगलवार रात छत पर बनी झोपड़ी में सोने गई थी। बुधवार सुबह देर तक नीचे नहीं आने पर घर वालों ने ऊपर जाकर देखा तो वह मृत पड़ी मिली। मृतका के मायके वाले मौके पर पहुंच गए और हंगामा किया। मायके पक्ष का कहना है कि मंगलवार शाम शबाना के साथ मारपीट की गई थी, इसी कारण उसकी मौत हुई है। वहीं ससुराल वालों ने आरोपों से इंकार किया और बीमारी को कारण बताया। नजारूल ने दूसरी शादी करीब 22 वर्ष पूर्व संभल के चौधरी सराय निवासी सईद की बेटी शबाना से की थी। शबाना से एक बेटा मोहम्मद उवैस है, जो नौकरी के लिए सऊदी अरब में है। नजारूल की पहली पत्नी से दो बेटे और तीन बेटियां हैं, जिनमें से एक बेटी की शादी हो चुकी है। सूचना पर थाना प्रभारी हजरत नगर गढ़ी अनुज कुमार तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज डायरी

एक ही रात पांच घरों से नकदी- जेवर चोरी

संभल/कुढ़फतेहगढ़, अमृत विचार : थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव मुड़ियाखेड़ा में मंगलवार देर रात चोरों ने पांच घरों को निशाना बनाया। दो घरों से गहने व चांदी के सिक्के चोरी होने की बात सामने आई, जबकि अन्य तीन घरों में चोर आहट होने पर फरार हो गए। चोरों ने सत्यपाल के घर कमरे का ताला तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन आहट होने पर भाग निकले। अमीरचंद के बंद घर का ताला तोड़ा लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। पूर्व प्रधान शील कुंवर के घर में ऊपर बने कमरे का ताला तोड़ चांदी के कुछ सिक्के ले गए। विजय सिंह ने भी गहने चोरी होने की जानकारी दी, जबकि प्रेमपाल के घर महिला के जागने पर चोर कमरे को बाहर से बंद कर भाग गए। थाना प्रभारी निरीक्षक, पुलिस क्षेत्राधिकारी चंदौसी पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने नमूने व फोटोग्राफ लिए। पुलिस के अनुसार दो घरों में चोरी की बात झूठी पाई गई है। चोरी जाना बताए गए गहने उनके घरों से ही बरामद कर लिए गए हैं।

निर्माणाधीन मकान का लिंटर ढहा मजदूर और मिस्त्री दबे

चंदौसी, अमृत विचार : चंदौसी के बदायूं चुंगी स्थित शिवपुरी कॉलोनी में बुधवार को नन्हें प्रजापति के निर्माणाधीन मकान पर लिंटर डालते समय बड़ा हादसा हो गया। लिंटर अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे एक मजदूर और एक मिस्त्री मलबे में दब गए। लोग राहत व बचाव के कार्य में जुट गए। इसी दौरान सूचना मिलने पर पर पास ही ड्यूटी कर रहे यातायात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकाला गया। घायल मजदूर को एंबुलेंस से यातायात पुलिस ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं मिस्त्री को मकान मालिक अपने साथ ले गया। कोतवाली प्रभारी भी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक घटनास्थल पर कोई नहीं मिला।

बंदरों के उत्पात में छत गिरने से युवती की मौत

संभल, अमृत विचार : जनपद संभल के थाना असमोली क्षेत्र के गांव नगला लीडर में मंगलवार देर रात बंदरों के उत्पात के बीच कच्ची छत गिरने से मलबे में दबकर 27 वर्षीय युवती मौत हो गई। परिवार के अनुसार रात को भोजन के बाद वशु राठौर कमरे में सोने चली गई थी, जबकि परिजन बरामदे में सो रहे थे। इसी दौरान बंदरों का झुंड छत पर कूदने लगा। लगातार उछल-कूद से कच्ची छत अचानक भरभराकर गिर गई और नीचे चारपाई पर सो रही वशु दब गई। शोर और धमाके से परिवार व आसपास के ग्रामीण जाग गए। सभी ने मलबा हटाने का प्रयास किया, लेकिन देर हो चुकी थी। युवती की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतका तीनों भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बंदरों का आतंक पिछले काफी समय से बना हुआ है। महिलाओं को रसोई में काम करने तक में दिक्कत होती है और गांव के लोग रोज परेशान रहते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधान, सचिव से लेकर विभागीय अधिकारियों तक कई बार बंदरों को पकड़े जाने की मांग की गई, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से बंदरों के आतंक पर तुरंत नियंत्रण की मांग की है।

बिजली कटौती पर व्यापार मंडल ने जताया रोष

संभल/चंदौसी, अमृत विचार : चंदौसी शहर में सुबह के समय लगातार हो रही बिजली कटौती से आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। बुधवार को सीता रोड स्थित झुन्नीलाल धर्मशाला में अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल की नगर स्तरीय बैठक में इस मसले पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया गया। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि सुबह 6 बजे से 9 बजे तक बिजली गायब रहने से घर, बाजार और शिक्षा तीनों प्रभावित हो रहे हैं। सुबह सबसे व्यस्त समय होता है। ऐसे में बिजली न होने से पूरा सिस्टम रुक जाता है। विद्युत विभाग के अधिकारियों से मिलकर इस मुद्दे पर तत्काल समाधान की मांग करने की बात कही। सुझाव दिया कि सुबह की बजाय दोपहर या रात 3 से 5 बजे के बीच बिजली कटौती की जाएबैठक में रमाकांत शर्मा, गणेश वार्ष्णेय, मोहित वार्ष्णेय, सुमित यादव, कुश कुमार रावत, विक्की गौड़, सोनू धर्मशाला, मयंक वार्ष्णेय, प्रियांशु अग्रवाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू और संचालन प्रभात कृष्णा ने किया।

प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन ने संगत को किया निहाल

गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा में सबद कीर्तन करते रागी। ● अमृत विचार

संवाददाता,चंदौसी

अमृत विचार: चंदौसी में श्री गुरुनानक देव जी के 557 वां प्रकाशोत्सव पर मुख्य गुरु पर्व श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। देर शाम गुरुद्वारा में कीर्तन व कवि दरबार का आयोजन किया गया।

आजाद रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में बुधवार को गुरुद्वारा परिसर में रुद्रपुर से आए भाई साहिब सरनजीत सिंह ने सबद कीर्तन के माध्यम से संगतों को निहाल किया। पूरा गुरुद्वारा रंग बिरंगी लाइट और फूलों व गुब्बारों से सजाया गया। अपराह्न दो बजे से गुरुद्वारा परिसर में लंगर का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने लंगर छका। देर शाम गुरुद्वारा परिसर में कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें भजन कीर्तन कर संगतों को निहाल किया गया। इस मौके पर गोपाल सिंह, चरन सिंह मल्होत्रा हरचरन सिंह, हरमीत सिंह, स्वर्ण सिंह, देवेंद्र सिंह छाबड़ा, जसवंत सिंह तनेजा, गुरबक्श सिंह, कमलजीत सिंह नरूला, सत्येंद्र सिंह राजपाल, महेंद्र पाल सिंह सेठी, सुनील कुमार, भूपेंद्र सिंह, अर्जुन सिंह, आदि समाज के लोग मौजूद रहे।

गुरु चरणों में मत्था टेक लिया आशीष

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल में सिखों के प्रथम गुरुनानक देव का 556 वां प्रकाश पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार में सबद कीर्तन के बाद में लंगर बरताया गया। बड़ी संख्या में पहुंची संगत ने गुरु के चरणों में अपना मत्था टेककर आशीर्वाद लिया।

मौहल्ला कोट पूर्वी स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार में बड़ी संख्या में संगत ने शामिल होकर सत्य, सौहार्द और भाईचारे की शिक्षा देने वाले श्री गुरुनानक देव का ध्यान करते हुए गुरुओं का आशीष प्राप्त किया। कार्यक्रम में गुरुनानक को समर्पित भजन-कीर्तन से संगत निहाल हो गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अखंड पाठ के भोग के साथ किया गया। लुधियाना से आई भजन गायिका सिमरन कौर ने अपनी वाणी का प्रभाह किया कि हमारे गुरु नानक जी ने यही पैगाम दिया सब प्यार और मोहब्बत से रहे और सभी में आपस में समन्वय बना रहे। हेड ग्रंथी सरदार बलवीर सिंह,सरदार हरदीप सिंह ने कहा कि गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व को बड़े ही श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया है।

● गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर सबद कीर्तन के बाद लंगर बरताया गया

गुरुद्वारा गुरुनानक दरबार में प्रकाश पर्व पर गुरु का संदेश बताते ज्ञानी।

सिख समाज ने मनाया गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व

बहजोई, अमृत विचार : श्री गुरु नानक देव साहिब का प्रकाश पर्व गुरुद्वारा साहिब में धूमधाम के साथ मनाया गया। श्री गुरु नानक देव साहिब के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सुबह के समय सिख समाज के लोगों ने प्रभात फेरी निकाली। शाम को दीवान सजाए गए। ज्ञानी हरविंदर सिंह ने बताया कि यह दिन सिख धर्म के संस्थापक और पहले गुरु गुरु नानक देव के जन्मदिन को समर्पित है। बताया कि गुरु नानक देव ने अपने जीवन में अनेक यात्राएं कीं। इनके जरिए उन्होंने लोगों को सत्य करुणा व एकता का संदेश दिया। शाम को रागी जथा अर्जुन सिंह गुरुद्वारे में शब्द कीर्तन का आयोजन किया गया। प्रधान सरदार हिम्मत सिंह, उप प्रधान प्रमोद खनूजा, दीपक खनूजा, सरदार जसवीर सिंह, राम अरोड़ा, रवि सलूजा, संदीप रस्तोगी, प्रेम अरोड़ा, मुकेश सलूजा, सरदार सतनाम सिंह, हरीश नागपाल, सोमप्रकाश सलूजा आदि मौजूद रहे।

देव दीपावली पर लाखों दीपों से जगमगाए गंगा घाट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

- नमो घाट पर मुख्यमंत्री ने प्रज्ज्वलित किया पहला दीप
- क्रूज पर सवार होकर योगी ने देखी गंगा आरती

काशी में नमो घाट पर देव दीपावली की विधिवत शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में मंत्री जयवीर सिंह व अन्य।

अमृत विचार : देव दीपावली की शुरुआत बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी के नमो घाट पर पहला दीप जलाकर किया। उनके साथ पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल, विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, महापौर अशोक तिवारी ने भी दीप प्रज्वलित कर मां गंगा को नमन किया। इसके बाद सभी विशिष्ट अतिथियों ने क्रूज़ पर सवार होकर मां गंगा की आरती के साथ घाटों पर सजी देव दीपावली के अद्भुत नज़ारे का अवलोकन किया। देव दीपावली पर बुधवार की शाम काशी के अर्धचंद्राकार गंगा घाटों पर जब शाश्वत ज्योति की लौ प्रज्वलित हुई, तो पूरा शहर दिव्यता और भव्यता के अद्भुत संगम में डूब गया। मां गंगा की गोद से निकलती आस्था की सीढ़ियों पर जलते लाखों दीपों की रोशनी ने ऐसा दृश्य प्रस्तुत किया, मानो स्वर्ग स्वयं धरती पर उतर आया हो। गोधूलि बेला में उत्तरवाहिनी गंगा की लहरों पर जब दीपों की सुनहरी आभा झिलमिलाई, तो काशी की आत्मा एक बार फिर सनातन संस्कृति की उजास से आलोकित हो उठी।

योगी सरकार द्वारा इस बार 10 लाख दीपों का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन जन सहभागिता से यह संख्या बढ़कर 15 से 25 लाख दीपों तक पहुंच गई। इन दीपों में 1 लाख गाय के गोबर से निर्मित पर्यावरण अनुकूल दीप भी शामिल थे। घाटों, तालाबों, कुंडों और देवालयों पर दीपों की श्रृंखला ने काशी को सुनहरी माला की तरह सजा दिया। गंगा पार की रेत पर कोरियोग्राफ और सिंक्रोनाइज ग्रीन क्रैकर्स शो ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 का कार्यक्रम जारी

लखनऊ,एजेंसी

एशिया के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड के रूप में शामिल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल (10वीं) और इंटरमीडिएट (12वीं) बोर्ड परीक्षाओं की तिथि बुधवार को घोषित कर दी है। परिषद की सचिव भावना सिंह के स्तर से जारी आदेश के अनुसार आगामी वर्ष की परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक चलेंगी।

इस बार परीक्षा कार्यक्रम पहले से ही घोषित कर दिया गया है, ताकि विद्यालयों और विद्यार्थियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। पहली पाली सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल (कक्षा 10) की परीक्षा का पहला प्रश्नपत्र हिंदी का होगा, जो 18 फरवरी को पहली पाली में आयोजित किया जाएगा।

इसके बाद 19 फरवरी को प्रारंभिक हिंदी तथा संस्कृत, 20 फरवरी को सामाजिक विज्ञान और 21 फरवरी को गृहविज्ञान एवं सिलाई जैसी विषयों की परीक्षाएं होंगी। गणित, विज्ञान, कला, संस्कृत, संगीत और कंप्यूटर जैसे विषयों की परीक्षाएं क्रमशः मार्च के पहले सप्ताह तक संपन्न होंगी। अंतिम परीक्षा 12 मार्च 2026 को निर्धारित की गई है।

इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की परीक्षा का आरंभ भी 18 फरवरी को सामान्य हिंदी विषय से होगा। अगले दिन यानी 19 फरवरी को भौतिक विज्ञान, भूगोल, गृहविज्ञान आदि विषयों की परीक्षा होगी।

20 फरवरी को समाजशास्त्र एवं कृषि विज्ञान, 23 फरवरी को अंग्रेजी, 24 फरवरी को जीवविज्ञान और गणित की परीक्षाएं होंगी। इसके अलावा 27 और 28 फरवरी को अर्थशास्त्र, संगीत, कृषि एवं पशुपालन से संबंधित विषयों की परीक्षाएं आयोजित होंगी। मार्च के पहले सप्ताह में वाणिज्य, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र और कंप्यूटर जैसे विषयों की परीक्षाएं संपन्न होंगी। यूपी बोर्ड ने यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी जिला विद्यालय निरीक्षक इस कार्यक्रम को अपने स्तर पर व्यापक रूप से प्रचारित करें और विद्यालयों को इसकी प्रति उपलब्ध कराएं।

गौरतलब है कि वर्ष 2025 में यूपी बोर्ड की परीक्षाएं फरवरी के अंतिम सप्ताह में शुरू हुई थीं, जबकि इस बार कार्यक्रम को एक सप्ताह पहले घोषित किया गया है। बोर्ड का कहना है कि समय से पहले कार्यक्रम घोषित करने का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है।

न्यूज ब्रीफ

टीवी चैनल के लिए सपा के 89 प्रवक्ता घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : टीवी चैनल में समाजवादी पार्टी का पक्ष रखने के लिए सपा ने राजधानी लखनऊ के लिए 17 प्रवक्ताओं के साथ कुल 89 प्रवक्ताओं की घोषणा कर दी है। पार्टी हाई कमान द्वारा प्रवक्ताओं की सूची जिलेवार जारी की गयी है। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार, बिहार चुनाव के अलावा आगामी चुनाव और राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा के लिए अधिकृत प्रवक्ता घोषित किए गए हैं।

बिजली कर्मियों का 14 को ध्यानाकर्षण प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : यूपीपीसीएल प्रबंधन द्वारा उपकेंद्रों के परिचालन और अनुरक्षण कार्य में तैनात लगभग 25 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों की छटनी के विरोध में बिजली कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे सहित कई अन्य लंबित समस्याओं को लेकर निविदा संविदा कर्मचारी संघ 14 नवम्बर को प्रदेशभर में ध्यानाकर्षण प्रदर्शन करेगा। राजधानी में यह कार्यक्रम मध्यांचल वितरण निगम के एमडी कार्यालय के सामने आयोजित होगा। संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने 18 सितम्बर को जारी अपने ही आदेशों की अनदेखी की है। छटनी के बाद उपकेंद्रों के लिए कर्मचारियों की नई तैनाती से संबंधित मानक समिति की रिपोर्ट पांच माह बाद भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने बताया कि 55 वर्ष की आयु का हवाला देकर कर्मचारियों को हटाना पूरी तरह मनमाना कदम है। उन्होंने आगे कहा कि मीटर रीडरों को प्रति बिल 16 रुपये भुगतान नहीं किया जा रहा है। वहीं, स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर उन्हें अन्य कार्यों में समायोजित करने के बजाय हटाया जा रहा है।

मृदा कार्ड से सुधरेगी मिट्टी की सेहत

अमृत विचार, लखनऊ : रबी फसलों के लिए खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति परीक्षण कराकर बढ़ाई जाएगी। इससे किसान मिट्टी में पोषक तत्वों व अन्य होने वाली कमियों की जानकारी करके उसकी पूर्ति करेंगे। मिट्टी के कुल 4,800 नमूने परीक्षण कराने का लक्ष्य रखा है। इसमें प्रत्येक विकास खंड की छह ग्राम पंचायत चिह्नित की हैं। इन पंचायतों के अंतर्गत कुल 100 नमूने लिए जाएंगे। सहायक निदेशक मृदा परीक्षण/कल्चर लखनऊ मंडल डॉ. मनमोहन लाल ने बताया कि विशेष अभियान के तहत विभाग ने चिनहट विकास खंड में 100 फीसद नमूने ले लिए हैं। इन सभी का परीक्षण करके 15 दिन में रिपोर्ट कार्ड किसानों को वितरित करेंगे। किसान खेतों में डीएपी व एनपीके का अधिक इस्तेमाल करते हैं। इससे मिट्टी को नुकसान पहुंचता है और कीट मित्र मरने से उर्वरा शक्ति कमजोर हो जाती है। ऑर्गेनिक कार्बन व नाइट्रोजन कम है। इससे उपज कम होती है और लागत ज्यादा आती है। सभी किसान मिट्टी का परीक्षण जरूर कराएं।

जौनपुर में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

जौनपुर, एजेंसी : वाराणसी-लखनऊ राजमार्ग पर मंगलवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना जफराबाद थाना क्षेत्र के महारूपुर गांव के पास हुई। पुलिस के अनुसार, सुल्तानपुर का निवासी रामचल (36) वाराणसी से वाहन में माल लादकर लखनऊ जा रहा था, इस दौरान आधी रात के आसपास चालक को झपकी आने पर वाहन अनियंत्रित हो गया जहां सामने से आ रहे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद रामचल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसका सहायक जहूर अहमद मलिक (40) सामने से वाहन आता देख अपने वाहन से कूद गया और सिर के बल गिरने से उसकी भी मौत हो गई।

पहले पशुओं का चारा खाया, अब आए तो गरीबों का राशन खा जाएंगे

बिहार की चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर कसा तंज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले, ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं महागठबंधन वाले

बिहार में आयोजित चुनावी सभा में संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में तमाम व्यस्तताओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को भी बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करने पहुंचे। योगी ने वहां भाजपा के विकास कार्यों को गिनाया तो राजद-कांग्रेस गठबंधन पर करारा प्रहार भी किया। मुख्यमंत्री सूचना परिसर लखनऊ से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, योगी ने वहां कहा कि कांग्रेस व राजद झूठे वायदे कर रहे हैं, पहले यह पशुओं का चारा खाए, अब अवसर दिया तो गरीबों का राशन खा जाएंगे। योगी ने अपील की कि कांग्रेस-राजद की घोषणा पर विश्वास न करना, क्योंकि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं। जो रामद्रोही है, वह हमारा भी विरोधी है। रामद्रोही रामराज्य नहीं ला सकता, वह जंगलराज ही लाएगा।

योगी के मुताबिक, बिहार में आज एनआईटी, आईआईएम, एम्स, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज आदि की लंबी श्रृंखला है। बिहार का नौजवान दुनिया में फिर से अपनी मेधा की छाप छोड़ रहा है और बिहार के विकास में भी योगदान दे रहा है। 11 वर्ष में मोदी जी ने विकास व विरासत का सम्मान किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को भी गिनाया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 फीसदी लोगों की आबादी गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश बाबू के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

जंगलराज फिर नहीं आने देना है : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस व राजद ने बिहार के नागरिकों के सामने पहचान, बहन-बेटियों, व्यापारियों व उद्यमियों के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा किया था तो किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। आज जो लोग घोषणाएं कर रहे हैं, वह लोग महागठबंधन बनाकर ठगी की दुकान खोलकर चुनाव के बहाने आपके बीच आए हैं, फिर से जंगलराज नहीं आने देना है।

गुरु नानक देव के संदेश देश की सामाजिक व्यवस्था की नींव : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 556वें प्रकाश पर्व पर सिख गुरुओं के सम्मान में मुख्यमंत्री ने शीश नवाया

गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व पर लखनऊ में आयोजित समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट करते सिख समुदाय के लोग।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व पर राजधानी लखनऊ के डीएवी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सिख गुरुओं के सम्मान में अपना शीश नवाया और दर्शन किए। समारोह में कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु नानक देव जी भारत के एक उच्च कोटि के आध्यात्मिक महापुरुष थे, जिन्होंने 500 वर्ष पहले समाज के संगठन, समानता और सेवा का जो संदेश दिया, वही आज भारत की सामाजिक व्यवस्था की नींव है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उस काल में जब देश बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता झेल रहा था, जब मंदिर तोड़े जा रहे थे, आस्था पर प्रहार हो रहे थे, तब भी गुरु नानक देव जी बिना भय, बिना दबाव समाज को मार्गदर्शन दे रहे थे। उन्होंने मिल-बांटकर खाने, गरीबों की मदद करने और एकजुट समाज बनाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर समाज में एकता और धर्म की मजबूती का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज जब कुछ क्षेत्रों में धर्मांतरण जैसी गतिविधियां दिखाई देती हैं, तो हमें सिख पंथ की मूल भावना- एकता, संगठन और सेवा को और सशक्त करना होगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हम मजबूत रहेंगे, तो हर कोई हमारी आस्था का सम्मान करेगा। सिख गुरुओं और महापुरुषों का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई दी।

बिहार में भाजपा को 30 सालों की सरकार का हिसाब देना है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे बिहार में इंडिया गठबंधन के पक्ष में बदलाव की बयार चल रही है। पूरा देश बिहार की तरफ देख रहा है। बिहार की जनता ने हमेशा देश को संदेश देने का काम किया है। बिहार में सरकार बदलेगी। इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। नयी सरकार में नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

सपा प्रमुख ने बुधवार को बिहार में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में चार चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता केंद्र की भाजपा सरकार के 10 साल और प्रदेश की एनडीए सरकार के 20 सालों का हिसाब देगी। बिहार में भाजपा को 30 सालों की सरकार का हिसाब देना है। भाजपा ने बिहार को महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन के अलावा कुछ नहीं दिया है। भाजपा ने बिहार के बजट की लूट की है। बिहार का बजट बिहार के विकास पर खर्च होना चाहिए। बिहार से भाजपा का बंडलराज खत्म करना है।

अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार के चुनाव में जनता के बीच तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने को लेकर उत्साह है। तेजस्वी यादव सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेंगे। सभी को नौकरी और रोजगार मिलेगा, सभी को सम्मान और न्याय मिलेगा। हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे।

बिहार में मायावती की एंट्री, चुनावी सभा आज

अमृत विचार, लखनऊ : बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में अब बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और उप्र. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की भी एंट्री हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बाद अब मायावती भी बिहार के रण में उतरने जा रही हैं। बसपा प्रमुख गुरुवार को कैमूर जिले के भभुआ में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। यह सभा भभुआ हवाई अड्डे के समीप आयोजित की जाएगी, जिसमें पड़ोसी जिलों और आसपास के विधानसभा क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों के पहुंचने की संभावना है। बसपा इस बार बिहार विधानसभा चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ रही है और लगभग सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और मायावती के भतीजे आकाश आनंद, राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम, तथा अनिल सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता लगातार बिहार में प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। बसपा की इस सक्रियता से चुनावी माहौल में नया उत्साह और सियासी हलचल बढ़ गई है। मायावती की भभुआ रैली बसपा के लिए बिहार में नए राजनीतिक समीकरणों की दिशा तय कर सकती है।

श्रमिकों की बेटियों के विवाह पर मिलेंगे 85 हजार रुपये

प्रदेश सरकार ने बढ़ाई कन्या विवाह सहायता राशि, आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन और निशुल्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सामान्य विवाह पर 65,000 अंतर्जातीय पर 75,000 व सामूहिक पर 85,000 की मदद

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने निर्माण श्रमिकों के हित में बड़ा निर्णय लिया है। राज्य के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना में आर्थिक सहायता राशि में बढ़ोतरी की गई है। अब सामान्य विवाह के लिए 65 हजार रुपये, अंतर्जातीय विवाह के लिए 75 हजार रुपये और सामूहिक विवाह के लिए 85 हजार रुपये प्रति जोड़े की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त 15 हजार रुपये आयोजन के लिए अलग से उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि श्रमिक परिवार समाज की रीढ़ हैं। उनकी बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग देना सरकार का मानवीय कर्तव्य है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी श्रमिक बेटी बिना चिंता के अपने जीवन का नया अध्याय शुरू कर सके। इसी क्रम में सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की संपूर्ण व्यवस्था श्रम विभाग एवं बोर्ड द्वारा की जाएगी, ताकि श्रमिक परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विवाह आयोजन में सुरक्षा, आवास, परिवहन और भोजन की सभी व्यवस्थाएं विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएंगी।

बोर्ड की सचिव पूजा यादव ने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का उद्देश्य हर पंजीकृत श्रमिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कन्या विवाह सहायता राशि में वृद्धि से श्रमिक परिवारों को सीधा और ठोस लाभ मिलेगा। वर्तमान में 1.88 करोड़ से अधिक श्रमिक बोर्ड में पंजीकृत हैं।

पंजीकृत श्रमिक मात्र 20 रुपये एकमुश्त पंजीकरण शुल्क और 20 रुपये वार्षिक अंशदान देकर योजनाओं के पात्र बन सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन एवं निःशुल्क है। श्रमिक www.upbocwboard.in वेबसाइट या जन सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

नर्सिंग कॉलेजों की खाली सीटों पर होगी सीधी भर्ती

अमृत विचार, लखनऊ : नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए कॉलेज प्रशासकों को छूट मिल गयी है। कॉमन इंट्रेंस परीक्षा और काउंसिलिंग के माध्यम से सभी सीटें फुल न होने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने छूट दी है। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के रजिस्टार डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि जो अथ्यर्थी इंट्रेंस परीक्षा दिए हैं और दाखिला नहीं पाए हैं, उन्हें पुनः मौका मिलेगा। मालूम हो कि प्रदेश में आठ सरकारी और 450 निजी नर्सिंग कॉलेज हैं। इनमें कुल 20648 सीटों में अभी तक 5082 सीटें रिक्त हैं।

आयोजन | सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 से विधानसभा क्षेत्र स्तर पर शुरू होंगी पदयात्राएं

यात्रा समापन तक साथ रहेंगे भाजपा के 1000 कार्यकर्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी पदाधिकारियों ने तैयारी को लेकर किया वर्चुअल संवाद

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवंबर से विधानसभा स्तर पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राएं प्रत्येक विधानसभा में 8 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए शहर, गली, गांव तक पहुंचेगी। भाजपा के 1000 से अधिक कार्यकर्ता यात्रा प्रारंभ स्थान से लेकर समापन तक साथ रहेंगे। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठन, व्यापारी संगठन, एनजीओ, मजदूर, किसान, अधिवक्ता, शिक्षक, युवा तथा महिलाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले संगठन भी पदयात्रा में साथ चलेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह के साथ प्रदेश, क्षेत्र एवं जिला टीम के साथ बुधवार को वर्चुअल संवाद किया। सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के तहत 10 नवम्बर से विधानसभा स्तर क्षेत्र पर प्रारंभ होने वाली पदयात्राओं की तैयारियों की समीक्षा के साथ प्रभावी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। सुनील बंसल ने कहा कि पद यात्राओं में प्रत्येक 2 किलोमीटर पर पड़ाव रहेगा। इस तरह पूरी यात्रा के दौरान कुल 4 पड़ाव होंगे। प्रथम पड़ाव पर पौधरोपण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। द्वितीय पड़ाव पर किसी खिलाड़ी, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी नेता, अभिनेता, अधिवक्ता जैसे किसी विशिष्ट व्यक्ति का उद्बोधन होगा। जबकि तृतीय पड़ाव पर गायन, नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरदार पटेल के योगदान का मंचन किया जाएगा।

पार्टी नेताओं के साथ वर्चुअल संवाद करते धर्मपाल सिंह, साथ में अन्य।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान में मुस्तैदी से जुटें

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को मतदाता पुनरीक्षण अभियान की बैठक को सम्बोधित करते कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि को अभियान में मुस्तैदी से जुटना है और हर गांव, हर घर, हर व्यक्ति तक पहुंचकर सभी पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाना है। धर्मपाल सिंह बाराबंकी में मंडल अध्यक्षों एवं विधानसभा संयोजको को सम्बोधित कर रहे थे।

आयुष्मान के क्लेम में मरीज व डॉक्टर के फोटो भी लगेंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए ई-केवाईसी व बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत योजना) को डिजिटली सुदृढ़ बना दिया गया है। अब क्लेम प्रस्तुत करते समय अस्पतालों को मरीज और डॉक्टर की तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। एनआईएचए (नेशनल इन्फॉर्मेशन हेड क्वार्टर एजेंसी) और एसआईएलए (सिस्टम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड लॉजिस्टिक एजेन्सी) ने इसे तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है। सुरक्षा के उपायों से इन पोर्टल्स में सेंधमारी आसान नहीं होगी।

उप्र. में योजना संचालन की नोडल एजेंसी (स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बुधवार को बताया कि अब आयुष्मान भारत योजना से जुड़े सभी पोर्टलों पर आधार-आधारित ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया गया है। इससे योजना में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। इसके अलावा पोर्टलों पर उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड सुरक्षित रखने के अलावा बायोमेट्रिक सत्यापन भी लागू कर दिया गया है। जिससे पोर्टल्स पर दो-स्तर से सत्यापन और डेटा सुरक्षा में वृद्धि होगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस तकनीकी का उपयोग कर अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत दावों की पहचान की जाएगी। संदिग्ध कार्ड्स के भौतिक सत्यापन के लिए जिला अधिकारियों को भेजा जाएगा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया कि नियमों के सख्त होने से मरीजों को इलाज में गुणवत्ता और प्रामाणिकता मिलेगी।

अमृत विचार

गुरुवार, 6 नवंबर 2025

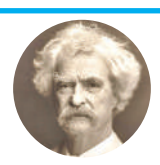

भले ही आप कपड़े पहनने में लापरवाह हैं, पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिए।

—मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

रेलवे पर सवाल

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की रेल दुर्घटना ने यह सवाल फिर से उठाया है कि भारतीय रेल की सुरक्षा-संरक्षा प्रणाली क्यों चूक रही है! जांच के प्रारंभिक संकेत मानव त्रुटि या सिग्नलिंग की खामी बता रहे हैं, पर असली दोषी का पता तब चलेगा जब ब्लैक बॉक्स, सिग्नल लॉग, ड्राइवर की ड्यूटी रिकॉर्ड, ट्रैक सर्किट और नियंत्रण-कक्ष के डेटा की बारीकी से तकनीकी जांच के बाद रेल सुरक्षा आयुक्त की रिपोर्ट आएगी। इससे तय होगा कि हादसे में मानवीय भूल का हाथ था या तकनीकी प्रणाली की विफलता। यदि रेलवे द्वारा आधुनिक तकनीक और उच्चस्तरीय सिग्नलिंग सिस्टम के दावे के बाद भी आमने-सामने की टक्कर हो रही है, तो बेशक हमारी सुरक्षा संस्कृति ही दोषपूर्ण है। रेलवे में सिग्नलिंग इंटरलॉकिंग की किंचित नाकामी ट्रेन को गलत ट्रैक पर भेज सकती है। सिग्नल सिस्टम में खामी का मतलब है कि ट्रैक सर्किट, इंटरलॉकिंग प्रणाली ने ठीक से काम नहीं किया। ये ठीक से काम करें, इसके लिए हार्डवेयर सुधार के साथ 'रियल टाइम रिमोट मॉनिटरिंग' जैसी व्यवस्थाएं लागू करना जरूरी हैं। हालांकि लोको पायलट की थकान, संचार की कमी या समय-संवेदनशील निर्णयों में विलंब से भी दुर्घटनाएं होती हैं। दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई का प्रावधान है। निलंबन, बर्खास्तगी, दंडात्मक अभियोजन तक, लेकिन सच्चाई यह है कि अधिकांश जांच रिपोर्टें बरसों-बरस फाइलों में पड़ी रहती हैं। रेल सुरक्षा आयुक्त की अनुशंसाओं पर कार्रवाई का प्रतिशत अत्यंत अल्प है। भारतीय रेलवे की ऑडिट रिपोर्टें बताती हैं कि बड़ी संख्या में दुर्घटनाओं में मानव-त्रुटि मुख्य कारण होने के बावजूद जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया धीमी और बेहद अपारदर्शी है। इसीलिए दोषियों और कारणों की पहचान के बावजूद सुधार तत्परता से लागू नहीं होते।

हर बड़े हादसे के बाद उच्चस्तरीय समितियां बनती हैं, नई घोषणाएं होती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर बदलाव, सुधार की रफ्तार बेहद धीमी रहती है। रेल मंत्रालय ने वर्षों पहले एंटी कोलिजन डिवाइस 'कवच' लगाने की योजना बनाई थी, ताकी इस तरह आमने-सामने की टक्कर न हो। अब तक यह कुछ हजार किलोमीटर रूट और सीमित संख्या में लोकोमोटिव तक ही सीमित है। बजटीय सीमाएं, तकनीकी संगतता और विशाल नेटवर्क इसके विस्तार में बाधा हैं, किंतु जान-माल की सुरक्षा के आगे प्राथमिकता स्पष्ट होनी चाहिए। हर चालित ट्रेन में 'कवच' या इसी तरह की स्वचालित सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य हो। रेलवे में गाड़ी का पटरी से उतरना, सिग्नल फेल होना, लोकोमोटिव फाल्ट छोटी दुर्घटनाएं रोज घटती हैं, पर ये मीडिया में नहीं आतीं। न इन पर प्रशासनिक दबाव बनता है। छोटी लापरवाहियों पर उपेक्षा की यही प्रवृत्ति आगे चल कर बड़े हादसे का रूप ले लेती है।

जरूरी है कि रेल मंत्रालय हर छोटे हादसे की रिपोर्टिंग और त्वरित विश्लेषण के बाद जिम्मेदारी तय करने की व्यवस्था विकसित करे। लालखदान की रेल त्रासदी चेतावनी है कि भारतीय रेल में तकनीकी निवेश के साथ मानव प्रबंधन, जवाबदेही और पारदर्शिता को समान महत्व दिया जाए। सुरक्षा सिर्फ उपकरणों से नहीं, प्रणालीगत ईमानदारी और सतर्कता से आती है।

प्रसंगवश

महज अतीत की धरोहर नहीं भविष्य की नींव हैं किताबें

समय के साथ हमारी पढ़ने की आदतें बदल रही हैं। एक दौर था, जब किताबें ही ज्ञान, कल्पना और चिंतन का मुख्य स्रोत थीं। अब वही भूमिका स्मार्टफोन, टैबलेट, गूगल और एआई उपकरणों ने ले ली है। सूचनाओं तक पहुंचना पहले से कहीं आसान हुआ है, पर इसी सुविधा ने गहराई से सोचने और समझने की क्षमता को चुनौती दी है। आज जब विद्यार्थी गूगल या एआई आधारित उपकरणों की मदद से तुरंत उत्तर प्राप्त कर लेते हैं, तब सवाल करना, विषय को गहराई से समझना और उस पर चिंतन करना पीछे छूटता जा रहा है। ज्ञान का सतही उपभोग गहन अध्ययन के महत्व को कमजोर कर सकता है।

आज का जीवन तेज और सूचना-भरा है। हर चीज अब तेज हो गई है। खबरें, मनोरंजन, सीखना और पढ़ना भी। डिजिटल माध्यमों ने शिक्षा और जानकारी दोनों को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, किसी भी विषय पर जानकारी प्राप्त कर सकता है। यह बदलाव हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यूनेस्को और ओईसीडी के अध्ययन बताते हैं कि इंटरनेट ने ज्ञान के प्रसार को पहले से कहीं अधिक व्यापक बना दिया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

फिर भी शोध दर्शाते हैं कि स्क्रीन पर पढ़ना और कागज पर पढ़ना दो अलग अनुभव हैं। स्क्रीन मस्तिष्क को 'तेज प्रोसेसिंग मोड' में रखती है, जहां उद्देश्य केवल जानकारी छांटना होता है, उसे आत्मसात करना नहीं। परिणामस्वरूप, पूरी जानकारी या तर्क की सूक्ष्म परतें याद नहीं रहतीं और एकाग्रता बार-बार टूटती है। यही वह बिंदु है, जहां किताबों की भूमिका और अहम हो जाती है। किताबें हमें धीमा करती हैं, ठहरना सिखाती हैं और अर्थ को आत्मसात करने का अभ्यास कराती हैं।

अधिकांश विद्यार्थी अब पूरा अध्याय या कहानी के बजाय केवल 'महत्वपूर्ण प्रश्न' या 'सारांश' पर निर्भर हो जाते हैं। संक्षिप्त नोट और पावरपॉइंट स्लाइडें परीक्षा के लिए सुविधाजनक हो सकती हैं, लेकिन सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता को कमजोर करती हैं। गहन अध्ययन की जगह केवल जानकारी का उपभोग हावी हो जाता है। ज्ञान तब ही जीवित रहता है, जब उसे पढ़ने, समझने और तर्क करने की प्रक्रिया के साथ जोड़ा जाए। ऐसे में विद्यालयों में नियमित 'पठन सत्र' या पुस्तकालय सत्र भाषा कौशल, एकाग्रता और तर्कशक्ति बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

किताबें केवल सूचना नहीं देतीं, वे सोचने का तरीका सिखाती हैं। ये हमें गहराई से किसी और के दृष्टिकोण से दुनिया देखने की क्षमता देती हैं। शोध बताते हैं कि 'डीप लर्निंग' मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है जो सहानुभूति, स्मृति और आलोचनात्मक सोच से जुड़े हैं। किताबें हमारी कल्पना, विवेक और संवाद की क्षमता को बढ़ाती हैं और हमें भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर विकसित करती हैं।

तकनीक और किताबों को विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए। सही उपयोग से तकनीक किताबों तक पहुंच आसान बना सकती है। राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, ई-पाठशाला और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म लाखों पुस्तकों और शैक्षणिक संसाधनों को विद्यार्थियों तक पहुंचा रहे हैं। ई-पुस्तकें और श्रव्य पुस्तकें (ऑडियो बुक्स) पढ़ाई को कहीं भी, कभी भी संभव बना देती हैं। समस्या तब आती है जब तकनीक सोचने का विकल्प बन जाए। जब विद्यार्थी केवल एआई आधारित सारांश और गूगल से तुरंत उत्तर लेते हैं, तब ज्ञान सतही बन जाता है। तकनीक तभी सहायक है, जब वह जिज्ञासा और गहराई को बढ़ाए, न कि प्रतिस्थापित करे।

भारत के दोस्तों पर ना 'पाक' पड़ोसी की नजर

दिग्विजय सिंह

कानपुर

ऑपरेशन सिंदूर में मिली करारी हार से बौखलाया पाकिस्तान भारत को अब हर तरफ से घेरने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए अपने मित्र राष्ट्रों के दुश्मन देशों से भी हाथ मिलाने को आतुर है। इसका ताजा उदाहरण उत्तर कोरिया है। भारत और उत्तर कोरिया के रिश्ते बहुत ही अच्छे हैं। 2018 में तत्कालीन विदेश मंत्री ने उत्तर कोरिया का दौरा किया था, हालांकि इस दौरे के बाद अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, लेकिन भारत ने नजरअंदाज कर दिया था। अब पाकिस्तान उत्तर कोरिया से अपने राजनयिक रिश्ते बहाल करने जा रहा है। माना जा रहा है कि इस रिश्ते की बहाली के साथ ही दोनों देश गुपचुप तरीके से सैन्य समझौते भी कर सकते हैं।

बांग्लादेश का जन्म ही भारत के हाथों हुआ था। इस बात का एहसान बांग्लादेश के हुक्मरान मानते आए हैं। पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए दमन का दुख हर बांग्लादेशी नागरिक के मन में रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद, वहां पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ा है। बांग्लादेश की राजनीति में पाकिस्तानी हस्तक्षेप की झलक साफ दिखती है। यहां तक कि पाकिस्तान के सैनिक बांग्लादेशी सैनिकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं और अब कई बड़े सैन्य समझौते भी दोनों देशों के बीच होने जा रहे हैं। भारत के इस पड़ोसी देश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां बढ़ी हैं, जो भारत के लिए शुभ संकेत नहीं हैं, हालांकि भारत इसकी काट निकालने में जुटा हुआ है।

बांग्लादेश पर पाकिस्तानी प्रभाव का ही असर है कि आए दिन वहां के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस भारत के विरुद्ध अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। भारत के कई हिस्सों को बांग्लादेश का बताकर नया नक्शा भी जारी कर रहे हैं। बांग्लादेश में मिली सफलता के बाद पाकिस्तान ने आर्मेनिया को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश की है। आर्मेनिया और अजरबैजान की दुश्मनी जग जाहिर है। अजरबैजान ने आर्मेनिया के कुछ भूभाग पर कब्जा भी कर रखा है। आर्मेनिया को जहां भारत हर मोर्चे पर समर्थन करता है, तो आर्मेनिया भी हर मंच पर भारत की बात को प्रमुखता से उठाता है। दोनों देशों के बीच न सिर्फ व्यापारिक रिश्ते मजबूत हैं, बल्कि रक्षा संबंध भी प्रगाढ़ हैं। यही वजह है कि अजरबैजान भारत को हर मंच पर नीचा दिखाने की कोशिश करता है।

पहलगाम हमले की निंदा जब पूरी दुनिया ने की थी, तब भी अजरबैजान पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया था। आर्मेनिया ने भारत से बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी की है। इससे अजरबैजान परेशान है। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने आर्मेनिया से रिश्ते सुधारने की कवायद शुरू की है। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने जा रहे हैं। अब तक भारत से नजदीकी के कारण ही पाकिस्तान उसे मान्यता नहीं देता था, लेकिन शहबाज शरीफ के देश ने अब अपनी नीति बदल दी है। चीन में एससीओ समिट से इतर आर्मेनिया के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने राजनयिक संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। आर्मेनिया के इस कदम से रूस, तुर्की और ईरान की सीमा से लगे इस क्षेत्र में भारत के लिए समीकरण बदल सकते हैं, हालांकि पाकिस्तान के हर कदम पर भारत की नजर है।

भारत ने भी पाकिस्तान के दोस्त अजरबैजान से रिश्ते में गर्मजोशी लाने की नीति पर काम शुरू कर दिया है। इसका असर भी दिखने लगा है। बीते अक्टूबर में आयोजित हुई कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरैक्शन एंड कॉन्फिडेंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया की अध्यक्षता अजरबैजान ने की थी। भारत की कूटनीति का ही असर है कि अजरबैजान ने इसकी अध्यक्षता भारत को देने का प्रस्ताव रखा है। उसके इस प्रस्ताव से पाकिस्तान और चीन को झटका लगा है। भारत-अजरबैजान अपने व्यापारिक रिश्ते भी सुधारने में लगे हैं। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने अब उत्तर कोरिया वाला दांव चला है।

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच दुश्मनी जग जाहिर है। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन कई मौकों पर अमेरिका और साउथ कोरिया को धमकाते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कई अवसर पर उन पर तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं। उत्तर कोरिया की ताकत को दुनिया के लिए खतरा माना जाता है, लेकिन भारत इससे बहुत प्रभावित नहीं दिखता है, क्योंकि दोनों देशों के बीच दशकों पुराने संबंध हैं। भारत ने जुलाई 2021 में कोविड महामारी के कारण उत्तर कोरिया स्थित दूतावास को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था, हालांकि 2024 में इसे बहाल कर दिया गया था।

अब पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के इस फैसले पर दुनिया के कई देशों की नजर है। भारत लगातार उत्तर कोरिया और पाकिस्तान के बीच संदिग्ध परमाणु और मिसाइल रिश्ते पर अंगुली उठाता रहा है और कार्रवाई की मांग करता रहा है। कोरोना काल से बंद चल रहे पाकिस्तान के दूतावास को पुनः बहाल करने के उत्तर कोरिया के निर्णय से एशिया में परमाणु प्रसार के खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। माना जाता है कि उत्तर कोरिया ने ही पाकिस्तान को मिसाइल की तकनीक दी थी और पाकिस्तान ने किम जोंग उन को परमाणु तकनीक उपलब्ध कराई थी।

2017 में अमेरिका ने भारत से उत्तर कोरिया के साथ अपने राजनयिक संपर्क कम करने को कहा था, तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने नकार दिया था। भारत, उत्तर कोरियाई राजनयिकों को प्रशिक्षण भी देता रहा है। साथ ही कई महत्वपूर्ण मौकों पर मदद भी की है।

पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से नजदीकियां बढ़ानी शुरू की हैं। अमेरिका से दुश्मनी के बाद भी पाकिस्तान ने उत्तर कोरिया से राजनयिक रिश्ते स्थापित करने का फैसला किया है।

आमने

मैं जो कह रहा हूं वह सौ फीसदी सच है। एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। सभी सर्वेक्षणों में हरियाणा में कांग्रेस की जीत की संभावना जताई गई थी, लेकिन नतीजे एकदम उलट आए। मैं जेन जी से कहना चाहता हूं कि देखिए कैसे आपके भविष्य की चोरी की जा रही है।

-राहुल गांधी, सांसद

सामने

लोकसभा में विपक्ष के नेता अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए प्रेस को संबोधित कर रहे हैं। बिहार में मतदान होना है, लेकिन वे हरियाणा के किस्से सुना रहे थे। कांग्रेस के पास बिहार में कुछ नहीं बचा है और इसीलिए ध्यान भटकाने के लिए वे हरियाणा का मुद्दा उठा रहे हैं।

-किरन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है माले

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार के चुनावी गणित को देखें, तो यहां दो परिदृश्य गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि यहां लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वोटरों का रुझान बिल्कुल अलग है, खास तौर पर भाजपा के लिए। दूसरा यह कि बिहार में कम्युनिस्ट दलों का वर्चस्व अभी भी कायम है। पहले बिहार के लोकसभा व विधानसभा के चुनावी अंकगणित पर गौर करते हैं। 2004 के चुनावों से देखें, तो यह तस्वीर साफ नजर आती है कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में वोटर का मूड भिन्न होता है। विधानसभा चुनाव में किसी भी अकेले दल को सत्ता की चाबी नहीं थमाती। वह क्षेत्रीय दलों को तरजीह तो देती है, लेकिन बहुमत से दूर रखती है।

वह चाहे जदयू हो या आरजेडी। 2004 में लोकसभा की मात्र पांच सीट जीतने वाली भाजपा 2005 के विधानसभा चुनाव में 37 सीट जीत लेती है। लोकसभा चुनाव के मुकाबले विधानसभा चुनाव में वोट प्रतिशत भी इनका बढ़ जाता है। 2009 में लोकसभा की 12 सीट जीतने वाली भाजपा को 2010 के विधानसभा चुनाव में 91 सीट पर सफलता मिलती है।

इसी तरह 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा जब 22 सीट जीतती है, तो 2015 के विधानसभा चुनाव में इसे मात्र 53 सीटों पर ही कामयाबी मिलती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटें जीतती है, तो 2020 के विधानसभा चुनाव में उसे 74 सीटों पर सफलता मिलती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 12 सीटों पर जीती थी। अब 2025 के इसी महीने में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा के हिस्से में कितनी सीटें आती हैं, यह देखना है।

मैदान में यूं तो कई क्षेत्रीय दल भाग्य आजमा रहे हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया गठबंधन में ही है। सबसे दिलचस्प यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुद को महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे बनाए जाने का भय सता रहा है। ऐसे में उनके वोटर चिराग पासवान की पार्टी के साथ खेल न कर दें, यह आशंका भी बनी हुई है। नीतीश कुमार की यह आशंका और बलवती हुई होगी, जब प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि आरजेडी ने कांग्रेस के कनपटी पर कट्टा रखकर' तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने को मजबूर किया है।

मोदी की इस टिप्पणी के बाद नीतीश कुमार और उनके समर्थक इस बात को लेकर भयभीत हैं कि इसका मतलब एनडीए में जो मोदी चाहेंगे वही होगा। अर्थात पर्ची वाला भी मुख्यमंत्री हो सकता है। वोटरों की चुप्पी के बीच चुनाव बाद किस गठबंधन को कितनी सीटें हासिल होती हैं, यह तो अहम है ही, लेकिन सरकार किसके नेतृत्व में बनती है, यह देखना बेहद दिलचस्प होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव का जो दूसरा परिदृश्य है, वह भी कम दिलचस्प नहीं है। उत्तर भारत के प्रदेशों में कम्युनिस्ट दलों का लगभग खात्मा हो चुका है, लेकिन बिहार इससे अछूता है। 2020 के विधानसभा में इस दल के 12 विधायक थे। अभी जो चुनाव चल रहा है, उसमें भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है। पिछले चुनाव में इस दल के दो-चार उम्मीदवार बहुत मामूली वोटों से हारे थे।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाकपा माले की हारी हुई एक सीट भोरे भी है, जहां से इस बार जेएनयू छात्रसंघ के प्रेसिडेंट रहे 29 वर्षीय धनंजय को पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। भोरे विधानसभा क्षेत्र पश्चिमी बिहार के गोपालगंज जिले में स्थित है। बिहार का यह जिला यूपी के देवरिया और कुशीनगर से सटा हुआ है। गोपालगंज जिले का भोरे विधानसभा क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ माना जाता है। पिछले चुनाव में कम्युनिस्ट उम्मीदवार रहे जितेंद्र पासवान बिहार के डीजीपी रहे जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार से 472 वोटों के मामूली अंतर से हारे थे। स्थानीय लोगों ने इस चुनाव परिणाम को संदिग्ध माना था।

इस बार फिर पार्टी ने जितेंद्र पासवान को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें नामांकन के दिन ही 2017 के एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया गया, लिहाजा वे नामांकन दाखिल नहीं कर पाए। जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी के बाद माकपा ने जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष धनंजय को उम्मीदवार बनाया है।

इधर, जितेंद्र पासवान की गिरफ्तारी को जदयू उम्मीदवार की हार के डर से प्रतिशोध की कार्रवाई करार दिया गया और इसके पीछे जेडीयू उम्मीदवार सुनील कुमार और नीतीश कुमार का हाथ माना गया। मात्र 472 वोटों से जीतने वाले पूर्व डीजीपी सुनील कुमार, नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री थे। यूपी सीमा से सटे बिहार के इस विधानसभा क्षेत्र का चुनाव बेहद दिलचस्प है, क्योंकि यहां जदयू उम्मीदवार सुनील कुमार जैसे धनबल के मुकाबले जनता मैदान में है।

रिटायर्ड आईपीएस सुनील कुमार 1987 बैच के आईपीएस हैं। 2020 में वे पहली बार जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े और जीते। फिर बिहार के शिक्षा मंत्री बने। 1997 में यहां माले कार्यकर्ता उमेश पासवान की हत्या के बाद यह क्षेत्र कम्युनिस्टों का गढ़ बन गया। माले का स्ट्राइक रेट कांग्रेस से अच्छा हो, तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

भाकपा माले इंडिया गठबंधन का बड़ा साझेदार है। उसके 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। ये भले ही कम सीटों पर लड़ते हैं, लेकिन जीतने का इनका स्ट्राइक रेट बढ़िया होता है।

सोशल फोरम

खत्म होते रिश्ते और बिखरते परिवार

पक्के सामाजिक मनुष्य रूपी जीवों की समझ और सोच बिल्कुल अनोखी होती है। इनकी उम्र बीत जाती है समाज की अच्छाई, रिश्तों की अच्छाई, शादी ब्याह की अच्छाई, बच्चों और रिश्तेदारों की अच्छाई ढूंढने में और उसका बखान करने में। कोई लड़का-लड़की अगर बिना शादी किए लिव इन रिलेशन में रह रहे होते हैं और उनके रिश्तों में कुछ गड़बड़ हो जाए, वो एक-दूसरे को मार दें या कुछ भी खून कत्ल हो जाए उनके बीच, तो ये पारिवारिक प्राणी कमेंट करने को टूट पड़ेंगे, "और रहो ऐसे रिश्तों में", "और असामाजिक संबंधों में रहो, ऐसा ही होगा"....। फलाना-धिमाका बोलते हैं ये, जबकि शादियों में रोज इतने खून-कत्ल होते हैं, जितने रोड एक्सीडेंट में भी नहीं होते। आप फैमिली कोर्ट में जा कर वहां के हालत देखिए कभी, जबरदस्त भीड़ होती है।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

हजारों लोग परेशान कोर्ट के चक्कर लगाया करते हैं तलाक़ के लिए। लाखों केस पेंडिंग होते हैं। जिन मर्दों के ऊपर ये कोर्ट केस चल रहे होते हैं, उनकी नौकरी, घर, रुपया पैसा सब इसी में बर्बाद हो जाता है और वो कोर्ट के चक्कर लगा-लगा के अपनी आधी उम्र बिता देता है। फैमिली कोर्ट जा कर देखिए, भयावह दृश्य होता है। वो सब लिव इन वाले लोग नहीं हैं।

अनाथालयों में चले जाइए, देखिए कितने बच्चे, जो शादी नामक संस्था से पैदा हुए थे, किस तरह का जीवन जी रहे होते हैं। ये वो बच्चे होते हैं जो जाने कितने अरमान और जाने कितनों ने 'घर के चिराग' और 'वारिस' के लिए पैदा किए होते हैं। भीड़ है लावारिस बच्चों की इस दुनिया में। इन्हें अपना बच्चा ही मानव जाति के अस्तित्व को बचाने वाला एकमात्र मनुष्य दिखता है।

कभी वृद्धाश्रम जा कर देखिए, आपको शायद ही वहां कोई ऐसा बुजुर्ग मिले, जिसने 'एकल' जीवन चुना हो और उसने शादी न की हो। लगभग सभी आपको बाल-बच्चे, नाती-पोते वाले बुजुर्ग मिलेंगे। ये सारे अपने बच्चों द्वारा मार के भगाए गए बुजुर्ग होते हैं। वृद्धाश्रम का कॉन्सेप्ट ही घर से भगाए गए वृद्धों के लिए है, जहां कोई जाना नहीं पसंद करता है। आप जिस चीज को प्रेम कहते और बोलते हैं, वो सब सिर्फ 'आदत' होती है बस! केला-0सेब लेकर आपको अस्पताल में देखने आने वाले लोग वैसे ही होते हैं, जो आपकी शादी में आपके न्योते का लिफाफा देने पहुंचते हैं। इसमें कोई अच्छाई नहीं है, बस 'आदत' है ये!

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

नकली बादल से हल नहीं होती असली समस्या

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भिगो दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवा कर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में जयपुर के करीब बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश का प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहा। वहां कई-कई बार ड्रोन उड़ाए और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरीं, जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया।

पहले दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता, तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश की बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं दिखते, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा, तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है।

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही है, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च भी बढ़ा रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेंबर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने का कोई निर्णायक उपाय नहीं हो रहे हैं। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है।

जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ की खासियत होती है कि इसके पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है, तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है ।

एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह खतरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक खतरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक हैं, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती हैं। चिंता की बात यह है कि आक्सॉइड ऑफ नाइट्रोजन गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिल कर तेजाबी बारिश कर सकती है।

यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर जाम लग जाता है, जो दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

बीमारियों की जांच के लिए अब न तो पैथोलॉजी लैब में लाइन लगाने की जरूरत होगी और न ही रिपोर्ट के लिए अगले दिन का इंतजार करना पड़ेगा। यह बड़ा बदलाव संभव होगा आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों की पहल से। दरअसल आईआईटी कानपुर ने एक ऐसी अत्याधुनिक पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस विकसित की है, जो हमारे रोजमर्रा के जीवन और स्वास्थ्य व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली साबित हो सकती है। यह छोटा-सा उपकरण किसी भी व्यक्ति के रक्त, मूत्र, पसीने और लार के सैंपल से न सिर्फ विभिन्न रोगों की जांच कर सकता है, बल्कि मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद प्रदूषण की पहचान करके भी तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने में भी सक्षम है। इन्हीं विशेषताओं के कारण माना जा रहा है कि आईआईटी कानपुर की यह खोज भारत को सस्ती, तेज और सटीक जांच तकनीक के क्षेत्र में बड़ी पहचान दिला सकती है। 'जेब में लैब' जैसी यह डिवाइस आने वाले समय में स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों क्षेत्रों में नया अध्याय लिख सकती है।

- मनोज त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

जेब में लैब

पलक झपकते बीमारियों की जांच

पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर दिया नाम

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और बायो इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में शोध छात्र अनिमेष कुमार सोनी तथा नेहा यादव द्वारा तैयार इस डिवाइस को पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फार केमिरसिस्टव सेंसर नाम दिया गया है। इसके जरिए बॉयोलाजिकल और केमिकल दोनों तरह के मालिक्यूल की जांच की जा सकती है। डिवाइस का पेटेंट आवेदन स्वीकृत हो चुका है। अनिमेष के अनुसार कागज की चिप और डिवाइस सेंसर को अलग-अलग रसायनों की जांच के लिए विशेषीकृत किया गया है। हर जांच के लिए अलग-अलग डिवाइस और चिप का प्रयोग किया जाता है।

डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता

आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित डायग्नोस्टिक डिवाइस की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पोर्टेबिलिटी है। यानी यह एक 'जेब में समा जाने वाली लैब' जैसी है, जिसे लेकर किसी भी गांव, दूरस्थ इलाके या आपदा प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा जा सकता है और वहां मौके पर जांच की जा सकती है। इस पोर्टेबल डिवाइस से जांच रिपोर्ट कुछ ही मिनटों में मोबाइल स्क्रीन पर मिल जाती है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह डिवाइस ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए वरदान साबित हो सकती है, जहां संसाधनों की कमी के कारण अक्सर रोग की पहचान में देरी होती है, जिसका नुकसान मरीजों को उठाना पड़ता है।

तीन हजार की डिवाइस और 20 रुपये की कागज चिप

तीन हजार रुपये में तैयार होने वाली इस डिवाइस से की जाने वाली जांच भी बेहद सस्ती है। जांच के लिए कागज से बनी चिप का प्रयोग किया जाता है, जिससे जांच परिणाम तुरंत मिल जाते हैं। जांच प्रक्रिया तत्काल पूरी किए जाने से रक्त, मूत्र या लार के नमूनों के दूषित या बिगड़ने का खतरा भी नहीं रहता है। इस डिवाइस को कोई भी डॉक्टर अपनी क्लीनिक पर रख सकता है। इसके लिए कागज पर कार्बन इलेक्ट्रोड चिप बनाई गई है, जिसकी लागत 15 से 20 रुपये है।

मलेरिया, डेंगू, टायफाइड की आसानी से जांच

आईआईटी कानपुर की शोध टीम के अनुसार यह डायग्नोस्टिक डिवाइस बायोसेन्सिंग तकनीक पर आधारित है। यानी यह शरीर के तरल पदार्थों में मौजूद बायोमार्कर्स की पहचान करके बीमारी का पता लगाती है। इसके चलते इसकी मदद से मलेरिया, डेंगू, टायफाइड जैसी संक्रामक बीमारियों के अलावा कई प्रकार के सूक्ष्म संक्रमण और प्रदूषक तत्वों की भी पहचान आसानी से और फटाफट की जा सकती है।

रिचार्जेबल डिवाइस का सोलर पैनल से भी संचालन

इस डिवाइस का इंटरफेस बेहद आसान है, इसके लिए किसी तकनीकी प्रशिक्षण की जरूरत नहीं पड़ती। बस सैंपल की एक बूंद डालते ही डिवाइस में लगे सेंसर सक्रिय हो जाते हैं और कुछ मिनटों में ही परिणाम उपलब्ध करा देते हैं। खास बात यह है कि यह डिवाइस रिचार्जेबल है और बिजली न होने की स्थिति में सोलर पैनल से भी संचालित की जा सकती है।

ग्रामीण भारत के लिए 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट'

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित पोर्टेबल डायग्नोस्टिक डिवाइस तकनीक से ग्रामीण भारत में रोग पहचान की प्रक्रिया में क्रांतिकारी सुधार होगा, जहां पहले जांच के लिए सैंपल शहर भेजे जाते थे, वहीं अब 'मेडिकल टेस्ट ऑन द स्पॉट' संभव होगा। यही नहीं, पर्यावरणविद् भी इस नवाचार को लेकर खासे उत्साहित हैं, क्योंकि यह मिट्टी, पानी और खाद्य पदार्थों में प्रदूषण का विश्लेषण करके, उन्हें सुरक्षित रखने का एक सस्ता और तेज साधन बन सकती है।

तकनीक हस्तांतरण का काम अंतिम चरण में

आईआईटी कानपुर के बायो साइंस और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि पोर्टेबल रीडआउट यूनिट फॉर केमिरसिस्टव सेंसर के जांच परिणाम सटीक पाए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के अलावा इसकी मदद से खेतों की मिट्टी और पेय पदार्थों में मौजूद रसायनों की पहचान भी की जा सकती है। इससे दूध और शीतल पदार्थ की गुणवत्ता जांच भी संभव है। इस डिवाइस को बाजार में पहुंचाने के लिए तकनीक हस्तांतरण की दिशा में काम अंतिम चरण में है।

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक

- पद का नाम : एमएसएमई रिलेशनशिप मैनेजर
- पदों की संख्या : 30
- योग्यता : स्नातक
- आयु सीमा : 25 से 33 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 26-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : punjabandsind.bank.in

पंजाब नेशनल बैंक (PNB)

- पद का नाम : स्थानीय बैंक अधिकारी
- पदों की संख्या : 750
- वेतन मैट्रिक्स : रु. 48480-85920
- योग्यता : कोई भी स्नातक
- आयु सीमा : 20 से 30 वर्ष
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 23-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : pnb.bank.in

प्रादेशिक सेना

- पद का नाम : सैनिक
- पदों की संख्या : 1529
- योग्यता : 12वीं, 10वीं, 8वीं
- आयु सीमा : 18 से 42 वर्ष
- आवेदन प्रारंभ तिथि : 15-11-2025
- आवेदन की अंतिम तिथि : 14-12-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : regionalarmy.in

कैंपस में पहला दिन

'बड़े' होने की हुई शुरुआत

स्कूल से कॉलेज तक का सफर जैसे किसी बंद कमरे से खुली हवा में कदम रखना हो। स्कूल की ड्रेस, भारी बैग और रोज-रोज के होमवर्क से आजादी का एहसास अलग ही था। उस दिन सुबह जब आईने में खुद को देखा तो लगा- अब मैं बड़ा हो गया हूं। कॉलेज के पहले दिन दिल में उत्साह भी था और थोड़ी-सी घबराहट भी थी। नए माहौल, नए लोग और नए शिक्षक सब कुछ नया था। गेट पर खड़े होकर कुछ पल के लिए ठिठक गया, मानो कोई नया अध्याय शुरू होने से पहले दिल खुद को संभाल रहा हो। कैंपस में कदम रखते ही चारों ओर हंसी, बातें और परिचय का शोर। कोई अपने दोस्तों के साथ फोटो खिंचवा रहा था, तो कोई क्लास ढूंढने में व्यस्त। पहली क्लास में जब प्रोफेसर साहब ने 'वेलकम टू कॉलेज लाइफ' कहा, तो लगा जैसे किसी ने जिंदगी के अगले दरवाजे खोल दिए हों। यहां किताबों के साथ-साथ रिश्ते, अनुभव और आत्मविश्वास भी पढ़ना था। स्कूल की तरह सख्त अनुशासन नहीं, बल्कि सोचने और अपने विचार रखने की आजादी थी। ब्रेक के समय कैंटीन में समोसे और चाय के साथ नई दोस्ती की शुरुआत हुई। कुछ ही घंटों में अजनबी चेहरे अपनापन देने लगे। शाम को जब घर लौटा तो थकान नहीं, बल्कि चेहरे पर एक अलग-सी चमक थी। कुछ नया पाने की, कुछ बनने की। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो एहसास होता है कि कॉलेज का पहला दिन ही असल में 'बड़े होने' की शुरुआत थी, जहां किताबों से ज्यादा जिंदगी सिखाई जाती है।

-शिव शंकर सोनी
शिक्षक, मवई, अयोध्या

नोटिस बोर्ड

- डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन (कानपुर) में पूर्व छात्र समागम आयोजित होगा। 8 नवंबर को होने वाले समारोह की तैयारियां संस्थान में चल रहीं है।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कौशल विकास व जीवन कौशल से संबंधित पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत नैसकॉम से स्किल प्रशिक्षण के लिए आगामी 12 नवंबर (बुधवार) को एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।
- एचडीएफसी बैंक और संभव फाउंडेशन के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिटेल एग्जीक्यूटिव, होटल मैनेजमेंट ऑपरेशन्स आदि क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए एमबीपीजी कॉलेज (हल्द्वानी) के करियर काउंसलिंग सेल की ओर से 14 नवंबर को एकदिवसीय प्रशिक्षणात्मक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

यूजीसी नेट: बेहतरीन करियर अवसरों की चाबी

यूजीसी नेट एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा है, जिसे पास करने के बाद उम्मीदवारों के लिए करियर के अनेक द्वार खुल जाते हैं। खासतौर पर उन युवाओं के लिए यह परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण है, जो शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करने के बाद आप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और एक सम्मानजनक करियर की शुरुआत कर सकते हैं। *-फीचर डेस्क*

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का मौका

यूजीसी नेट पास करने के बाद उम्मीदवार देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हो सकते हैं। सरकारी कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर की शुरुआती वेतनमान लगभग 57,700 रुपये प्रतिमाह होता है। इसके अलावा विभिन्न भत्ते भी मिलते हैं, जिसके चलते कुल वेतन 75,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच जाता है। उच्च शिक्षा में अध्यापन को भारत में अत्यंत सम्मानजनक पेशा माना जाता है।

रिसर्च संस्थानों में उज्ज्वल भविष्य

CSIR, ICAR, DRDO, ICMR जैसे देश के नामी शोध संस्थानों में भी NET या JRF धारकों को रिसर्च में काम करने का मौका मिलता है। यहां शुरुआती सैलरी लगभग 50,000 रुपये प्रतिमाह होती है। रिसर्च का क्षेत्र उन छात्रों के लिए आदर्श है, जो नए ज्ञान की खोज और नवाचार करना चाहते हैं।

टॉप कंपनियों में भी मिलता है अवसर

यूजीसी नेट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को कई प्रतिष्ठित सरकारी

कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर भी मिलता है। इनमें ONGC, NTPC, BHEL, IOCL जैसी कंपनियां शामिल हैं। यहां HR, मार्केटिंग, फाइनेंस और रिसर्च विभागों में जॉब मिल सकती है। इन पदों पर शुरुआती सैलरी 50,000 रुपये से शुरू होती है, जो अनुभव के साथ 1.5 लाख रुपये प्रतिमाह तक पहुंच सकती है।

प्रमोशन और नेतृत्व का अवसर

असिस्टेंट प्रोफेसर से शुरुआत करने वाले उम्मीदवार समय के साथ प्रमोशन पाकर एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर और आगे चलकर डीन या वाइस चांसलर जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं। यह एक ऐसा करियर है, जिसमें न केवल वेतन और लाभ बढ़ते हैं, बल्कि सम्मान और प्रतिष्ठा भी निरंतर बढ़ती जाती है।

JRF के साथ रिसर्च में शानदार शुरुआत

यदि उम्मीदवार यूजीसी नेट के साथ जेनरल रिसर्च फैलोशिप (JRF) भी क्वालिफाई कर लेते हैं, तो उन्हें रिसर्च फील्ड में जाने का सुनहरा अवसर मिलता है। JRF के तहत रिसर्च करने वाले छात्रों को आकर्षक स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाता है। पहले दो वर्षों में 37,000 रुपये प्रतिमाह और इसके बाद 42,000 रुपये प्रतिमाह तक स्टाइपेंड मिलता है। इसके साथ ही पीएचडी करने का अवसर भी स्वत: प्राप्त हो जाता है।

सौर विनिर्माण क्षमता 125 गीगावाट पार कर जाने की उम्मीद

नई दिल्ली। देश में सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 2025 तक 125 गीगावाट को पार कर जाने की उम्मीद है। यह 40 गीगावाट की घरेलू मांग से तीन गुना से भी अधिक है। वैश्विक शोध और परामर्श कंपनी वुड मैकेंजी ने यह बात कही है। यह वृद्धि सरकार की उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का नतीजा है, जिसने विनिर्माण के तेजी से बढ़ाने में मदद की है। हालांकि, उद्योग को अब अत्यधिक क्षमता के जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत विचार
मुरादाबाद, गुरुवार, 6 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अमेजन इंडिया ने गोदाम शुल्क 11% बढ़ाया

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने अपने गोदाम भंडारण शुल्क को 11% बढ़ाकर 50 रुपये प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह कर दिया है। यह शुल्क 15 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगा। कंपनी ने उच्च परिचालन लागत का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। इस साल की शुरुआत में अमेजन इंडिया ने 135 श्रेणियों में 1.2 करोड़ से ज्यादा कम-मूल्य वाली वस्तुओं (300 रुपये तक) के लिए रेफरल शुल्क हटाया था। साथ ही, 300 से 500 रुपये कीमत वाली वस्तुओं पर शुल्क 1% या उससे कम कर दिया था। फैशन और छोटे उपकरणों जैसी उच्च मूल्य श्रेणियों में 7% तक की कटौती लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की।

ऋण मांग में 27% की वृद्धि : बजाज फिनसर्व

नई दिल्ली। बजाज फिनसर्व की इकाई बजाज फाइनेंस ने त्योहारों के दौरान रिकॉर्ड संख्या में उपभोक्ता ऋण वितरित की जानकारी दी। मात्रा के हिसाब से 27% और मूल्य के हिसाब से 29% की वृद्धि दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस ने कहा कि यह सरकार के जीएसटी सुधारों और व्यक्तिगत आयकर में बदलावों के परिणाम को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ाना है। बजाज फाइनेंस ने 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक 63 लाख ऋण बांटे हैं। इस अवधि में कंपनी ने 23 लाख नए ग्राहक हासिल किए, जिनमें से 52% नए ऋण लेने वाले थे। इस प्रकार वित्तीय समावेशन को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया।

टेस्ला ने शरद को बनाया भारत प्रमुख

नई दिल्ली। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने लैम्बॉर्गिनी इंडिया के पूर्व प्रमुख शरद अग्रवाल को अपने भारतीय परिचालन का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कंपनी भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने पर विचार कर रही है। टेस्ला ने जुलाई में मुंबई में अपना पहला अनुभव केंद्र खोला और अगस्त में दिल्ली के एरोसिटी में दूसरा केंद्र खोला। जुलाई में मॉडल वाई पेश करने के बाद कंपनी ने इसकी आपूर्ति शुरू कर दी है।

एफटीए में डेयरी, एमएसएमई के हितों पर ध्यान : गोयल

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित वार्ता में हुई है उल्लेखनीय प्रगति

- चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन गए हैं केंद्रीय मंत्री

ऑकलैंड, एजेंसी

ऑकलैंड में भारत-न्यूजीलैंड बिजनेस फोरम के दौरान अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व अन्य अधिकारी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में डेयरी और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की लगातार सुरक्षा करता है। गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित एफटीए पर जारी वार्ता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस समय दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी चौथे दौर की बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत कभी भी डेयरी, किसानों और एमएसएमई के हितों से समझौता नहीं करता है। हम हमेशा इन संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की सुरक्षा करते हैं। न्यूजीलैंड विश्व का प्रमुख डेयरी उत्पादक देश है, और ऐसे में इस क्षेत्र में बाजार पहुंच बढ़ाने की उसकी मांग को लेकर भारत की स्थिति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। न्यूजीलैंड की चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर वेलिंगटन पहुंचे गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने व्यापार समझौते में एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करने पर सहमति जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में डेयरी या कृषि क्षेत्र में साझेदार देश को शुल्क रियायत नहीं दी है।

उन्होंने कहा, हम ऐसे मुद्दों को नहीं छूते हैं। हम एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं। वार्ता के अगले चरणों को लेकर वाणिज्य मंत्री ने कहा, हो सकता है कि हमें बहुत अधिक चरणों की जरूरत न पड़े। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति पहले ही हो चुकी है। व्यापार समझौते की दिशा में ठोस चर्चा चल रही है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि भारत कृषि प्रौद्योगिकी, खासकर डेयरी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर देख सकता है। एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा, कृषि, अंतरिक्ष, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं।

समझौते के लिए भारत-अमेरिका कर रहे चर्चा

पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए लगातार चर्चा जारी है। बातचीत अच्छी चल रही है और लगातार जारी है, कई संवेदनाशील मुद्दे हैं, कई गंभीर मुद्दे हैं तो स्वाभाविक है कि थोड़ा समय लगेगा। अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय अधिकारियों का दल गत माह अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए वॉशिंगटन गया था। तीन दिवसीय वार्ता 17 अक्टूबर को समाप्त हुई। फरवरी में भारत-अमेरिका के नेताओं ने अधिकारियों को द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत का निर्देश दिया था। उन्होंने पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु तक पूरा करने की समय सीमा तय की है। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50% का शुल्क लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए हैं।

बैंकों का लाभ 9% बढ़कर 49,456 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई को छोड़कर सभी 12 बैंकों ने सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये कमाए

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 49,456 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यह दो बैंकों द्वारा लाभ में गिरावट दर्ज किए जाने के बावजूद सालाना आधार पर 9% की वृद्धि को दर्शाता है। सभी 12 बैंकों (पीएसबी) ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई- सितंबर तिमाही में 45,547 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।

शेयर बाजारों के अनुसार, एसबीआई ने 49,456 करोड़ की कमाई में 40% का योगदान दिया। एसबीआई ने 2025-26 की दूसरी तिमाही में 20,160 करोड़ का लाभ दर्ज किया, जो गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10% अधिक है। चेन्नई स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक ने 58% की वृद्धि दर्ज की और 1,226 करोड़ का लाभ कमाया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 33% की वृद्धि के साथ 1,213 करोड़ कमाया। बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर अन्य बैंक लाभ में रहे। बैंक ऑफ बड़ौदा का लाभ 8% घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। वहीं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लाभ 10% घटकर 4,249 करोड़ रुपये रह गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक ने 23% और केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक ने क्रमशः 19, 14 और 12% की वृद्धि दर्ज की।

नवंबर से घट सकता है रूसी तेल का आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर भारत ले सकता है निर्णय

भारत नवंबर के अंत से रूसी कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। यह कदम रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों ने यह संभावना जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि देश के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी इकाइयां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) शामिल हैं। अमेरिका ने रूसी पेट्रोलियम कंपनियों-रोसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है।

इसके अलावा अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। रिलायंस का रोसनेफ्ट के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता है, जबकि एमआरपीएल और एचएमईएल ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप स्थगित करने की घोषणा की है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से कुल 18 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया जिसमें इन कंपनियों की आधे से अधिक हिस्सेदारी है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वडिनार रिफाइनरी (गुजरात) अपने मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। यह रिफाइनरी पहले से यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के दायरे में है और रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। नौवहन सूचना फर्म 'केप्लर' के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी।

भारत के लिए व्यापक स्वर्ण नीति अपनाने का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

एसबीआई ने जारी की एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश नामक रिपोर्ट

सोने की कीमतों के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के बीच इसके लिए एक व्यापक नीति की जरुरत है क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े सर्राफा बाजारों में से एक है जो पीली धातु के प्रति सांस्कृतिक लगाव व निवेश मांग से प्रभावित है। बुधवार को जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी 'कमिंग ऑफ (ए टर्बुलेंट) एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता व कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण सोने की कीमत नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। 2025 में अब तक की कीमतों में 50% से अधिक की वृद्धि हुई है। अक्टूबर में कुछ दिन के लिए कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं, लेकिन नवंबर में फिर से 4,000 डॉलर प्रति औंस से पार चली गईं। सोने की घरेलू आपूर्ति भारत में कुल सोने की आपूर्ति का एक अंश है। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, 2024 में कुल आपूर्ति में आयात का योगदान 86% होगा। भारत सबसे बड़े स्वर्ण बाजारों में से एक है जो सोने के प्रति सांस्कृतिक आकर्षण, निवेश की मांग और मुद्रास्फीति से बचाव तथा सुरक्षित निवेश सहित अन्य आर्थिक कारकों से प्रभावित है।

भारत में सोने की कुल उपभोक्ता मांग 2024 में बढ़कर 802.8 टन हो गई जो वैश्विक स्वर्ण मांग का 26% है। इससे भारत, चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया। चीन की उपभोक्ता मांग 815.4 टन थी। अध्ययन अनुसार चीन की सोने पर राष्ट्रीय नीति है, जिसका एक विशिष्ट उद्देश्य है। यह अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य में सोने के व्यापार, भंडारण, मूल्यांकन और उपयोग के तरीके को नया रूप देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण रखता है। यह कई आर्थिक एवं भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को साथ संबोधित करने के लिए समन्वित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। अमेरिका और जर्मनी जैसे देश कुल भंडार का 77% से अधिक सोने के रूप में रखते हैं।

डीएलसी के लिए लगेगा शिविर

एसबीआई ने पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) के लिए शिविर का आयोजन किया, जिसमें 500 प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसका उद्घाटन राज्यमंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन) जितेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सचिव वी श्रीनिवास, एसबीआई के डीएमडी (लेनदेन बैंकिंग और नई पहल) शमशेर सिंह और एसबीआई के सीजीएम (सरकारी व्यापार सेवा और समाधान इकाई) अमृतेश मोहन उपस्थिति थे।

राष्ट्रीय

रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर राहुल फैलाना चाहते हैं अराजकता : राजनाथ

रक्षा मंत्री बोले- कांग्रेस नेता के पास तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा

बांका/जमुई/गयाजी, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण की मांग कर देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। सिंह ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता के पास अब तालाब में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने हाल में कांग्रेस नेता के चुनावी अभियान के दौरान मछली पकड़ने की कोशिश पर तंज कसा। रक्षा मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी बिना किसी आधार के निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों पर निशाना साध रहे हैं।

बिहार संग्राम

बिहार के जमुई जिले में जनसभा में सिंह ने कहा, राहुल को क्या हो गया है? वे रक्षा बलों में आरक्षण की बात उठा रहे हैं। वे देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सब चीजों से ऊपर हैं। भारत के सैनिकों का केवल एक धर्म है- 'सैन्य धर्म'। भाजपा आरक्षण के पक्ष में है। हमने गरीबों और समाज के पात्र वर्गों को आरक्षण दिया है। राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया था कि निजी क्षेत्र, न्यायपालिका, नौकरशाही और सशस्त्र बलों में पिछड़ी जातियों, आदिवासी और अल्पसंख्यकों का बहुत कम प्रतिनिधित्व है, जबकि 10% आबादी इन पर नियंत्रण रखती है।

सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को यह समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चों का खेल नहीं है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर को रोका गया है, खत्म नहीं किया गया। अगर आतंकवादी भारत पर फिर हमला करने की कोशिश करेंगे तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हमारे सैनिकों ने आतंकियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। भारतीय सेना ने आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया... मैं मारे गए आतंकियों की संख्या नहीं बताना चाहता, पर यह तीन अंकों से कहीं अधिक है। भारत को कोई उकसाने की कोशिश करता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

चारा खाया, अब गरीबों का राशन खाएगा राजद : योगी

गया। भाजपा के स्टार प्रचारक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने पहले पशुओं का चारा खाया और अब अगर सत्ता में आए तो गरीबों का राशन खाने की फिराक में है। उन्होने कहा कि 2005 के पहले बिहार में अपराध, जातीय संघर्ष, माओवाद, नक्सलवाद था। यूपी-बिहार के नाम पर देश-दुनिया में सम्मान नहीं मिलता था। बिहार में लालू प्रसाद यादव के शासन में 60 से अधिक जातीय नरसंहार, 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, संभ्रांत व्यक्ति सुरक्षित नहीं थे। बिहार के 30-40 प्रतिशत लोगों गोरखपुर व वाराणसी में है, क्योंकि उस समय जंगलराज था, लेकिन नीतीश के नेतृत्व में 20 वर्ष में सुशासन की सुदृढ़ नींव रखी गई। बिहार में रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी के साथ अब वाटरवे की कनेक्टिविटी बिहार से होते हुए यूपी को जोड़ रही है। किसानों के उत्पाद हों या बिहार का मखाना, जल मार्ग से दुनिया के बाजारों में पहुंचाया जा रहा है।

पहले व दूसरे चरण के 27% प्रत्याशियों पर गंभीर आपराधिक मामले

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार चुनाव के पहले और दूसरे चरण के 2,600 उम्मीदवारों में से 697 (27%) पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। यह आंकड़ा 2020 के चुनाव की तुलना में अधिक है, जब 25% उम्मीदवारों ने इसकी घोषणा की थी। इस बार उम्मीदवारों की संख्या भले ही कम हो, लेकिन दागी चेहरों का प्रतिशत बढ़ा है। एडीआर के अनुसार, सीपीएम के 4 में से 4 उम्मीदवार, सीपीआई के 9 में से 6, सीपीआई (एमएल) के 20 में से 13, कांग्रेस के 60 में से 32, लोजपा (रामविलास) के 28 में से 14, आरजेडी के 140 में से 69, भाजपा के 101 में से 49, जन सुराज पार्टी के 231 में से 100, जदयू के 101 में से 26, आप के 83 में से 21 और बीएसपी के 180 में से 28 उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि हर पार्टी ने आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 94 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित किये हैं, जिनमें 5 पर दुष्कर्म का आरोप हैं। वहीं 52 ने हत्या और 165 ने हत्या के प्रयास के मामले घोषित किये हैं।

राजग वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है : प्रियंका

बेतिया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में वोट चोरी से सरकार बनाना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं हैं। प. चंपारण जिले के वाल्मीकि नगर और चनपटिया की जनसभाओं में प्रियंका ने कहा कि राजग जानता है कि जनता उससे ऊब चुकी है, इसलिए वह वोट चोरी में लिप्त है। आज देश में हालात ऐसे हैं, जैसे अंग्रेजों के शासनकाल में हुआ करते थे, मुझे संदेह है कि भविष्य में इस देश में चुनाव भी होंगे या नहीं। प्रियंका ने कहा कि राजग सब कुछ बर्बाद कर देगा, यह भी साफ नहीं है कि आगे चुनाव होंगे या नहीं, आप चुप क्यों हैं? इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाइए।

मतदान से पहले जनसुराज का उम्मीदवार भाजपा में

मुंगेर। प्रथम चरण के मतदान से पहले जनसुराज के उम्मीदवार संजय सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा के मुंगेर प्रभारी राजेश झा के अनुसार, संजय सिंह ने भाजपा उम्मीदवार कुमार प्रणय और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि उनका यह निर्णय विकास और स्थिर सरकार की दिशा में उठाया गया कदम है। संजय सिंह ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की नीतियों से प्रभावित हैं और राजग के साथ विकास कार्य करना चाहते हैं।

हरियाणा का चुनाव चोरी हुआ था, सरकार वैध नहीं : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी पर बुधवार को हरियाणा की मतदाता सूची के आंकड़े सामने रखे और दावा किया कि गत वर्ष अक्टूबर में हुए विधानसभा चुनाव को 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चोरी हुआ था। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप भी लगाया और कहा कि न सिर्फ हरियाणा की सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वैध रूप से पद पर नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी सरकार में वैध रूप से नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में वोट चोरी को लेकर वह जो बातें कर रहे हैं वो सौ फीसदी सबूत पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सर्वेक्षणों में कांग्रेस की जीत की संभावना थी, लेकिन कांग्रेस की तय जीत को हार में बदला गया। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री के बयान का वीडियो दिखाया, जिसमें सैनी ने सरकार बनाने की व्यवस्था होने की बात की थी। राहुल ने दावा किया कि हरियाणा में पांच अलग-अलग तरीकों से 25,41,144 फर्जी मतों से वोट चोरी हुई। डुप्लीकेट वोटर की संख्या 5,21,619 रही। फर्जी पते वालों की संख्या 93,174 थी, बल्क वोटर 19,26,351 थे। उन्होंने कहा कि फॉर्म 6 और 7 का भी दुरुपयोग हुआ। फॉर्म 6 और फॉर्म 7 के जरिये वोटरों को जोड़ा और घटाया जाता है। महादेवापुरा और आलंद के खुलासे के बाद निर्वाचन आयोग ने इसका डेटा देना बंद कर दिया है।

बिहार में होना है मतदान और राहुल बता रहे हरियाणा की कहानी : रीजीजू

भाजपा ने हरियाणा चुनाव में वोट चोरी संबंधी राहुल गांधी के दावों को बुधवार को झूठा और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कांग्रेस नेता पर अपनी नाकामियों को छिपाने तथा देश को बदनाम करने के लिए निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने गांधी पर 'जेन जेड' को भड़काने का प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे, क्योंकि देश के युवा इतने समझदार हैं कि वे ऐसे उकसावे में नहीं आएंगे। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में कहा, हरियाणा चुनावों के दौरान उनकी वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने कहा था कि कांग्रेस जीत नहीं पाएगी, क्योंकि हरियाणा कांग्रेस के नेता चाहते थे कि पार्टी हार जाए। तीन दिन पहले कांग्रेस के पूर्व नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा कि कांग्रेस हरियाणा चुनाव इसलिए हारी, क्योंकि उसके नेता काम नहीं कर रहे थे। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भी कहा था। रीजीजू ने कहा कि बिहार में मतदान होने वाला है और वह हरियाणा की कहानी बता रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि बिहार में (कांग्रेस के लिए) कुछ नहीं बचा है। इसीलिए वह जनता का ध्यान भटकाने के लिए हरियाणा का मुद्दा लेकर आए हैं।

हरियाणा को लेकर राहुल के दावे निराधार: ईसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा हरियाणा में मतदाता सूची को लेकर लगाए गए आरोप निराधार हैं क्योंकि प्रदेश में न तो उनकी पार्टी के बूथ एजेंट की ओर से अपील दायर की गई और न ही एक से अधिक मतदान की शिकायत हुई थी। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने सवाल किया कि कांग्रेस के बूथ एजेंट ने अक्टूबर 2024 में हुए हरियाणा चुनावों में कई बार वोट डालने वाले मतदाताओं को चिह्नित क्यों नहीं किया। कांग्रेस नेता के आरोपों का खंडन करते हुए एक अधिकारी ने कहा, मतदाता सूची में संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ स्तरीय एजेंट द्वारा कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई गई? बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) राजनीतिक दलों द्वारा मतदाता सूची में अनियमितता को चिह्नित करने के लिए नियुक्त किए जाते हैं। मतदाता सूचियों के विरुद्ध शून्य अपील दायर हुई थीं और वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में केवल 22 चुनाव याचिकाएं लंबित हैं। कुल 23 चुनाव याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें से एक को बाद में वापस ले लिया गया।

बिलासपुर ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हुई, 20 घायल

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के करीब मंगलवार को हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि 20 लोग घायल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 'मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' (एमईएमयू) यात्री ट्रेन कोरबा जिले के गेवरा से पड़ोसी जिले बिलासपुर जा रही थी।

अधिकारियों ने कहा, दुर्घटना में छह महिलाओं सहित 11 लोगों की मौत हुई है तथा 20 अन्य घायल हो गए हैं। 11 मृतकों में से पांच में रेलगाड़ी के लोको पायलट विद्या सागर, लवकुश शुक्ला, रंजीत प्रभाकर, शीला यादव और प्रिया चंद्र है। मृतकों में से चार महिलाओं और दो पुरुषों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। 20 घायलों में नौ महिलाएं और दो वर्षीय बच्चा हैं। यात्री ट्रेन की सहायक लोको पायलट रश्मि राज और ट्रेन मैनेजर अशोक कुमार दीक्षित तथा मालगाड़ी के गार्ड शैलेश चंद्र भी अस्पताल में हैं। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि रेलगाड़ी का एक डिब्बा मालगाड़ी के एक डिब्बे के ऊपर चढ़ गया था।

घूस के पैसे से शेयरों में निवेश कर कमाया लाभ अपराध से अर्जित आय है : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि घूस के पैसे से शेयर बाजार में निवेश कर कमाए लाभ को अपराध से अर्जित आय माना जाएगा और यह धन शोधन अपराध है। अदालत ने कहा कि यदि किसी ने रिश्वत की राशि को निवेश किया है, तो उसकी कीमत बढ़ने पर भी उस धन का अवैध स्रोत शुद्ध नहीं होता और यह बढ़ी हुई राशि भी उसी अवैध स्रोत से जुड़ी होती है।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने तीन नवंबर को दिए फैसले में कहा, धन शोधन सतत अपराध है, जो अवैध धन अर्जित करने की प्रारंभिक क्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें उस धन के विभिन्न लेनदेन भी शामिल है। पीठ ने कहा कि यदि कोई अधिकारी रिश्वत लेकर उसे शेयर बाजार, रियल एस्टेट या मादक पदार्थ के धंधे में लगाता है, तो धन की अवैधता समाप्त नहीं होती और ऐसी पूरी राशि जब्ती योग्य होती है। यह फैसला ईडी की अपील पर दिया गया, जिसमें उसने फतेहपुर कोल ब्लॉक आवंटन से संबंधित मामले में एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी थी। ईडी ने 122.74 करोड़ की संपत्ति को जब्त किया था कि एम/एस प्रकाश इंडस्ट्रीज ने धोखाधड़ी से कोल ब्लॉक आवंटन पाया और शेयर की कीमतें बढ़ाईं।

वर्ल्ड ब्रीफ

जमैका में तूफान मेलिसा से 30 लोगों की मौत, 15 लाख प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि जमैका और आसपास के इलाकों में आए भीषण चक्रवाती तूफान मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है और इसके कारण 30 लोगों की मौत हो गई और 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि जमैका में सड़कें, बिजली और संचार व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। लगभग एक सौ तीस सड़कें अवरुद्ध हैं और कई क्षेत्रों में बिजली तथा मोबाइल नेटवर्क ठप पड़े हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ा है क्योंकि कई अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम का अनुमान है कि जमैका में लगभग साढ़े तीन लाख लोगों को खाद्य पदार्थों की सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है।

अंतरिक्ष में गए चीन के चालक दल की वापसी सुरक्षा के लिए टाली

बीजिंग। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर तैनात दल की बुधवार को निर्धारित वापसी को टाल दिया गया है। ऐसा संदेह है कि अंतरिक्ष यान पर सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे का प्रभाव पड़ा है। यह घोषणा 'चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने की। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वापसी में देरी का निर्णय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के दल को हर छह महीने में बदलता है। शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 दल के साथ कक्षा में कार्यभार हस्तांतरण पूरा किया था और उसका बुधवार को पृथ्वी पर लौटने का कार्यक्रम था। शेनझोउ-20 में वर्तमान अंतरिक्ष दल सवार है।

बोस्निया में एक इमारत में आग लगने से 10 की मौत, कई घायल

साराजेवा। बोस्निया के उत्तरपूर्वी शहर तुजला में एक आवासीय इमारत में आग लगने से मंगलवार को कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी और बोस्निया मीडिया ने यह जानकारी दी। दैनिक समाचार पत्र 'दनेवनी अवाज' ने बताया कि इमारत की एक ऊपरी मंजिल पर आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी। अभी तक कम से कम 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा कई और लोगों के हताहत होने की आशंका है। कैंटोनल नेता इरफान हालिलागिक ने समाचारपत्र को दिए एक बयान में पुष्टि की कि मौतें हुई हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने लोग मारे गए। हालिलागिक ने कहा, हम अब विचार कर रहे हैं कि निवासियों को कहां ठहराया जाए। अखबार और अन्य बोस्नियाई मीडिया संगठनों ने भीषण आग की खबरें पुलिस सूत्रों के हवाले से प्रकाशित की हैं।

उलानबटोर में फंसे 228 यात्री लेकर एअर इंडिया का विमान दिल्ली आया

नई दिल्ली, एजेंसी

- सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान ने की थी आपात लैंडिंग

एअर इंडिया का एक विमान मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों को लेकर बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा। तकनीकी समस्या के कारण सोमवार को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे मंगोलिया की राजधानी ले जाया गया, जिसके बाद यात्री वहां फंस गए थे।

एक अधिकारी ने बताया कि उलानबटोर से यात्रियों को लेकर एअर इंडिया का राहत विमान बुधवार सुबह करीब आठ बजकर 24 मिनट पर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा। राहत उड़ान संख्या एआई183 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के साथ संचालित की गई। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने सोमवार को कहा था कि उलानबटोर ले जाए गए बोइंग 777 विमान में 228 यात्रियों और चालक दल के 17 सदस्यों सहित 245 लोग सवार थे। एयरलाइन ने बुधवार को एक बयान में कहा, एहतियाती तौर पर मार्ग परिवर्तन के बाद मंगोलिया के उलानबटोर में फंसे एआई174 के यात्रियों और चालक दल को लेकर राहत उड़ान सुबह दिल्ली में उतरी। संबंधित अधिकारियों के अलावा एअर इंडिया ने भी अपने यात्रियों को मार्ग परिवर्तन के दौरान उनके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद दिया।

भारतवंशियों की उपलब्धियां

दुनिया में भारत का परचम

अमेरिका के ताजा चुनाव में न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहर ममदानी, वर्जीनिया की लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं गजाला हाशमी और ओहायो के सिनसिनाटी शहर के मेयर पद के चुनाव में आफताब पुरेवैल की जीत ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश में एक बार फिर भारतवंशियों का डंका बजा दिया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब भारतीय मूल के लोगों ने दूसरे देशों में राजनीतिक के शीर्ष पदों पर कब्जा जमाया है। इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि दुनिया के लगभग 29 देशों में भारतीय मूल के लोग राजनीति के शीर्ष पदों पर रह चुके हैं या अब भी हैं, इनमें से आठ से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें ब्रिटेन, मॉरीशस, गुयाना, सिंगापुर और आयरलैंड शामिल हैं। भारतवंशियों ने दूसरे देशों में राजनीति के अलावा व्यवसाय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा की दम पर धाक जमाई है।

दूसरे देशों का नेतृत्व

- भारतीय मूल के ऋषि सुनक को वर्ष 2022 में यूनाइटेड किंगडम का प्रधानमंत्री चुना गया था।
- लियो वराडकर ने 2017 से 2020 और 2022 से 2024 आयरलैंड के प्रधानमंत्री का पद संभाला।
- मॉरीशस में अनिरुद्ध जगन्नाथ, नवीन रामगुलाम, प्रविंद जगन्नाथ कई बार प्रधानमंत्री चुने गए।
- त्रिनिदाद और टोबैगो में कमला प्रसाद-बिस्सेसर वर्ष 2010 से 2015 के बीच प्रधानमंत्री चुने गए।
- गुयाना में 1990 से अब तक चेदी जगन, बर्रत जगदेओ, इरफान अली भारतीय मूल के राष्ट्रपति।
- सूरीनाम में वर्ष 2020 में भारतीय मूल के चंद्रिका प्रसाद संतोखी राष्ट्रपति पद संभालने का मौका।
- सेशेल्स में वेवेल रामकलावन, फिजी में महेंद्र चौधरी और सिंगापुर में श्रीनाथन ने भी नेतृत्व किया।

लोकप्रियता में भी आगे

- फिजी में महेंद्र चौधरी जातीय संघर्ष में अपने दृढ़ रुख के कारण पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने।
- आयरलैंड में लियो वराडकर पश्चिमी यूरोप के पहले खुले तौर पर समलैंगिक भारतवंशी प्रधानमंत्री।
- गुयाना का नेतृत्व करने वाले भारतवंशी चेदी जगन को स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक माना जाता है।
- मॉरीशस में प्रविंद जगन्नाथ भारतीय मूल के सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले नेताओं में एक थे।

भारत को क्या लाभ

- वैश्विक पहचान और मजबूत छवि, ऋषि सुनक, प्रविंद जगन्नाथ जैसे नेता भारत हितैषी नीति के लिए जाने जाते हैं।
- उद्यमी विदेश में भारत में निवेश के सेतु, सिलिकॉन वैली में भारतीय निवेशक भारत के स्टार्टअप्स को फंड देते हैं।
- सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। दिवाली और होली जैसे भारतीय त्योहारों को कई देशों में आधिकारिक मान्यता मिली है।
- भारतीय प्रवासी समुदाय दूसरे देशों में भारत की नीतियों के समर्थन में लॉबिंग करता है, अंतर्राष्ट्रीय लाभ प्राप्त होते हैं।

दुनिया के दूसरे देशों में भारतवंशियों की स्वीकार्यता

- अमेरिका, कनाडा, यूके जैसे उच्च आय वाले देशों में भारतीय मूल के लोगों को सफल, शिक्षित और भरोसेमंद समुदाय माना जाता है।
- कैरेबियाई और अफ्रीकी देशों में शुरू में भेदभाव था, अब भारतीय समुदाय स्थानीय राजनीति व अर्थव्यवस्था में मुख्यधारा में आया है।
- मध्य पूर्व में भारतीय मूल के लोग मुख्यत: श्रमिक और तकनीकी कामगार हैं, और वहां उनका प्रभाव सीमित है, लेकिन वे सम्मानित हैं।

यहां भी आगे : राजनीति के अलावा भारतवंशी कई अन्य क्षेत्रों में भी अगुवाई कर रहे हैं। सुंदर पिचाई गूगल के सीईओ हैं और सत्य नडेला माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ। यूएस की टेक पॉलिसी में अर्जुन रामपाल, वेंचर कैपिटल में विनोद खोसला का नाम आता है। साइंस एंड रिसर्च में नोबल पुरस्कार विजेता वेंकटरमण रामकृष्णन, व्यापार और वित्त में लक्ष्मी मित्तल का नाम आता है।

न्यूयॉर्क का मेयर बनते ही ममदानी ने ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर दी चुनौती

चुनाव जीतने के बाद नेहरू को किया याद, कहा- पुराने से नए युग में रखेंगे कदम

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ममदानी की विजय के बाद उनके समर्थक जश्न मनाने न्यूयॉर्क की सड़कों पर उतर आए।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी ने अपने तेजतर्रार विजयी भाषण में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आव्रजन के मुद्दे पर चुनौती दी, 'राजनीतिक वंशवाद' को खत्म करने की बात कही और पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत अत्याचार और मुनाफाखोरी के खिलाफ उम्मीद का प्रतीक है।

भारतीय मूल के ममदानी ने मंगलवार को चुनावों में निर्णायक एवं ऐतिहासिक जीत हासिल की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा तथा दिग्गज नेता एवं न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया, जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। कुओमो को चुनाव की पूर्व संध्या पर ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त हुआ था। इस जीत के साथ ही ममदानी अमेरिका के सबसे बड़े शहर में मेयर बनने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम व्यक्ति बन गए।

ममदानी ने आधी रात के आसपास डाउनटाउन ब्रुकलिन के एक संगीत स्थल 'ब्रुकलिन पैरामाउंट' में अपने हज़ारों समर्थकों के सामने जोशीले विजयी भाषण में कहा, भविष्य हमारे हाथों में है। दोस्तों, हमने एक राजनीतिक वंश को उखाड़ फेंका है। उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट और अपने समर्थकों के नारों के बीच कहा, न्यूयॉर्क, आज रात आपने कर दिखाया, यह बदलाव का जनादेश है। एक नई राजनीति का जनादेश। एक ऐसे शहर का जनादेश, जहां रहने का खर्चा हम वहन कर सकते हैं। और एक ऐसी सरकार का जनादेश जो बिल्कुल यही करती है।

ममदानी ने न्यूयॉर्क की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की बात करते हुए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आपके सामने खड़े होकर मुझे जवाहरलाल नेहरू के शब्द याद आते हैं। इतिहास में कभी-कभी ऐसा क्षण आता है जब हम पुराने से नए युग में कदम रखते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब किसी राष्ट्र की लंबे समय से दबाई गई आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है। उन्होंने कहा... तो आइए अब हम स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ इस बारे में बात करें कि यह नया युग क्या लाएगा और किसके लिए लाएगा।

ट्रंप पर वार... अब आव्रजक ही चलाएंगे न्यूयॉर्क

ममदानी ने अपने विजय भाषण में ट्रंप को चुनौती दी, जिन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में आव्रजन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क को आव्रजकों द्वारा चलाया जाएगा और उनकी ऐतिहासिक जीत के बाद इसका नेतृत्व भी एक आव्रजक द्वारा किया जाएगा। अपने माता-पिता और पत्नी रमा दुवाजी के साथ ममदानी का लगभग 25 मिनट का भाषण बॉलीवुड फिल्म 'धूम' के लोकप्रिय भारतीय गीत 'धूम मचाले' के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने कहा, मेरे मां और बाबा, आज मैं जो कुछ हूं, आपकी वजह से हूं। मुझे आपका बेटा होने पर बहुत गर्व है। और मेरी अद्भुत पत्नी रमा, मेरी जिंदगी : इस पल और हर पल, आपके सिवा मैं किसी और को अपने साथ नहीं देखना चाहता।

मेरे चुनाव प्रचार में न उतरने और शटडाउन के कारण हारे : ट्रंप

वाशिंगटन। ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर पोस्ट में कहा कि चुनाव प्रचार से उनकी अनुपस्थिति और शटडाउन के कारण रिपब्लिकन पार्टी मेयर चुनाव हार गई। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने मतदाता सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने लिखा, रिपब्लिकन 'फिलिबस्टर' को समाप्त करें। कानून पारित कराने और मतदाता सुधार पर ध्यान केंद्रित करें। फिलिबस्टर एक संसदीय प्रक्रिया है, जिसमें विधायी निकाय के एक या अधिक सदस्य प्रस्तावित कानून पर बहस को इतना लंबा खींचते हैं कि निर्णय में देरी हो जाती है या उसे पूरी तरह से रोका जा सकता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीत का जश्न मनाया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और बराक ओबामा ने ममदानी और अन्य पार्टी नेताओं को चुनावी सफलता की बधाई दी। क्लिंटन ने लिखा, न्यूयॉर्क के अगले मेयर के रूप में चयन पर जोहरान ममदानी को बधाई। आपकी सफलता की कामना करता हूं, जब आप अपने चुनाव अभियान के जोश को एक बेहतर, न्यायसंगत और अधिक किफायती न्यूयॉर्क बनाने के प्रयास में बदलने के लिए काम करेंगे। ओबामा ने कहा, यह हमें याद दिलाता है कि जब हम मजबूत और दूरदर्शी नेताओं के साथ एकजुट होते हैं, जो महत्वपूर्ण मुद्दों को ध्यान में रखते हैं, तो हम जीत सकते हैं।

अमेरिकी के केंटुकी में विमान दुर्घटना, सात मरे, आसपास के इलाकों तक फैली आग

- कार्गो विमान में था 38000 गैलन जेट ईंधन, प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कार्गो विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद ऊपर उठता घना काला धुआं।

अमेरिका के केंटुकी में लुइसविले अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट मंगलवार को एक कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। इस घटना में विमान में आग लग गई जो विमान के गिरने के साथ ही एक बड़े क्षेत्र में फैल गई।

संघीय उड्डयन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि यूपीएस के विमान 2976 में 38,000 गैलन जेट ईंधन और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। यह विमान लुइसविले के मुहम्मद अली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद स्थानीय समयानुसार शाम लगभग सवा पांच बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

गर्वनर एंडी बेशियर ने कहा कि इस विनाशकारी दुर्घटना में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए।

उन्होंने कहा कि यह संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि विमान हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिससे दो व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित हुए और क्षेत्र के अन्य व्यवसाय भी प्रभावित हुए। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में भीषण आग और दुर्घटनास्थल से काले धुएं का घना गुबार उठता दिखाई दिया। लुइसविले के अग्निशमन प्रमुख ब्रायन ओ'नील ने कहा कि सैकड़ों अग्निशमन कर्मियों ने आग पर लगभग काबू पा लिया है और संभावित पीड़ितों की तलाश में पूरे इलाके में ग्रिड दर ग्रिड तलाशी अभियान चला रहे हैं।

अमेरिका में सबसे लंबा 36 दिन का शटडाउन

वाशिंगटन। अमेरिका में एक अक्टूबर से शुरू हुआ शटडाउन बुधवार को 36वें दिन में प्रवेश कर गया। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन है। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में 35 दिनों तक सरकारी कामकाज ठप रहा था। इस शटडाउन की वजह से 4.2 करोड़ गरीब अमेरिकियों की खाद्य सहायता (फूड स्टैंप) रुक गई है।

अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर 24% टैरिफ को एक साल के लिए स्थगित करेगा चीन

बीजिंग, एजेंसी

- व्यापार वार्ता में बनी सहमति को लागू करने का लिया गया निर्णय

चीनी वित्त मंत्रालय ने कहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हुई व्यापार वार्ता के अनुरूप चीन 10 नवंबर से एक वर्ष के लिए अमेरिकी वस्तुओं पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत आयात शुल्क को स्थगित करेगा।

मंत्रालय के मुताबिक चीन-अमेरिका व्यापार वार्ता के दौरान बनी सहमति को लागू करने के लिए आयात शुल्क कानून, सीमा शुल्क कानून, विदेश व्यापार कानून और अन्य प्रासंगिक कानूनों तथा विनियमों तथा अंतर्राष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। राज्य परिषद की स्वीकृति से 10 नवंबर, 2025 से अमेरिकी वस्तुओं पर 24 प्रतिशत का अतिरिक्त सीमा शुल्क एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। लेकिन अमेरिकी वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लागू रहेगा।

मंत्रालय ने कहा कि इस स्थगन से दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास सुनिश्चित होगा। दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचाने और वैश्विक समृद्धि में योगदान करने में मदद मिलेगी। बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी प्रशासन चीनी आयातों पर फेंटेनाइल से संबंधित शुल्कों में कटौती करेगा और चीनी उत्पादों पर कुछ पारस्परिक शुल्कों को स्थिर रखेगा। मंगलवार को जारी कार्यकारी आदेशों में उल्लिखित ये कदम अक्टूबर में दक्षिण कोरिया में एपेक सम्मेलन के दौरान जिनपिंग के साथ हुए व्यापक व्यापार समझौते के प्रमुख तत्वों को समाहित करते हैं।

इसके तहत चीन 10 नवंबर से अमेरिका से आयातित ज्वार, सोयाबीन, सूअर का मांस, बीफ़, जलीय उत्पादों, फलों, सब्जियों और डेयरी उत्पादों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क के साथ चिकन, गेहूं, मक्का और कपास पर 15 प्रतिशत शुल्क भी हटाएगा। इस समझौते के तहत चीन चार मार्च से घोषित सभी परस्पर शुल्कों को स्थगित कर देगा।

पाकिस्तान ने गुरु नानक जयंती मनाने सिख जत्थे के साथ जा रहे हिंदुओं को रोका

अमृतसर, एजेंसी

गुरु नानक देव की जयंती समारोह में भाग लेने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों का पहला जत्था मंगलवार को अटारी-वाघा सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचा, लेकिन तीर्थयात्रियों की खुशी वाघा सीमा पर उस समय फीकी पड़ गई, जबएक बड़े सिख प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान में प्रवेश कर रहे 12 हिंदू तीर्थयात्रियों के एक समूह को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद अचानक आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि वे हिंदू होने के कारण आगे नहीं बढ़ सकते।

इन हिंदू तीर्थयात्रियों को भारत लौटना पड़ा। भारतीय अधिकारियों और संगठनों ने इस कार्रवाई की व्यापक रूप से निंदा की और इसे भेदभावपूर्ण बताया। हिंदू तीर्थयात्रियों के पास वैध वीजा थे और उन्होंने सभी आव्रजन और यात्रा प्रक्रियाएं पूरी कर ली थीं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने उन्हें ननकाना साहिब जाने वाली बस में चढ़ने से रोक दिया और कहा कि केवल सिखों के रूप में सूचीबद्ध लोगों को ही यात्रा करने की अनुमति होगी। इसके बाद तीर्थयात्रियों को भारत वापस भेज दिया गया, और उनमें से एक ने इस घटना पर अपना अपमान और दुख व्यक्त किया।

गुरु पर्व मनाने पहुंचे पहले सिख जत्थे का स्वागत करते पाकिस्तानी अधिकारी।

भारत सरकार दे मुंहतोड़ जवाब : प्रो. चावला ने कहा कि जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज भी पाकिस्तान पहुंचे हैं। यह उनसे आशा की जाती है कि वे इस अन्याय को रोकते और पाकिस्तान की चाल का मुंह तोड़ जवाब देते। अफसोस ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि अब भारत सरकार को चाहिए कि वे पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दे और पाकिस्तान के केवल हिंदू श्रद्धालुओं को ही भारत यात्रा की आज्ञा दे।

हिंदू-सिखों में फूट डालने की नापाक चाल

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान जाने वाला यह पहला जत्था था और इस घटना को हिंदू और सिख समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के एक जानबूझकर किया गया कृत्य माना जा रहा है। पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रो. लक्ष्मीकांत चावला ने घटना की निंदा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान में हिंदू श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा दर्शन के लिए न जाने देना भारत में लोगों में फूट डालने का घृणित प्रयास है, जिसका केंद्र सरकार शीघ्र ही गंभीर नोटिस लेना चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि हिंदू और सिख जो एक ही मां के दो बेटे हैं, एक ही परंपरा से पैदा हुए हैं और जिनका परिवार भी एक है उनको बांटने के लिए पहले अंग्रेजों ने प्रयास किया। 1882 में पहले अंग्रेजों का थोपा हुआ प्रिंसिपल मैकालिफ इस काम को आगे बढ़ाता रहा और इसके बाद अपने ही देश के कुछ नेताओं ने समाज को बांटने की कमान संभाल ली। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के सभी प्रमुख गुरुद्वारों में विशेषकर अमृतसर श्री हरिमंदिर में अगर रोज के श्रद्धालुओं की संख्या देखी जाए तो हिंदू श्रद्धालु ज्यादा हैं, जो देश से भी आते हैं, विदेश से भी आते हैं। प्रो. चावला ने कहा कि वैसे तो हिंदू और सिख दो लिखने में ही कष्ट होता है, पर अगर राजनीतिक हितों ने उन्हें दो पक्ष बना ही दिया है तो पाकिस्तान को यह छूट नहीं दी जा सकती कि वह भारत से गए हिंदू श्रद्धालुओं को गुरु घर के दर्शन करने न जाने दे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 14.54 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

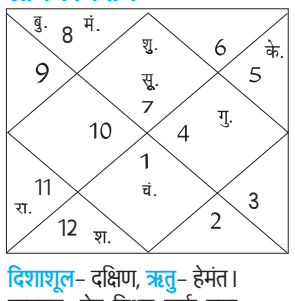

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- भरणी 06.34 तक तत्पश्चात कृत्तिका 7 नवंबर 03.28 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष आज का दिन नई साझेदारियों के लिए शुभ है। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता बढ़ सकती है। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। पड़ोसियों से अपने संबंध अच्छे रखें। प्रेम संबंधों को लेकर पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

वृष आज समाज में आपको उचित मान-सम्मान मिलेगा। रुका हुआ कार्य बनने से मानसिक अशांति दूर होगी। दांपत्य संबंधों की कड़वाहट दूर हो सकती है। ससुराल पक्ष से अपने संबंध अच्छे रखें। परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा।

मिथुन आज अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने से बचें। वाहन चलाते समय चोट लग सकती है। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी। बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क आज कारोबार में नई शुरुआत कर सकते हैं। नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर से काम का दबाव कम होगा। प्रेमीजन से विवाह को लेकर चर्चा कर सकते हैं। मित्रों और सहयोगियों की सहायता करने से आत्मिक संतुष्टि होगी।

सिंह आज अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। किसी राजनीतिक चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं। अपनी दिनचर्या को अनुशासित रखें। प्रेमी जन से कोई वादा न करें।

कन्या आज कानूनी मामले उलझ सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। उच्च शिक्षा में परेशानियां बढ़ सकती हैं। घर के छूटे कार्यों को लेकर तनाव हो सकता है। आर्थिक नुकसान होने की संभावना बन रही है।

तुला आज कोई भी बड़ा निर्णय सोच-समझकर ही लें। अनावश्यक चर्चाओं से दूरी बनाकर रखें। दांपत्य संबंधों में संवादहीनता जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। नजदीकी लोगों की सलाह को अनसुना करना नुकसानदेह हो सकता है।

वृश्चिक आज व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। पिछले काफी समय से चली आ रही उलझनों से राहत मिलेगी। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। गले में कफ की शिकायत हो सकती है।

धनु आज आपकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। अचानक नए कार्यों की शुरुआत न करें। आपको सभी कार्य समय पर करने चाहिए। अटका हुआ धन वापस मिलेगा। अपने स्वभाव में लचीलापन रखना आवश्यक है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मकर आज निवेश के दौरान सावधानी रखें। दार्शनिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से नुकसान होगा। उच्च रक्तचाप के कारण समस्या होगी। अधिकारी वर्ग के साथ तनाव हो सकता है। नए प्रेम संबंधों को लेकर समस्या होगी।

कुंभ आज अपनी गलतियों को छिपाने के बजाय उन्हें दूर करने का प्रयास करें। रियल एस्टेट से जुड़े लोग नए सौदों को जांच-परख कर ही करें। जाने-अनजाने में आपसे कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। आपको सिरदर्द और वायरल बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन आज आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे। जॉब में स्थायित्व की भावना बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। आपके नए मित्र बन सकते हैं। आपको मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। आपको अधिकारियों से सहायता लेनी चाहिए।

सुडोकू-152

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1				2	3	
	2	4						
			2	6	7			
5			3	7				
7								8
3				9	4			
			8	5	1			
	3					7	2	
	6	5				9		

सुडोकू - 151 का हल

9	1	5	6	2	8	3	4	7
3	4	8	5	1	7	6	9	2
6	7	2	3	4	9	8	5	1
2	6	4	9	7	3	1	8	5
8	3	1	4	5	2	7	6	9
5	9	7	8	6	1	2	3	4
1	5	6	7	3	4	9	2	8
7	8	3	2	9	5	4	1	6
4	2	9	1	8	6	5	7	3

अर्शदीप सिंह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें।
–मोर्ने मोर्कल

स्टेडियम

मुरादाबाद, गुरुवार 6 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सऊदी अरब के रियाद में डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के महिला एकल मैच के दौरान कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना रूस की एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा के शॉट को रोकती हुई।

रिचा घोष को सोने की परत वाली गेंद और बल्ला देगा कैब

कोलकाता : बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष को महिला विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिये यहां शनिवार को ईडन गार्डस पर एक भव्य सम्मान समारोह में खास तौर से बनाए गए सोने की परत चढा बल्ला और गेंद प्रदान करेगा। भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत की शिल्पकारों में से एक रिचा ने आठ पारियों में 133.52 की स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। वह टीम के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाली पांच बल्लेबाजों में से थी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के हस्ताक्षर वाला बल्ला उन्हें भारतीय क्रिकेट में अतुलनीय योगदान के लिये प्रदान किया जाएगा।

वेस्टइंडीज ने सात रन से न्यूजीलैंड को हराया

आकलैंड : वेस्टइंडीज ने कम स्कोर वाले पहले टी-20 मैच में बुधवार को न्यूजीलैंड को सात रन से हरा दिया। कप्तान शाई होप ने 39 गेंद में 53 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर छह विकेट पर 164 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने दसवें ओवर तक दो विकेट खोकर 70 रन बना लिये थे लेकिन इसके बाद टीम की लय बिगड़ गई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी-20 मुकाबला आज, भारत का पड़ला भारी

शुभमन गिल की निगाह बड़े स्कोर पर

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे जिसमें भारतीय टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। तीन मैचों के बाद शृंखला 1-1 से बराबर है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में थोड़ा कमजोर नजर आ रही है। पिछले मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से स्पष्ट अंतर नजर आया था, जब भारत 186 रन के लक्ष्य को हासिल करके शृंखला बराबर करने में सफल रहा था। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड की भी कमी खलेगी क्योंकि सलामी बल्लेबाज को एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेलना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम के इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भारत के पास गाबा में अंतिम मैच से पहले 2-1 की बढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा मौका है। हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन को टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म थोड़ी परेशान कर सकती है, क्योंकि उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच खेले हैं और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। एकदिवसीय एजेंसी की शुरुआत से अब तक उनके स्कोर का क्रम 10, 9, 24, नाबाद 37, 5 और 15 है। अभी तक केवल एक बार वह अच्छी फॉर्म में दिखे थे। वह कैनबरा में था जब उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ अच्छी साझेदारी की थी। बारिश के कारण यह मैच रद्द कर दिया गया था। गिल को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि गिल अभी तक अपनी चिर परिचित लय में नहीं दिखे हैं। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि अभिषेक शर्मा ने विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज की अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया है और टीम को उनसे एक बार फिर एक और जोरदार पारी की उम्मीद होगी। गिल को एक सप्ताह के भीतर लाल गेंद से खेलना शुरू करना होगा और अगर वह किसी भी प्रारूप में खेल रहे हों तो कुछ रन बनाने से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत के साथ अपनी पुरानी फॉर्म की झलक दिखाई है लेकिन अब वह बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगली सीरीज से पहले उन्हें एक महीने का ब्रेक मिलेगा। इस बीच, उम्मीद की जा रही है कि सूर्यकुमार पुडुचेरी के खिलाफ मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेलेंगे। अर्शदीप सिंह के शामिल होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत दिखता है, जबकि कुलदीप यादव को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए वापस भेज दिया गया है।

समय
दोपहर 1:45 बजे से

शुभमन गिल व अभिषेक शर्मा।

स्पिन का सामना करने के लिए अच्छी तैयारी जरूरी : मैथ्यू शॉर्ट

गोल्ड कोस्ट : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट मौजूदा टी-20 शृंखला में भारतीय गेंदबाजों का सामना करने के अवसर का आनंद ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में स्पिन के अनुकूल ढलना महत्वपूर्ण होगा। शॉर्ट मौजूदा सीमित ओवरों की शृंखला का अभिन्न हिस्सा रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी से मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा है। शॉर्ट ने चौथे टी-20 मैच से पहले कहा सुधार करने के अपने अलग-अलग तरीके होते हैं। विश्व कप भारत और श्रीलंका में खेला जाना है और इसे देखते हुए स्पिन के खिलाफ खेलना मेरे लिए अच्छी बात है। मुझे लगता है कि इसमें थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

टिम डेविड पर काफी हद तक निर्भर रहेगी। हेड की अनुपस्थिति में मार्श मैथ्यू शॉर्ट को अपना सलामी जोड़ीदार बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने पड़ सकते हैं क्योंकि सीन एबॉट अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को उनकी जगह पर लाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में सीरीज के एक मैच के दौरान विकेट लेने के बाद जश्न मानते अर्शदीप सिंह।

अर्शदीप सिंह जानते हैं हमारी योजना : मोर्कल

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

- भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल बोले- हम आजमा रहे हैं अलग-अलग संयोजन

भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा कि अर्शदीप सिंह को चयन मामलों में भले ही परेशानी का सामना करना पड़ा हो, लेकिन यह तेज गेंदबाज इस बात को अच्छी तरह से समझता है कि टीम प्रबंधन बड़ी तस्वीर को देखते हुए अलग-अलग संयोजन आजमा रहा है। अर्शदीप को होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था।

उन्होंने शानदार वापसी की और वह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए थे। उन्हें पहले दो मैचों में अंतिम एकादश में नहीं चुना गया, क्योंकि उन्हें और कुलदीप यादव को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता और दुबई की परिस्थितियों के कारण सितंबर में एशिया कप में भी वे पहली पसंद नहीं थे। गौरतलब है कि अर्शदीप टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज़ हैं।

मोर्कल ने गुरुवार को यहां होने वाले चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच से पहले संवाददाताओं से कहा अर्शदीप अनुभवी हैं और उन्हें पता है कि हम बड़ी तस्वीर को देख रहे हैं और अलग-अलग संयोजनों को आजमा रहे हैं। उन्हें पता है कि वह विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और उन्होंने पावरप्ले में अधिकतर विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा हम जानते हैं कि वह टीम के लिए कितने अमूल्य खिलाड़ी है, लेकिन हमें अन्य संयोजनों पर भी गौर करने की जरूरत है और वह इस बात को समझते हैं। मोर्कल ने हालांकि स्वीकार किया कि अर्शदीप जैसी क्षमता वाले गेंदबाज के लिए यह आसान नहीं रहा है। उन्होंने कहा यह आसान काम नहीं है लेकिन कभी-कभी कड़े फैसले करने पड़ते हैं। हम बस उनसे यही कहते हैं कि वे कड़ी मेहनत करें और जब भी उन्हें मौका मिले, उसके लिए तैयार रहें। टी20 विश्व कप से पहले अब सीमित मैच ही बचे हैं। मोर्कल ने कहा इसलिए, हमारे लिए यह देखना ज़रूरी है कि दबाव की परिस्थितियों में खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं।

फिटनेस साबित करने के बाद पंत की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, शमी को नहीं मिली जगह

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पैर के फ्रेक्चर से उबरकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिये भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे।

पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान चोट लगी थी और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली श्रृंखला नहीं खेल सके थे। उन्होंने हाल ही में बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी की और दूसरी पारी में 90 रन बनाए। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम में उन्होंने एन जगदीशन की जगह ली। बंगाल के लिये तीन रणजी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले शमी को टीम में जगह नहीं मिल सकी है। पैंतीस वर्ष के शमी ने उत्तराखंड और गुजरात के खिलाफ बंगाल की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन मैचों में 93 ओवर डालकर 15 से अधिक विकेट लिए।

टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतिश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और आकाश दीप।

भारत ए वनडे टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुतार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह।

पहला टेस्ट कोलकाता में 14 नवंबर से
दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में 22 नवंबर से

चयनकर्ताओं को शायद लगा होगा कि अब वह टेस्ट क्रिकेट में लंबे स्पैल नहीं डाल सकेंगे चूंकि घरेलू क्रिकेट में भी स्पैल के बीच उन्होंने ब्रेक लिए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद अगले छह महीने भारत को टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना है जिसे देखकर लगता है कि शमी के लिये दरवाजे बंद हो चुके हैं। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भी कंधे की चोट से उबरकर वापसी की है। वह भारत ए टीम का भी हिस्सा हैं। भारत के पास तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज हैं जबकि स्पिन की कमान रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर के पास होगी।

चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए भारत ए वनडे टीम की भी घोषणा की है जिसमे तिलक वर्मा को कप्तान बनाया गया है। ये मैच 13, 16 और 19 नवंबर को राजकोट में होंगे।

स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पास सीरीज जीतने का बड़ा मौका : बावुमा

बेंगलुरु : दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बावजूद भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज आसान नहीं होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अपने बेहतरीन स्पिन आक्रमण के दम पर उनकी टीम के पास 25 साल बाद भारत में सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी बार 1999-2000 में दिवंगत हैंसी क्रोन्ये की कप्तानी में भारत में पहली टेस्ट शृंखला जीती थी। दो मैचों की शृंखला का दूसरा मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। बावुमा ने कहा दक्षिण आफ्रीका टीम ने लंबे समय से भारत में टेस्ट शृंखला नहीं जीती है। इस बार हमारे पास सुनहरा मौका है। उन्होंने भारत ए और दक्षिण आफ्रीका ए के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच से पहले चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा विश्व चैम्पियन होने के नाते हमसे काफी अपेक्षाएं हैं। भारत में खेलना हमेशा कठिन होता है। भारत के पास बेहतरीन युवा खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा विराट और रोहित ने लंबे समय तक भारत के लिए खेला और भारत को वहां पहुंचाया, जहां टीम आज है। युवा खिलाड़ी उनकी जगह लेने की कोशिश कर रहे हैं। यह हालांकि बहुत बड़ी चुनौती है। जहां तक हमारी बात है तो हम पूरी तैयारी के साथ आये हैं और हमें यहां मिलने वाली चुनौती का अहसास है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। बावुमा की नजरें अच्छे स्पिन आक्रमण के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमी का फायदा उठाने पर भी लगी हैं। न्यूजीलैंड के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों को हुई परेशानी उनकी नजरों से बच नहीं सकी है। बावुमा ने कहा गेंदबाजी हमेशा से हमारी ताकत रही है। हम इस बार बेहतर स्पिन आक्रमण के साथ आये हैं।

शर्मा और चक्रवर्ती पुरुष टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई : सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी-20 खिलाड़ियों की बुधवार को जारी रैंकिंग में बल्लेबाजों और गेंदबाजों में शीर्ष स्थान कायम रखा है।

अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में 925 रेटिंग अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि इंग्लैंड के फिल साल्ट और भारत के तिलक वर्मा उनके बाद हैं। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव आठवें स्थान पर हैं। गेंदबाजों में चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं जबकि आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर आ गए हैं। वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

भारत का कोई अन्य गेंदबाज शीर्ष दस में नहीं है। हरफनमौलाओं की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चौथे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के सईम अयूब शीर्ष पर, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा दूसरे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेस तीसरे स्थान पर हैं।

कुलदीप, सिराज और राहुल की नजर अच्छी तैयारी पर

बेंगलुरु, एजेंसी

- भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए का मुकाबला आज से

भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत पहले मैच की तरह अपनी फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी गुरुवार से यहां तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में लाल गेंद से महत्वपूर्ण मैच अभ्यास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

पंत ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के इसी मैदान पर पिछले सप्ताह खेले गए पहले मैच में विकेटकीपर के रूप में 139.3 ओवर बिना किसी परेशानी के खेले और साथ ही बल्लेबाज के रूप में 133 गेंदें खेली। उन्होंने दूसरी पारी में 90 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी फॉर्म का भी अच्छा परिचय दिया। फिटनेस की चिंता पूरी तरह से पीछे छूट जाने के बाद बाएं हाथ का यह बल्लेबाज अब 14 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले एक बार फिर अपने खेल के चरम पर पहुंचने की कोशिश करेगा।

सिराज, केएल राहुल और कुलदीप स्वदेश लौटने से पहले भारत के ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा सफेद गेंद के दौरे का हिस्सा थे और अब वे दक्षिण अफ्रीका ए जैसी प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ अपने लाल गेंद के कौशल को निखार सकते हैं।

स्मृति, जेमिमा हरमनप्रीत टीम की नई ब्रांड : घावरी

मुंबई : भारत के पूर्व तेज गेंदबाज करसन घावरी ने महिला वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा करते हुए बुधवार को हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और स्मृति मंधाना को भारतीय क्रिकेट का नया ब्रांड करार दिया।

भारतीय महिला टीम ने रविवार को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का कोई टूर्नामेंट जीता। घावरी ने कहा भारतीय महिला टीम की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने पूरे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया विशेष कर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो मैच में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। वह विश्व कप जीतने की असली हकदार थी।

ओलंपिक की तैयारी अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों का किया पुनर्गठन

मीराबाई चानू अपना भार वर्ग बदलने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) द्वारा सोमवार को घोषित लॉस एंजेलिस 2028 के लिए ओलंपिक भार वर्गों के पुनर्गठन के बाद भारतीय स्टार मीराबाई चानू को एक वर्ग ऊपर जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

टोक्यो 2020 में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली और पेरिस 2024 में इसी वर्ग में चौथे स्थान पर रहने वाली मीराबाई चानू अब लॉस एंजेलिस में इस वर्ग में भाग नहीं ले पाएंगी। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में भारोत्तोलन के लिए महिलाओं की न्यूनतम श्रेणी अब 53 किग्रा होगी। आईडब्ल्यूएफ ने लॉस एंजेलिस 2028 में 12 नए वर्गों की पुष्टि की है- पुरुषों और महिलाओं के लिए छह-छह। पेरिस 2024 में प्रत्येक लिंग के लिए पांच वर्ग थे।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक भारोत्तोलन भार वर्ग पुरुषः 65 किग्रा, 75 किग्रा, 85 किग्रा, 95 किग्रा, 110 किग्रा, 110 किग्रा महिलाः 53 किग्रा, 61 किग्रा, 69 किग्रा, 77 किग्रा, 86 किग्रा, 86 किग्रा पेरिस 2024 में, पुरुषों के लिए 61 किग्रा, 73 किग्रा, 89 किग्रा, 102 किग्रा और 102 किग्रा और महिलाओं के लिए 49 किग्रा, 59 किग्रा, 71 किग्रा, 81 किग्रा और 81 किग्रा थे। आईडब्ल्यूएफ ने अब एक साल से भी कम समय में दो बार भार वर्ग बदले हैं। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा का मानना है कि यह बदलाव मीराबाई के पक्ष में काम कर सकता है। शर्मा ने कहा यह (49 किग्रा हटाना) मीराबाई के लिए अच्छी बात है क्योंकि 48 किग्रा तक अपना वजन कम करना एक कठिन प्रक्रिया थी। 31 वर्षीय मीराबाई ने इस साल 48 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

ओलंपिक कार्यक्रम से हटा 49 किग्रा वर्ग

इस साल की शुरुआत में, आईडब्ल्यूएफ द्वारा ओलंपिक कार्यक्रम से 49 किग्रा वर्ग को हटाने के बाद, चानू 48 किग्रा वर्ग में आ गईं। 49 किग्रा वर्ग को तब से आईडब्ल्यूएफ के विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में बहाल कर दिया गया है, लेकिन इसे ओलंपिक में शामिल नहीं किया जाएगा। मीराबाई चानू की सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियां – जिनमें तीन विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप पदक और तीन राष्ट्रमंडल खेल पदक शामिल हैं – 50 किग्रा से कम भार वर्ग में ही आई हैं।